विजयादशमी की शुभकामनाएं

गायक जुबिन गर्ग का प्रबंधक व आयोजक गिरफ्तार - 12

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के प्रस्ताव पर हमास ने नहीं दिया जवाब - 13

हम गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों की मददगार पिचों पर खेलना चाहते हैं : गिल - 14

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| कानपुर नगर |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

आश्विन शुक्ल पक्ष दशमी 07:11 उपरांत एकादशी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 2 अक्टूबर 2025, वर्ष 4, अंक 43, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

कन्या पूजन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महानवमी पर गोरखपुर में कन्या पूजन किया। देवी स्वरूपा कन्याओं के पांव पखारे, अपने हाथों से भोजन परोसा और दक्षिणा-उपहार देकर उनका आशीर्वाद लिया।

केंद्रीय कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 3 % बढ़ाया

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दिवाली का तोहफा देते हुए बुधवार को लगभग 49.19 लाख केंद्र सरकार के कर्मचारियों और 68.72 लाख पेंशनभोगियों के महंगाई भत्ते (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) में तीन प्रतिशत की वृद्धि की।

डीए और डीआर अभी तक मूल वेतन/पेंशन का 55 प्रतिशत था और इसमें तीन प्रतिशत की वृद्धि एक जुलाई, 2025 से प्रभावी है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी देते हुए कहा कि डीए और डीआर में वृद्धि के कारण राजकोष पर कुल मिलाकर 10,083.96 करोड़ रुपये का सालाना प्रभाव पड़ेगा।

मंत्रिमंडल के फैसले

- **1 करोड़ 18 लाख कर्मियों-पेंशनर्स को मिला दिवाली का तोहफा**

यह वृद्धि 7वें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों पर आधारित स्वीकृत फॉर्मूले के अनुसार है। डीए और डीआर में यह बढ़ोतरी जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने के कुछ दिनों बाद हुई है। केंद्र वर्ष में दो बार डीए और डीआर में संशोधन करता है। मार्च में घोषित पिछला संशोधन एक जनवरी से प्रभावी था। केंद्र ने पिछले महीने रेलवे कर्मचारियों के लिए प्रदर्शन आधारित बोनस को मंजूरी दी थी।

खुलेंगे 57 नए केंद्रीय विद्यालय

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 57 नए केंद्रीय विद्यालय (केवी) खोलने के लिए बुधवार को मंजूरी दी, जिससे 86 हजार से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित होंगे। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इन 57 नए केंद्रीय विद्यालयों में से सात केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा और शेष राज्य सरकारों द्वारा प्रायोजित किए जाएंगे। नव स्वीकृत 20 केंद्रीय विद्यालयों को ऐसे जिलों में खोलने का प्रस्ताव है, जहां केंद्रीय सरकार के कर्मचारियों की महत्वपूर्ण संख्या के बावजूद वर्तमान में कोई केंद्रीय विद्यालय नहीं है।

गेहूं का एमएसपी 160 रुपये बढ़ा

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने फसल विपणन सत्र 2026-27 के लिए गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 6.59 प्रतिशत बढ़ाकर 2,585 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया। इस तरह गेहूं के एमएसपी में 160 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गई है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि कुसुम (सैफ्लावर) की एमएसपी में 600 रुपये जबकि मसूर में 300 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है। रेपसीड एवं सरसों के लिए यह वृद्धि 250 रुपये है जबकि चने में 225 रुपये, जौ में 170 रुपये प्रति क्विंटल वृद्धि की गई है।

सूचना

सभी सुधी पाठकों, अभिकर्ताओं और विज्ञापनदाताओं को विजयादशमी पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं। इस अवसर पर 2 अक्टूबर (गुरुवार) को कार्यालय में अवकाश रहेगा। अगला अंक 4 अक्टूबर (शनिवार) को प्रकाशित होगा।

– संपादक

प्रतिबंधों-साजिशों के बावजूद संघ ने कभी कटुता नहीं दिखाई : मोदी

आरएसएस की स्थापना के शताब्दी अवसर पर बोले प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना की शताब्दी के अवसर पर बुधवार को आरएसएस की प्रशंसा की और कहा कि प्रतिबंधों और साजिशों के बावजूद संगठन ने कभी कटुता नहीं दिखाई क्योंकि यह राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत पर काम करता रहा। संघ के शताब्दी समारोह में भाग लेते हुए मोदी ने राष्ट्र निर्माण में संघ के योगदान पर प्रकाश डाला और कहा कि संघ जाति या पंथ के भेदभाव को दूर करके सद्भाव को बढ़ावा देने और एक समावेशी समाज का संदेश फैलाने के लक्ष्य के साथ देश के कोने-कोने तक पहुंचा है।

मोदी ने कहा कि संघ ने अंग्रेजों के अत्याचारों के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। उनका एकमात्र हित हमेशा राष्ट्र के प्रति प्रेम रहा है। उन्होंने कहा कि संघ के स्वयंसेवकों ने स्वतंत्रता सेनानियों को शरण दी और इसके संस्थापक डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार भी स्वतंत्रता संग्राम के दौरान कई बार जेल गए थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि आरोप लगाकर और झूठे मामले दर्ज करके आरएसएस की भावना को कुचलने के कई प्रयास किए गए हैं। उन्होंने महात्मा गांधी की हत्या के बाद आरएसएस पर लगे प्रतिबंध का स्पष्ट संदर्भ देते हुए कहा कि आरएसएस ने अपने खिलाफ झूठे मामले दर्ज होने, प्रतिबंध लगाने और अन्य चुनौतियों के बावजूद कभी कटुता नहीं दिखाई, क्योंकि हम ऐसे समाज का हिस्सा हैं जहां हम अच्छे और बुरे, दोनों को स्वीकार करते हैं। उसका यही मंत्र रहा है कि जो अच्छा है, जो कम अच्छा, सब हमारा है।

नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के शताब्दी समारोह के दौरान विशेष डाक टिकट जारी करते प्रधानमंत्री मोदी।

मोदी ने कहा कि तत्कालीन आरएसएस प्रमुख माधव गोलवलकर को भी झूठे मामले में फंसाकर जेल भेज दिया गया था। फिर भी जब वह बाहर आए तो उन्होंने शांत मन से कहा कि कभी कभी जीभ दांतों के नीचे आकर दब जाती है, कुचल जाती है, लेकिन हम दांत नहीं तोड़ देते, क्योंकि दांत भी हमारे हैं, जीभ भी हमारी है।

- **कहा-राष्ट्र निर्माण में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सराहनीय भूमिका, लोकतंत्र में अटूट विश्वास**

संघ के 100 साल पर डाक टिकट, सिक्का जारी किया

प्रधानमंत्री ने आरएसएस की स्थापना के 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में एक विशेष डाक टिकट और एक स्मारक सिक्का भी जारी किया। उन्होंने कहा कि 100 रुपये के सिक्के पर एक तरफ राष्ट्रीय चिन्ह है, तो दूसरी तरफ सिंह पर विराजमान भारत माता की छवि और स्वयंसेवक भक्ति और समर्पण के साथ उनके सामने नतमस्तक होते दिख रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार भारतीय मुद्रा पर भारत माता की छवि अंकित की गई है, जो अत्यंत गौरव और ऐतिहासिक महत्व का क्षण है।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक 'स्वयंसेवक' का लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं में अटूट विश्वास है, जिसने उन्हें चुनौतियों का सामना करने की शक्ति दी। उन्होंने कहा कि जब आपातकाल लगाया गया, तो इसी विश्वास ने प्रत्येक स्वयंसेवक को उसका सामना करने की शक्ति दी। मोदी ने कहा कि समाज के साथ एकजुटता और संवैधानिक संस्थाओं में आस्था - इन दो मूल मूल्यों ने स्वयंसेवकों को हर संकट में धैर्यवान और संवेदनशील बनाए रखा है।

ब्रीफ न्यूज

वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर होगा जश्न

नई दिल्ली। राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे होने का जश्न पूरे देश में मनाया जाएगा। संविधान सभा ने बंकिमचंद्र चटर्जी द्वारा रचित 'वंदे मातरम्' को राष्ट्रीय गीत का दर्जा दिया था। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान इस गीत की भूमिका को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इसके 150वें वर्ष के उपलक्ष्य में देशव्यापी समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे को पेसमेकर लगाया

बेंगलुरु। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को बुधवार को पेसमेकर लगाया गया। उनके बेटे और कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खरगे ने बताया कि 83 वर्षीय खरगे को मंगलवार को शहर के एमएस रमैया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें पेसमेकर लगाने की सलाह दी गई थी। वह अब बेहतर हैं।

आरबीआई ने रेपो रेट को 5.5 % पर स्थिर रखा

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक ने उम्मीद के मुताबिक बुधवार को प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 5.5 प्रतिशत पर बरकार रखा। अमेरिकी शुल्क के प्रभाव के साथ-साथ पूर्व में नीतिगत दर में की गई कमी और हाल ही में कर दरों में कटौती के परिणामों पर अधिक स्पष्टता की प्रतीक्षा के साथ आरबीआई ने यह निर्णय किया। हालांकि, आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने आने वाले महीनों में अमेरिकी शुल्क के किसी भी प्रभाव से अर्थव्यवस्था को सहारा देने के लिए रेपो दर में कमी की संभावना का संकेत दिया। केंद्रीय बैंक ने मौजूदा परिस्थितियों पर गौर करते हुए चालू वित्त वर्ष के लिए आर्थिक वृद्धि के अनुमान को बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत कर दिया। साथ ही खुदरा मुद्रास्फीति के अनुमान को घटाकर 2.6 प्रतिशत किया है।

छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने आम सहमति से रेपो दर को 5.5 प्रतिशत पर बरकरार रखने के पक्ष में मतदान किया। इसके साथ ही मौद्रिक नीति रुख 'तटस्थ' बनाए रखने का भी फैसला लिया। इसका मतलब है कि केंद्रीय बैंक आर्थिक स्थिति के हिसाब से नीतिगत दर में समायोजन को लेकर लचीला बना रहेगा। यह लगातार दूसरी बार है, जब रेपो दर को यथावत रखा गया है। इससे पहले, केंद्रीय बैंक के गवर्नर की अध्यक्षता वाली एमपीसी ने फरवरी से जून तक रेपो दर में एक प्रतिशत की कटौती की थी। मल्होत्रा ने अमेरिका के भारतीय आयात पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने और एच1-बी वीजा मानदंडों को कड़ा करने का उल्लेख करते हुए कहा कि व्यापार संबंधी अनिश्चितताएं भी बढ़ रही हैं।

- **चालू वित्त वर्ष के लिए आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत किया**

रेपो दरों को स्थिर रखना विवेकपूर्ण कदम : मल्होत्रा

मल्होत्रा ने कहा कि नीतिगत कदमों के प्रभाव को समझने और अगला कदम उठाने से पहले चीजें अधिक स्पष्ट होने के लिए दरों को स्थिर रखना विवेकपूर्ण कदम है। एमपीसी के निर्णयों की घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि मौजूदा वृहद आर्थिक परिस्थितियों और भविष्य ने वृद्धि को और अधिक समर्थन देने के लिए नीतिगत गुंजाइश पैदा की है। एमपीसी ने इस बात पर भी गौर किया कि पूर्व में उठाए गए मौद्रिक नीति और हाल के राजकोषीय उपायों का प्रभाव अभी भी जारी है।

दो किशोरों की हत्या के बाद किसान ने 3 परिजनों समेत लगाई आग

संवाददाता, बहराइच

अमृत विचार : जिले के निंदुनपुरवा टेपरहा गांव में बुधवार सुबह एक घर के अंदर छह लोगों के शव मिलने से सनसनी फैल गई। एक किसान ने दो किशोरों को खेत में लहसुन की बोवाई के लिए बुलाया। घर पहुंचकर किसान ने इन दोनों किशोरों की धारदार हथियार से हत्या कर दी और स्वयं पूरे परिवार और मवेशियों को बंद करके घर में आग लगा दी। जिससे किसान, उसकी पत्नी और दो बेटियों की जलकर मौत हो गई। चार मवेशी भी जिंदा जले हैं। अभी कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस ने फायर ब्रिगेड के साथ मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया।

रामगांव थाना क्षेत्र के निंदुनपुरवा टेपरहा गांव में विजय कुमार मौर्य खेती और पशुपालन का काम करता था। बुधवार सुबह खेत में लहसुन की बोवाई के लिए विजय ने गांव के सूरज यादव (14) पुत्र लच्छी राम, शनी वर्मा (13) पुत्र ओमप्रकाश और किशन को घर बुलवाया। काम करने के बाद विजय ने किशन को किसी अन्य काम से बाहर भेज दिया। उसके कुछ देर बाद विजय के घर से आग की लपटें उठने लगीं, ग्रामीण दौड़ कर पहुंचे तो घर का दरवाजा अंदर से बंद पाया। सूचना पर दमकल के साथ पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़ा तो एक कमरे में सूरज व शनि की लाश पड़ी थी तथा दूसरे कमरे में विजय मौर्य (40) तथा कमरे की टांड़ पर पत्नी धीरज कुमारी (35), बड़ी बेटी प्रियांशी (8) और छोटी बेटी रियांशी (6) के झुलसे हुए शव पड़े थे। शनि के चाचा कुलदीप ने बताया कि दोनों किशोरों का गला और हाथ की तीन उंगलियां कटी हुई थीं। मौके पर पहुंचे डीआईजी देवीपाटन परिक्षेत्र अमित पाठक ने बताया कि घटना के सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति साफ हो सकेगी।

एसपी रामनयन सिंह ने कहा कि मौके से खून व सिंदूर का मिलना भी कई सवाल खड़ा करता है। पता चला है कि विजय मानसिक रूप से बीमार रहता था। आग लगाने से पहले उसने बाहर बंधे मवेशियों को भी अंदर कर लिया था, जिससे यह लगता है कि वह सब कुछ खत्म कर देना चाहता था। मौके पर जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी भी पहुंचे थे।

सनसनी

- **बहराइच में 6 लोगों की मौत से मचा हड़कंप, चार मवेशी भी जिंदा जले**
- **डीआईजी समेत पुलिस-प्रशासनिक अमले ने किया गांव का दौरा**

मुठभेड़ में दो गैंगस्टर के पैर में लगी गोली, लूटी गन बरामद

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : शहर में हुए बवाल में अपराधी और गैंगस्टर भी शामिल हुए थे। पथराव और फायरिंग के दौरान एसपी सिटी मानुष पारीक के गनर से एंटी रायट गन लूटने वाले दो गैंगस्टरों की सीबीगंज पुलिस के साथ बुधवार सुबह मुठभेड़ हो गई। पुलिस ने दोनों के घुटने में गोली मारकर गिरफ्तार कर लिया। साथ ही लूटी हुई एंटी रायट गन भी बरामद की है। उधर, दंगा कराने की कोशिश में लगे तौकीर रजा के करीबी डॉ. नफीस खां और उनके बेटे समेत 8 और आरोपियों को जेल भेजा है। अभी तक कुल 82 उपद्रवी गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

आई लव मोहम्मद पोस्टर विवाद को लेकर आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के आह्वान पर जुमे की नमाज के बाद शहर में विरोध प्रदर्शन कर रहे उपद्रवियों ने पुलिस पर पथराव और फायरिंग करते हुए दुकानों में तोड़-फोड़ की थी। बवाल में अपराधियों और गैंगस्टरों ने भी हाथ आजमाए थे। इसका खुलासा बुधवार की सुबह सीबीगंज पुलिस के साथ दो गैंगस्टरों से मुठभेड़ के बाद हुआ।

सीबीगंज पुलिस सूचना के आधार पर बंडिया नहर हाईवे पुलिया के पास वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी बीच दो बदमाश बाइक से आते दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो दोनों ने फायरिंग करना शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाशों के पैर में गोली जा घुसी। इसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान इस्लामनगर पंखा खेड़ा थाना मदनापुर शाहजहांपुर निवासी इदरीश और इकबाल के रूप में हुई। इदरीश पर गंभीर आरोपों में 20 और इकबाल पर 17 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

बरेली बवाल

- **दंगा कराने की कोशिश में लगे डॉ. नफीस, बेटे समेत 9 को भेजा जेल**

फिलीपींस में भूकंप से 69 की मौत

मनीला, एजेंसी। फिलीपींस के मध्य क्षेत्र में सेबू प्रांत में मंगलवार रात आए 6.9 तीव्रता के भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 69 हो गई है।

फिलीपींस के नागरिक सुरक्षा कार्यालय (ओसीडी) के उप प्रशासक, सहायक सचिव बर्नार्डो राफेलिटो एलेजांद्रो ने बुधवार को बताया कि भूकंप के केंद्र बोगो सिटी में 30 लोग, मेडेलिन टाउन में 10, सैन रेमिगियो टाउन में 22, ताबोगोन टाउन में पांच, और सोगोद और ताबुएलान नगरपालिकाओं में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई है। पीड़ितों की मौत घरों और इमारतों के ढहने से मलबे में दबने और कुचले जाने के कारण हुई। कम से कम इसमें 147 लोग घायल हुए। एलेजांद्रो ने बताया कि मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है क्योंकि आपातकालीन कर्मचारी मलबे और ढही इमारतों में फंसे बचे लोगों के लिए खोज और बचाव अभियान जारी रखे हुए हैं।

- **6.9 रही तीव्रता, राहत कार्य और बचाव अभियान जारी**

वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर 15.50 रुपये महंगा हुआ

नई दिल्ली। विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमत में बुधवार को तीन प्रतिशत से अधिक और वाणिज्यिक एलपीजी की कीमत में 15.50 रुपये प्रति सिलेंडर की वृद्धि की गई। तेल कंपनियों ने होटल और रेस्त्रां में इस्तेमाल होने वाले वाणिज्यिक एलपीजी की कीमत 15.50 रुपये प्रति सिलेंडर (19 किग्रा) बढ़ा दी। राष्ट्रीय राजधानी में वाणिज्यिक एलपीजी की कीमत अब 1,595.50 रुपये है। यह बढ़ोतरी छह महीने की कटौती के बाद हुई है, जिसमें पिछली कटौती एक सितंबर को 51.50 रुपये की थी। इन छह कटौतियों में अप्रैल से अब तक कीमतों में 223 रुपये प्रति सिलेंडर की कमी की गई है।

कसा शिकंजा — राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार, यूपी में सांप्रदायिक दंगे शून्य

देश के मुकाबले उत्तर प्रदेश में अपराध एक चौथाई कम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की क्राइम इन इंडिया 2023 के आंकड़ों के मुताबिक 2023 में यूपी में सांप्रदायिक एवं धार्मिक दंगों की संख्या शून्य रही है। यही नहीं पूरे देश के मुकाबले यूपी में अपराध एक चौथाई कम है। देश के सबसे बड़े राज्य में कुल अपराध दर राष्ट्रीय औसत से 25 फीसद कम रही, जो 448.3 के मुकाबले 335.3 रही। एनसीआरबी के आंकड़े साबित करते हैं कि 2017 के बाद उप्र. अब शांति व सामाजिक सद्भाव का गढ़ बन चुका है।

एनसीआरबी रिपोर्ट में यूपी में सांप्रदायिक दंगों की संख्या शून्य बताई गई, इसका कारण 2017 से प्रदेश में चली आ रही जीरो टॉलरेंस नीति को समझा जा रहा है। वहीं दूसरी ओर 2012-2017 के बीच पांच वर्षों की बात करें तो ये आंकड़े भयावह हैं।

आंकड़ों के अनुसार 815 दंगे हुए, जिनमें 192 लोगों की जान गई, जबकि 2007-2011 में 616 घटनाओं में 121 मौतें हुईं। इसके विपरीत, 2017 के बाद यूपी में कोई बड़ा दंगा नहीं हुआ। बरेली और बहराइच में दो हिंसक झड़पें हुईं, लेकिन राज्य सरकार ने 24 घंटे के भीतर शांति बहाल कर स्थिति को नियंत्रित किया। बरेली की घटना पर त्वरित कार्रवाई ने कानून-व्यवस्था को और मजबूती प्रदान की है।

- **विभिन्न अपराध श्रेणियों में भी दर्ज की गई उल्लेखनीय कमी**

क्राइम रेट में उल्लेखनीय गिरावट

एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, राज्य में विभिन्न अपराध श्रेणियों में राष्ट्रीय औसत से उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई। बलवा के मामलों में भारत में 39,260 मामले (क्राइम रेट 2.8) के मुकाबले यूपी में 3,160 मामले (क्राइम रेट 1.3) रहे, जो राष्ट्रीय औसत से आधी से भी कम है और यूपी को देश में 20वें स्थान पर है। वहीं अपहरण के मामले देश में 615 घटनाएं हुई जिसकी तुलना में यूपी में मात्र 16 घटनाओं के साथ देश में 36वें स्थान पर है। डकैती के मामलों में भारत में 3,792 (क्राइम रेट 0.3) के मुकाबले यूपी में 73 मामले दर्ज हुए, जो इसे नियर जीरो क्राइम रेट की श्रेणी में लाता है। बड़ी जनसंख्या के बावजूद यह कमी योगी सरकार की सख्त नीतियों और त्वरित कार्रवाई का परिणाम है।

महिला अपराध : सजा दिलाने में प्रथम

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी प्रदेशवासियों को शारदीय नवरात्र की पावन महानवमी एवं गुरुवार को मनाए जाने वाले विजयदशमी पर्व की हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि जीवन के किसी भी पक्ष में नारी शक्ति के बगैर सृष्टि की कल्पना ही नहीं की जा सकती। नारी शक्ति के प्रति सम्मान, सुरक्षा और स्वावलंबन के लिए इसी भाव के साथ अनेक कार्यक्रम चला रही है। इन कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप सुखद तथ्य यह है कि आबादी के दृष्टिकोण से देश का सबसे बड़ा राज्य होने के बावजूद उत्तर प्रदेश में महिलाओं के प्रति अपराध न्यूनतम है। जबकि महिलाओं के प्रति होने वाले अपराध के मामले में सजा दिलाने में यह प्रदेश देश में नंबर वन है।

अमृत विचार

कानपुर, गुरुवार, 2 अक्टूबर 2025

न्यूज ब्रीफ

विजय धर्म की ही होती है : राज्यपाल

अमृत विचार, लखनऊ : राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने विजय दशमी पर्व पर समस्त देश एवं प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई दी है। साथ ही राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर देश एवं प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। राज्यपाल ने बुधवार को अपने बधाई संदेश में कहा कि विजय दशमी पावन पर्व हमें स्मरण कराता है कि असत्य कितना भी प्रबल क्यों न हो, अंततः विजय सत्य और धर्म की ही होती है।

विजयादशमी से मिलती है सदाचार की प्रेरणा : महाना

अमृत विचार, लखनऊ : विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने विजयदशमी (दशहरा) पर्व की प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि यह पर्व हमें यह प्रेरणा देता है कि जीवन में सदैव सत्य, नैतिकता और सदाचार के मार्ग पर चलकर ही वास्तविक सफलता प्राप्त की जा सकती है। साथ ही सभी नागरिकों के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और प्रगति की मंगलकामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह पर्व प्रदेश में सामाजिक सद्भाव, भाईचारा और आपसी सौहार्द को और सुदृढ़ करेगा।

सपा प्रमुख ने दी पर्व की बधाई

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने विजयादशमी पर्व की देशवासियों को बधाई दी, और कहा है कि विजयदशमी का दिन हमें अन्याय पर न्याय की विजय का संदेश देता है। साथ ही 2 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर शुभकामनाएं दीं।

आरएसएस पर जातीय भेदभाव का आरोप

अमृत विचार, लखनऊ : आम आदमी पार्टी (आप) उप्र. के प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने आरएसएस पर मनुवादी व्यवस्था और जातीय भेदभाव तथा छुआछूत की व्यवस्था में विश्वास रखने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आरएसएस में 'राष्ट्रीय' शब्द लगा होने के बावजूद, यह संगठन देश की 85 प्रतिशत आबादी (दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों) का प्रतिनिधित्व क्यों नहीं करता है। साथ ही आश्चर्य है कि एक भी महिला को भी संघ का प्रमुख नहीं बनाया गया। आप सांसद ने बुधवार को जारी बयान में और कहा कि यह संगठन बाबा साहब भीमराव आंबेडकर और उनके संविधान के खिलाफ है। उन्होंने जनता से ऐसे संगठनों से सावधान रहने की अपील की।

रोडवेज एसी बसों में 10 फीसद कम होगा किराया

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- दशहरा व दीपावली पर योगी सरकार ने दिया तोहफा

अमृत विचार : राज्य सरकार ने प्रदेशवासियों को दशहरा और दीपावली पर तोहफ़ा दिया है। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) द्वारा संचालित सभी वातानुकूलित बसों के किराए में की गई लगभग 10 फीसद की कमी को अग्रिम आदेशों तक जारी रखा जाएगा।

परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि सरकार जनता को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इस निर्णय से यात्रियों को कम किराए में आरामदायक सफ़र की सुविधा मिलेगी। यह छूट जनरथ, पिंक, शताब्दी, वोल्वो, वातानुकूलित शयनयान जैसी सेवाओं पर लागू होगी। हालांकि, 1 जनवरी 2024 के बाद पंजीकृत नई वातानुकूलित बसों पर यह छूट लागू नहीं होगी।

ये होगा किराया

- 3*2 बस सेवा – 1.45 रु. प्रति किलोमीटर
- 2*2 बस सेवा – 1.60 रु. प्रति किलोमीटर
- हाई एंड (वोल्वो) बसें – 2.30 रु. प्रति किलोमीटर
- वातानुकूलित शयनयान – 2.10 रु. प्रति किलोमीटर

> निगम की सकल आय पर असर न पड़े, इसके लिए बसों पर तैनात चालक-परिचालकों को प्रेरित कर अधिक यात्रियों को आकर्षित करने के लिए विशेष काउंसिलिंग की जाएगी।
>
> – दयाशंकर सिंह, परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

2 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने मंदिरों में किए देवी मां के दर्शन

अमृत विचार, लखनऊ : इस बार पूर्वांचल के विंध्यवासिनी धाम से लेकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के शाकंभरी मंदिर तक सभी देवी मंदिरों में नवरात्र के नौ दिनों में ही लगभग 2 करोड़ भक्तों ने मां के दरबार में हाजिरी लगाई। इनमें से केवल विंध्यवासिनी धाम में ही 50 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने मां का आशीर्वाद लिया। वाराणसी में 51 शक्तिपीठों में गिने जाने वाले मां विशालाक्षी मंदिर में सामान्य दिनों की तुलना में नवरात्र पर भक्तों की संख्या कई गुना बढ़ गई। वहीं, पश्चिमी उप्र. का सहारनपुर जिला भी आस्था से सराबोर रहा। नवरात्रि के नौ दिनों में शाकंभरी धाम में लगभग 7 लाख और मां त्रिपुर बाला सुंदरी मंदिर में करीब 4 लाख श्रद्धालुओं ने मत्था टेका। बलरामपुर स्थित मां पाटेश्वरी मंदिर में इस नवरात्र करीब 6.50 लाख श्रद्धालु पहुंचे। सप्तमी से नवमी तक यहां सबसे अधिक भीड़ रही। प्रयागराज के मां अलोप शंकरी धाम में नवरात्र के दौरान करीब 12 लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंचे। सप्तमी, अष्टमी और नवमी पर प्रतिदिन ढाई लाख तक भक्त मां के दरबार में हाजिरी लगाने आए।

आरएसएस : सेवा, त्याग और राष्ट्र निर्माण की शताब्दी यात्रा

राजनाथ सिंह
रक्षा मंत्री

27 सितंबर 1925 को जब डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना की थी, तब शायद ही किसी ने ऐसा सोचा होगा कि आगामी सौ वर्षों में यह संगठन इतना विशाल और प्रभावशाली बन जाएगा। बीते दस दशकों में आरएसएस ने भारत की सामाजिक बुनियाद को मजबूत किया है, उसकी संप्रभुता की रक्षा की है, कमजोर वर्गों को सशक्त बनाया है और भारतीय सभ्यता के मूल्यों को संजोए रखा है। वर्तमान में आरएसएस निःस्वार्थ सेवा का जीवंत प्रतीक बन गया है। आरएसएस के शताब्दी उत्सव के अवसर पर, उसकी यात्रा को पुनः याद करना उचित भी है और आवश्यक भी।

हाल ही में दिल्ली में हुए एक कार्यक्रम में सरसंघचालक मोहन भागवत ने संघ के समावेशी विचारों पर चर्चा करते हुए कहा धर्म व्यक्तिगत पसंद का विषय है; इसमें किसी तरह का प्रलोभन या जोर-जबरदस्ती नहीं होनी चाहिए। यह वक्तव्य संघ की मूल विचारधारा को प्रतिबिंबित करता है कि समाज में टकराव नहीं, सामंजस्य हो ; बिखराव नहीं, एकता हो और केवल भौतिक वस्तुओं की प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि जीवन की सार्थकता पर बल हो। यह अत्यंत स्वाभाविक बात है कि संघ के अनुकरणीय योगदान के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 79वें स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से संघ को दुनिया का सबसे बड़ा गैर-सरकारी संगठन बताया और देशवासियों को संघ की सौ साल की भव्य, प्रेरणादायक और समर्पित यात्रा के बारे में याद दिलाया।

वर्ष 1947 में जब भारत स्वतंत्रता का उत्सव माना रहा था, तब विभाजन की त्रासदी की वजह से बहुत जनहानि हुई थी और लाखों लोगों को अपने घरों से विस्थापित होना पड़ा था। ऐसी भीषण परिस्थिति में आरएसएस के स्वयंसेवक एक अनुशासित, संगठित और निःस्वार्थ सेवकों के रूप में सामने आए। विभाजन से पहले भी आरएसएस के दूसरे सरसंघचालक गुरुजी (एम. एस. गोलवलकर) और संघ के कई वरिष्ठ नेताओं ने पंजाब के विभिन्न हिंसाग्रस्त क्षेत्रों का दौरा किया था और उन्होंने वहां के लोगों को आत्मरक्षा और राहत कार्यों के लिए संगठित किया था। स्वयंसेवकों की सेवा के कारण ही द ट्रिब्यून अख़बार ने अपनी एक रिपोर्ट में आरएसएस को 'The sword arm of Punjab' कहा था।

संघ द्वारा समाज-सेवा का कार्य विभाजन के बाद भी अनवरत जारी रहा। 1984 में जब सिख विरोधी दंगे भड़काए गए और हजारों सिखों की हत्या की गई, तब भी संघ स्वयंसेवक सिखों की रक्षा और राहत कार्यों के लिए सबसे आगे थे। लेखक खुशवंत सिंह ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा है कि श्रीमती इंदिरा गांधी की हत्या के बाद में हिंदू-सिख एकता बनाए रखने में आरएसएस ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भारत के एकीकरण में संघ के योगदान से भी बहुत लोग अवगत नहीं हैं। कश्मीर से गोवा और दादरा नगर हवेली तक, संघ ने भारत की अखंडता को बनाए रखने में निर्णायक भूमिका निभाई है। जब पाकिस्तान समर्थित कबायली हमलावरों ने जम्मू-कश्मीर पर आक्रमण किया तो सरदार वल्लभभाई पटेल ने महाराजा हरि सिंह को विलय के लिए राजी करने हेतु गुरुजी की मदद मांगी थी। इसके बाद गुरुजी श्रीनगर गए और उन्होंने हरि सिंह को तत्काल विलय करने के लिए मनाने का प्रयास किया था। आरएसएस स्वयंसेवकों ने 1947-48 के युद्ध के दौरान सेना की सहायता भी की थी।

1954 में स्वयंसेवकों ने दादरा और नगर हवेली को पुर्तगाली शासन से मुक्त कराने में अग्रणी भूमिका निभाई। केआर मलकानी की पुस्तक 'दि आरएसएस स्टोरी' के अनुसार, 2 अगस्त 1954 को लगभग 200 आरएसएस स्वयंसेवकों ने नाना काजरेकर और सुधीर फड़के के नेतृत्व में दादरा और नगर हवेली को आज़ाद कराया। उन्होंने राइफल, ब्रेन गन और स्टेन गन से लैस 175 पुर्तगाली सैनिकों को खदेड़ दिया। इसी तरह, गोवा की आज़ादी के लिए आरएसएस ने भूमिगत स्वतंत्रता आंदोलनों में भाग लिया था।

आरएसएस ने हमेशा भारत को मजबूत करने के लिए कार्य किया है। 1975 के दौरान, संघ ने आपातकाल का मज़बूती से विरोध किया था। इसके खिलाफ लाखों स्वयंसेवक संगठित होकर भारत के संविधान की रक्षा के लिए खड़े हो गए। जनवरी 1976 में द इकोनॉमिस्ट ने अपनी एक रिपोर्ट में लिखा था- इस आंदोलन की मुख्य ताकत जनसंघ और उससे जुड़ा संगठन आरएसएस है।

वर्ष 1952 में स्थापित, अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम, आज देश का सबसे बड़ा आदिवासी कल्याण संगठन है। वर्तमान में यह संगठन देश के 323 ज़िलों की लगभग 52,000 बस्तियों और गांवों में 20,000 से अधिक परियोजनाएं चला रहा है।

महात्मा गांधी ने कई अवसरों पर संघ के अनुशासन और राष्ट्र सेवा की प्रशंसा की है। वर्ष 1934 में गांधीजी ने वर्धा में आरएसएस के एक शिविर का दौरा भी किया था, जहां उन्होंने संघ के अनुशासन, अस्पृश्यता के पूर्ण अभाव और उच्च सादगी की सराहना की थी। विभाजन की त्रासदी के दौरान, 16 सितंबर 1947 को गांधीजी ने दिल्ली में आरएसएस की एक सभा को संबोधित किया था। इस दौरान उन्होंने संघ की सेवा एवं बलिदान की भावना की प्रशंसा की थी। 30 जनवरी 1948 को गांधीजी की हत्या के बाद, आरएसएस ने श्रद्धांजलि स्वरूप अपनी सभी शाखाएं 13 दिनों के लिए स्थगित कर दी थीं। ऐसा संघ के इतिहास में सिर्फ एक बार हुआ है। आरएसएस ने 1946 में गुवाहाटी में पहली शाखा स्थापित की और तब से इस क्षेत्र को राष्ट्रीय धारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बहुत सी चुनौतियों के बीच, यहां संघ ने विद्यालयों, स्वास्थ्य शिविरों, आपदा राहत कार्यों और सामुदायिक निर्माण जैसे कार्यों के ज़रिए सामाजिक पूंजी को बढ़ाया है और लोगों के बीच विश्वास कायम किया है। कोविड-19 महामारी के दौरान भी संघ और उसके स्वयंसेवकों ने बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

गायत्री प्रजापति की हालत स्थिर

अमृत विचार, लखनऊ : किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में भर्ती पूर्व मंत्री गायत्री प्रजापति की तबीयत स्थिर बनी हुई है। सीटी स्कैन समेत दूसरी जरूरी जांचें कराई गई हैं।

डॉक्टरों की टीम उनकी सेहत की निगरानी कर रही है। जेल में हुए हमले के बाद घायल गायत्री प्रजापति को मंगलवार रात केजीएमयू के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया। उनके सिर व हाथ में चोट लगी है। केजीएमयू के प्रवक्ता डॉ. केके सिंह ने बताया कि वर्तमान में वह पूर्णतः खतरे से बाहर हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि गायत्री प्रजापति पर जेल में हुए हमले की निष्पक्ष न्यायिक जांच हो।

हर भारतीय राष्ट्रहित की सोचे : होसबोले

'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ : विचार यात्रा के 100 वर्ष' विशेषांक का विमोचन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ में राष्ट्रधर्म पत्रिका के नए विशेषांक का विमोचन करते सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले व अन्य।

अमृत विचार : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने कहा कि राष्ट्रधर्म एक शाश्वत धर्म है। भारत में जन्मे प्रत्येक व्यक्ति का यह कर्तव्य है कि वह सोचे- राष्ट्र के लिये जीवन में किस क्षेत्र में हम क्या कर सकते हैं। राष्ट्रधर्म की शुरुआत संघ के स्वयंसेवकों ने समाज में वैचारिक परिवर्तन लाने के लिए की थी, न कि आर्थिक लाभ के लिए।

सरकार्यवाह बुधवार को गोमतीनगर स्थित भागीदारी भवन सभागार में आरएसएस की शताब्दी वर्षगांठ के अवसर पर राष्ट्रधर्म पत्रिका द्वारा आयोजित विशेषांक "राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ : विचार यात्रा के 100 वर्ष" के विमोचन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। पत्रिका की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि 1948-49 के कठिन दौर से लेकर अब तक इस पत्रिका ने हिंदुत्व के विचार को समाज में पहुंचाने का कार्य किया। आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद पत्रिका का प्रकाशन नहीं रुका क्योंकि इसके पीछे संकल्प था, समाज को विचार और दृष्टि देना। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विनोद सोलंकी ने भी अपने विचार रखे। की आत्मा जागृत रही। कार्यक्रम में अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख स्वांतरंजन, क्षेत्रप्रचारक अनिल, प्रांत प्रचारक कौशल, कैबिनेट मंत्री असीम अरुण, राष्ट्रीय सहसंगठन मंत्री संजय कुमार, आई.आई.एम कोलकाता के निदेशक प्रो. आलोक राय, महापौर सुषमा खर्कवाल, राष्ट्रधर्म के निदेशक मनोजकांत, सर्वेश दिवेदी व अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

वृद्धजनों को नहीं भरना होगा पेंशन फॉर्म

जीवित प्रमाण पत्र देने के लिए नहीं जाना पड़ेगा कार्यालय : असीम अरुण

राज्य ब्यूरो,लखनऊ

अमृत विचार : समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने कहा कि वृद्धजनों को पेंशन पाने के लिए फॉर्म भरने की आवश्यकता नहीं होगी। सरकार के पास सभी का डेटा उपलब्ध है। इतना ही नहीं, सेवानिवृत्त कर्मियों को हर वर्ष जीवित प्रमाण पत्र के लिए विभाग या ट्रेजरी कार्यालय के चक्कर भी नहीं लगाने पड़ेंगे।

समाज कल्याण मंत्री, समाज कल्याण विभाग व हेल्पएज इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार भागीदारी भवन में अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इसकी व्यवस्था कर रही है कि जैसे ही कोई व्यक्ति 60 वर्ष का होगा। उसकी पेंशन स्वतः बन जाएगी। आवश्यक दस्तावेज सीधे मोबाइल या नजदीकी साइबर कैफे से अपलोड किए जा सकेंगे। इस मौके पर असीम अरूण ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को वृद्धजनों का सम्मानित करने की शपथ भी दिलाई गयी।

वृद्धजन को सम्मानित करते समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण।

राज्यकर्मियों को मिल सकता है बोनस

अमृत विचार, लखनऊ : केंद्र सरकार की तर्ज पर योगी सरकार ने भी उत्तर प्रदेश के कर्मचारियों को बोनस देने की तैयारी में है। वित्त विभाग ने हरी झंडी दिखायी तो इस दीपावली पर राज्यकर्मियों के खाते में 3400 रुपये से 7000 रुपये तक की बोनस राशि आ सकती है। हालांकि, वित्त विभाग की ओर से मंजूरी लेने के बाद ही बोनस देने का डॉक्यूमेंट तैयार होगा। समझा जा रहा है कि अक्टूबर के दूसरे सप्ताह तक बोनस संबंधी आदेश जारी हो जाएगा।

20 कृषि उत्पादों को मिल सकता जीआई टैग

अमृत विचार : अपने क्षेत्र के विशेष आलू, रेवड़ी, लड्डू समेत 20 कृषि एवं खाद्य प्रसंस्कृत उत्पादों को जल्द जीआई टैग मिलेगा। लखनऊ की रेवड़ी, संडीला का लड्डू, मलवां का पेड़ा, फर्रुखाबाद का फुलवा आलू, सीतापुर की मूंगफली, कानपुर का ज्वार, रामपुर व बाराबंकी का मेंथा, गोरखपुर का पनियाल फल, मऊ का गुड़, बुलंदशहर की अरहर दाल समेत 20 कृषि उत्पादों को जीआई टैग दिलाने के लिए व्यापारी व एफपीओ ने चेन्नई स्थित मुख्यालय पर आवेदन किए थे। जिन्हें जीआई में पंजीयन कराने के लिए कृषि विपणन एवं कृषि विदेश व्यापार निदेशालय में पत्राचार किया है। जल्द इनमें कुछ मानक पर खरा उतरने वाले उत्पादों को पंजीकृत किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

कल 10 बजे से 5 बजे तक बाधित रहेगी बिजली

राजपुर। उपकेंद्र राजपुर से जुड़े गांवों में शुक्रवार सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। बताया गया कि बिजनेस प्लान 2024-25 के अन्तर्गत 33/11 विद्युत उपकेंद्र राजपुर पर वीसीबी पैनल की स्थापना का कार्य किया जाना है। इस कारण संबंधित ग्रामों की बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। जानकारी उपखंड अधिकारी अनिल कुमार शर्मा ने दी है।

बारिश के कारण बाधित रही बिजली

रूरा। कस्बा रूरा में मंगलवार की दोपहर 12 बजे तेज बारिश होने कारण विद्युत सप्लाई बंद कर दी गई थी। आपूर्ति देर रात तक बहाल नहीं हुई। इसे लेकर लोगों में रोष दिखा। उपभोक्ताओं ने उच्चाधिकारियों से स्थाई समाधान की मांग की है। इलाकाई लोगों ने बताया कि समस्या अक्सर खड़ी होती है। इस बारे में संबधित अधिकारियों को फोन किया जाता मगर कार्रवाई नहीं होती। इधर बिजली नहीं आने से उपभोक्ता खासे परेशान रहते हैं। समस्या का निवारण जल्द से जल्द कराया कराया जाए।

बस हुई बंद, ऑटो चालक ले रहे मनमाना किराया

रूरा। कस्बे में अवैध रूप से जगह-जगह बने ऑटो स्टैंड मनमाना किराया वसूल रहे हैं। लोगों का कहना है कि जब से फजलगंज से रूरा तक डीएफसी बस संचालन बंद हुआ है तब से ऑटो वाले ज्यादा वसूली कर रहे। लोगों ने इस बात का जिक्र व्यापार मंडल के पदाधिकारियों से किया। इसके बाद उच्चाधिकारियों को अवगत कराया गया लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। लोगों ने पुनः सीएनजी बस रूरा फजलगंज कानपुर विजय नगर तक संचालित करने की मांग की है।

पुलिस ने भ्रमण कर परखीं व्यवस्थाएं

मंगलपुर। थाना प्रभारी मंगलपुर मुहेश कुमार एवं पुलिस चौकी प्रभारी झींझक सुधीर कुमार भारद्वाज ने अपने हमराहियों एवं पुलिस बल के साथ कस्बा झींझक में भ्रमण किया। आदर्श रामलीला कमेटी व्यापारिक मंडल द्वारा आयोजित रावण दहन को लेकर जूनियर हाई स्कूल प्रांगण में भारी भीड़ होती है, इसे ध्यान में रखते हुए तैयारियां परखीं। पुलिस ने बताया कि एक दर्जन मार्गों को चिन्हित कर सिक्योरिटी और हेल्प पॉइंट बनाए गए हैं। सुरक्षा के लिए जरूरी प्रबंध कर लिए गए हैं। रामलीला प्रांगण में कमेटी के कार्यकर्ता शांति व्यवस्था में सहयोग कर रहे हैं।

फसलों का कराएं बीमा, मिलेगा लाभ

कानपुर देहात। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा किसानों के लिए संचालित प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में अधिसूचित फसलें धान, मक्का, बाजरा, ज्वार, उर्द, तिल, अरहर, आदि फसलों का बीमा करवाया गया है। किसानों को बताया गया कि 30 सितंबर और एक अक्टूबर को हुई वर्षा एवं जलभराव से फसलों को नुकसान होने की दशा में फसल बीमा कंपनी एचडीएफसीईर्गो में 72 घंटे के अंदर मदद देगी। टोल फ्री नंबर 14447 पर संपर्क कर फसल में हुई नुकसान की शिकायत दर्ज कराई जा सकती है।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

रसूलाबाद में दुर्गा नवमी पर हवन करते श्रद्धालु। डिलवल में होता कन्या भोज। कथरी गांव के मंदिर में पूजा के लिए आए भक्त। अमृत विचार

नवरात्र के अंतिम दिन हवन-पूजन, कन्या भोज

जिला मुख्यालय से सटे सलावतपुर गांव में हुआ भंडारा, कथरी गांव के कात्यायनी देवी मंदिर में रही श्रद्धालुओं की भीड़

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचार: नवरात्र के अंतिम दिन बुधवार को जिलेभर में नवदुर्गा पंडालों, घरों और मंदिरों में हवन-पूजन कन्या भोज, भंडारे और विसर्जन के कार्यक्रम हुए। जिला मुख्यालय से सटे गांव सलावतपुर में भंडारे के साथ शारदीय नवरात्र के कार्यक्रमों का समापन हुआ। हजारों श्रद्धालुओं ने भंडारे का प्रसाद पाया। रात को मां भगवती का जागरण भी हुआ।

ग्रामीणों ने मिलकर सलावतपुर गांव में नवरात्र का आयोजन कराया। भक्ति गीतों और भजनों के साथ मां दुर्गा की पूजा आराधना की। इसके बाद बुधवार को भंडारा हुआ। इसमें पहुंचे भक्तों ने मां भगवती का पूजन किया और मां से कृपा की कामना की। दोपहर को भंडारे का क्रम शुरू हुआ। यह देर रात तक चला। आयोजन के कार्यकर्ता अमन उर्फ हिमांशु कुशवाहा ने बताया कि यह कार्यक्रम गांव के सभी के सहयोग से पांच वर्षों से किया जा रहा है। इस मौके पर विनय सेंगर, रंजीत कुशवाहा, सरमन कुशवाहा, अजीत कुशवाहा, पिंटू कुशवाहा, सतीश कुशवाहा, रामू कुशवाहा, दीपक कुशवाहा, नीरज कमल, जीतू कुशवाहा, संदीप कुशवाहा,शिवा, अश्वनी कुशवाहा व अमित कुशवाहा सहित भारी संख्या में भक्तगण मौजूद रहे। इसी तरह से सरवनखेड़ा ब्लॉक के मनेथू ग्राम पंचायत में नवयुवक मंडल द्वारा दुर्गा पंडाल में हवन-पूजन व भंडारे का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

भंडारे की व्यवस्था में लगे आयोजक। अमृत विचार

रसूलाबाद संवाददाता के अनुसार बुधवार दुर्गा नवमी के पर्व पर घर-घर देवी पूजन और हवन आदि के कार्यक्रम हुए। मां के भक्तों ने भी दिल खोलकर कन्याओं के मनपसंद व्यंजन बनाकर परोसे और गिफ्ट में चॉकलेट, टॉफी ,बिस्कुट, बर्तन एवं वस्त्र दक्षिणा सहित भेंट किए। कन्याओं को भूखे पेट खिलाने की लालसा में सुबह से ही कन्याओं की खोज जारी रही जिसके चलते कन्याओं का भी टोटा रहा। इस दुर्गा नवमी के अवसर पर अनेक श्रद्धालु भक्तों ने विधिवत घर में हवन कर मां से आशीर्वाद लिया।

मंगलपुर संवादाता के अनुसार क्षेत्र के डिलवल गांव में नवरात्र समापन पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। सुबह हवन-पूजन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इसके बाद आमंत्रित कन्याओं का भोज हुआ। नवरात्रि की शुरुआत 22 सितंबर को हुई थी। इसी अवसर पर डिलवल गांव में मां दुर्गा की प्रतिमा वैदिक विधि-विधान से स्थापित की गई थी। प्रतिदिन धार्मिक अनुष्ठान, भजन-कीर्तन और पूजन-अर्चन का आयोजन होता रहा। इसके समापन के अवसर पर आयोजित भंडारे में क्षेत्रभर से सैकड़ों श्रद्धालु पहुंचे और प्रसाद ग्रहण किया।इस मौके पर प्रभाकांत तिवारी ,रामू कुशवाहा, गोपाल कुशवाहा ,राजा अवस्थी आनंद अवस्थी, आदर्श यादव, गुलशन कुशवाहा, सहित सैकड़ों की संख्या में भक्त रहे।

मंदिरों में माता के दर्शनों को उमड़े भक्त

- **राजपुर :** क्षेत्र के कथरी गांव के कात्यायनी देवी मंदिर में बुधवार को सुबह 5 बजे से ही भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। भक्तों ने सिद्धिदात्री माता‌रानी के दर्शन करके पूजा अर्चना की और परिवार के लिए सुख समृद्धि की कामना की। रात तक मंदिर में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। क्षेत्र के आसपास गांवो से दिन भर माता‌रानी के दरबार में गाजे-बाजे के साथ झंडा, जवारे लेकर पहुंचे।झंडा और ज्वारों के साथ चल रहे श्रद्धालुओं ने अबीर-गुलाल उड़ाकर जमकर नृत्य किया। इसके साथ भारी संख्या में श्रद्धालु ऐसे भी रहे जो दंडवत होकर माता‌रानी के दरबार में पहुंचे। नवरात्रि पर सुरक्षा व्यवस्था के लिए सट्टी थानाध्यक्ष देवनारायन द्विवेदी पुलिस बल के साथ मौजूद रहे।

1090 वूमेन पावर लाइन या 112 नंबर पर दें सूचना

संवाददाता, राजपुर

अमृत विचार: मिशन शक्ति फेज 5 के तहत पुलिस सक्रिय दिखाई दे रही है। पुलिस गांव-गांव जाकर महिलाओं को जागरूक कर रही है।

राजपुर थाना क्षेत्र के सलेमपुर गांव में बुधवार को राजपुर थाना अध्यक्ष सनत कुमार की मौजूदगी में मिशन शक्ति फेज-5 के तहत जन चौपाल लगाई गई। इसमें महिला कांस्टेबल रोशनी व इंद्रा ने महिलाओं को जागरूक करते हुए बताया कि महिलाएं किसी से कम नहीं है। महिलाएं आईएएस से लेकर आईपीएस अधिकारी के पदों पर आसीन हैं। यहां तक फोर्स, शिक्षा, स्वास्थ्य से लेकर हर एक विभाग में छोटे से लेकर बड़े पदों पर अपनी शिक्षा और काबिलियत पर मुकाम हासिल किया है। कांस्टेबल प्रियंका व कांता ने कहा मनचलों व शोहदों से डरें नहीं इनसे डटकर मुकाबला करें। सूनसान जगहों पर दूरी बनाकर रखें तथा किसी भी फोन से तत्काल 1090 वूमेन पावर लाइन या 112 आपातकालीन पुलिस, 181 महिला हेल्पलाइन आदि नंबरों पर जानकारी दें। पुलिस तत्काल पहुंचकर मदद करेगी।

साइबर हेल्प डेस्क प्रभारी शिव प्रकाश ने जागरूक करते हुए बताया कि अगर आपके फोन पर किसी का फोन आए कि आपके या आपके बेटे ने कोई क्राइम किया है और उसके खिलाफ एफआईआर है। जेल भेजने की धमकी पर मोटी रकम मांगते हैं। ऐसे समय व्यक्ति डर की वजह से साईबर ठगी का शिकार हो जाते हैं। ऐसा होने पर तत्काल नजदीक थाना में जाकर पुलिस से शिकायत दर्ज कराएं।

महिलाओं को जागरूक करते पुलिसकर्मी। अमृत विचार

ढाई सौ ग्राम सोना, 1 किलो चांदी और 5 लाख नकदी चोरी की रिपोर्ट हुई दर्ज

अमृत विचार Follow UP

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचार। भवनपुर ग्राम प्रधानके घर सोमवार रात लाखों रुपये की नकदी और जेवरात की हुई चोरी के मामले में पुलिस ने प्रधान पति के प्रार्थना पत्र पर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

बताते चलें कि जिला पंचायत सदस्य व भाजपा के युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष ऋषि सिंह गौर के छोटे भाई सौरभ सिंह की पत्नी प्रियंका सिंह भवनपुर की ग्राम प्रधान हैं।

सोमवार रात उनके घर चोर पिछवाड़े की दीवार से घुसे और लगभग ढाई सौ ग्राम सोने व 1 किलो चांदी के जेवरात एवं लगभग 5 लाख रुपये नकदी पार कर ले गए। घर वालों को इसका पता सुबह 3 बजे चला। तब उन्होंने यूपी 112 डॉयल कर पुलिस को इसकी सूचना दी।

सूचना पाकर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन की। इस मामले में सौरभ सिंह ने 3 लाख 30 हजार रुपये नकद, सोने चांदी के जेवरात चोरी होने की तहरीर दी है। पुलिस ने उनकी रिपोर्ट दर्ज कर ली है। थाना प्रभारी सतीश कुमार सिंह ने बताया कि चोरी की घटना हुई है। सौरभ सिंह की तहरीर पर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

नेहा की मौत पर पति समेत 4 के खिलाफ एफआईआर

संवाददाता, मंगलपुर

अमृत विचार: कस्बा निवासी फैजल की पत्नी नेहा (22) का शव सोमवार रात घर के कमरे में फंदे पर संदिग्ध परिस्थितियों में लटकता मिला था। सूचना पर डेरापुर क्षेत्राधिकारी राजीव सिरोही और थाना प्रभारी महेश कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा था।

मृतका के पिता इरफान निवासी विष्णुबाग गाड़ीपुरा (इटावा) ने पुलिस को दी तहरीर में पति फैजल, ससुर अफसार उर्फ मुखिया, सास साइन उर्फ बेबी और ननद कशा पर दहेज हत्या का आरोप लगाया है। पीड़ित पिता ने आरोप लगाया कि सोमवार की रात करीब आठ बजे सूचना मिली कि उनकी पुत्री की हत्या कर दी गई है। जब वह मौके पर पहुंचे तो नेहा का शव घर के भीतर जमीन पर पड़ा था। थाना प्रभारी महेश कुमार ने बताया कि मृतका के पिता की तहरीर पर पति समेत चार ससुरालीजनों के खिलाफ दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज की है।

सीता मां की खोज में निकली सेना

सिकंदरा: सिकंदरा कस्बा में चल रहे श्रीरामलीला कार्यक्रम में मंगलवार की रात कलाकारों द्वारा शबरी मिलन, सुग्रीव मित्रता, सुतीक्षण मिलन, लंका दहन का मंचन किया गया।

श्रीराम लीला में बालि के वध के उपरांत मां सीता की खोज में सुग्रीव की सेना निकलती है। हनुमान सीता की खोज में समुद्र को छलांग कर लंका पहुंचते हैं जहां मां सीता का पता चल जाता है। वह लंका का बाग उजाड़ देते हैं जिससे मेघनाथ हनुमान को बंदी बनाकर रावण के दरबार में लाते हैं।

वृद्धजन दिवस | रनियां के वृद्धाश्रम में निवासरत हैं 139 वृद्धजन, जांचा गया स्वास्थ्य

राज्यमंत्री ने वृद्धजनों को दी ई-रिक्शा की सौगात

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचार: अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर बुधवार को राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला नगर पंचायत रनियां के बजरंग नगर मोहल्ला स्थित वृद्धा आश्रम पहुंचीं। यहां उन्होंने आश्रम में निवास कर रहे वरिष्ठ नागरिकों का माल्यार्पण एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया। इस दौरान वृद्धजनों को फल एवं मिष्ठान वितरण किया गया।

वृद्धा आश्रम में वर्तमान समय में करीब 139 वृद्धजन निवासरत हैं। राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला ने आश्रम का गहन निरीक्षण कर आश्रम की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने आश्रम परिसर की साफ-सफाई, भोजन व्यवस्था और रहने की सुविधाओं की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वृद्धजनों की सेवा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और उन्हें घर जैसा वातावरण मिलना चाहिए। राज्यमंत्री ने स्वास्थ्य शिविर का अवलोकन किया। शिविर में आश्रम में रह रहे वृद्धजनों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की गई।

वृद्धाश्रम में वृद्धजनों को उपहार भेंट करतीं राज्यमंत्री। अमृत विचार

संबोधन में राज्यमंत्री ने कहा कि वृद्धावस्था में स्वास्थ्य ही सबसे बड़ी पूंजी है। सरकार वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। वृद्धजनों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए राज्यमंत्री ने अपनी विधायक निधि से वृद्धा आश्रम के लिए एक ई-रिक्शा उपलब्ध कराने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह ई-रिक्शा वृद्धजनों के आवागमन के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा, जिससे उन्हें दैनिक कार्यों एवं चिकित्सकीय परामर्श हेतु बाहर जाने में सहूलियत होगी। राज्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वृद्धा आश्रम में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो और समय-समय पर उनकी आवश्यकताओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए। इस दौरान राजेंद्र सिंह चौहान, समाज कल्याण अधिकारी गीता सिंह, एसडीएम अकबरपुर नीलिमा यादव, रनियां थाना प्रभारी शिवनारायण सिंह, महेश तिवारी आदि मौजूद रहे।

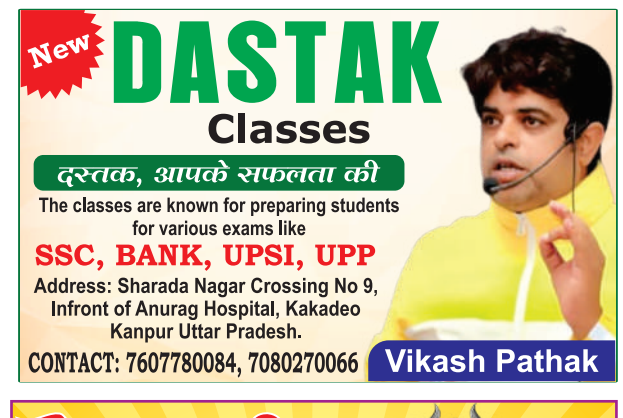

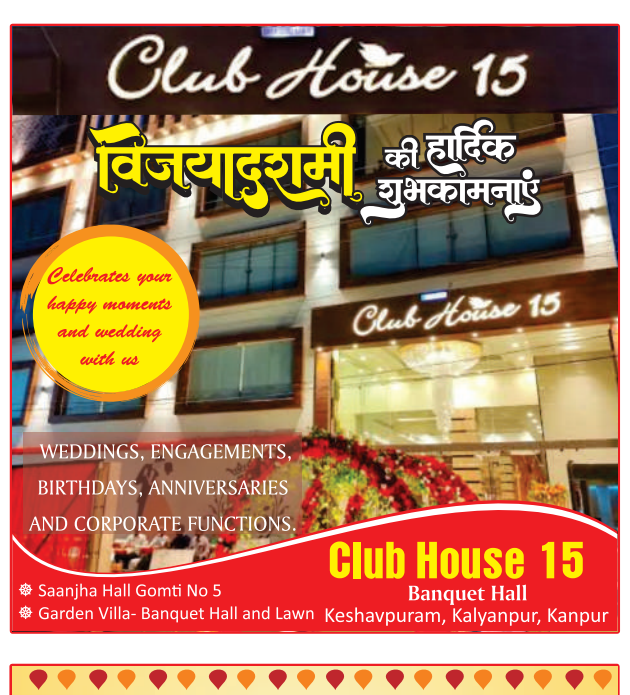

अमृत विचार

कानपुर, गुरुवार 2 अक्टूबर 2025

न्यूज ब्रीफ

बकरियों की लड़ाई में भिड़े दो परिवार

मौदहा (हमीरपुर)। बकरियों की लड़ाई में दो परिवार आपस में भिड़ गए। हालांकि पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच और कार्रवाई शुरू कर दी है। कोतवाली क्षेत्र के नायक पुरवा निवासी फूलकुंवर पत्नी हरिराम ने कोतवाली में दिए शिकायती पत्र में बताया कि दो दिन पहले उसकी बकरी पड़ोसी राजाबाई की बकरी से लड़ गई थी। जिसमें राजाबाई की बकरी की सींग टूट गई थी। उसी बात को लेकर राजाबाई, चिंटी, गोरी और छैला उसके दरवाजे पर आकर गाली गलौज करते हुए पत्थर चलाने लगे। जिससे उसके और उसकी बेटी को चोटें आईं है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बस की टक्कर से तीन युवक घायल

राठ (हमीरपुर)। जरिया थाने के पवई गांव में तेज रफ्तार रोडवेज बस की टक्कर से बाइक पर सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। जिन्हें इलाज के लिए सीएचसी ले जाया गया। जरिया गांव निवासी गिरजाशंकर पुत्र मोतीलाल अपनी पत्नी निधा रानी के साथ बीरा गांव निवासी नवीनचंद्र पुत्र राम सहोदर के साथ उसकी बाइक पर बैठकर जरिया से बीरा गांव जा रहे थे। रास्ते में पवई गांव के पास तेज रफ्तार रोडवेज की बस ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर सवार तीनों लोग सड़क पर गिरकर घायल हो गये।

जनरेटर चलाने की बात पर मारपीट

मौदहा(हमीरपुर)। बिजली जाने के बाद बैंक के संविदा कर्मी को जनरेटर चालू करने की बात कहना उस समय महंगा पड़ गया जब जनरेटर चालू करने के बजाय तीन लोगों ने उसके साथ मारपीट कर दी। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम अरतरा स्थित उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के संविदा कर्मी ब्रह्मस्वरूप ने कोतवाली में दिए शिकायती पत्र में बताया कि बीते 30 दिसंबर को अचानक बिजली चली गई तो शाखा प्रबंधक के कहने पर उसने रामप्रकाश के पुत्र आकाश से जनरेटर चलाने की बात कही जिससे वह आक्रोशित हो गया और कहने लगा जनरेटर बाद में चलेगा पहले तुझे देखेंगे कहकर निकल गया और कुछ समय बाद आकाश, अमन, रामप्रकाश अपने हाथों में लोहे के राड और धारदार हथियार लेकर आए और गाली गलौज कर मारपीट करने लगे। जिससे उसके गंभीर चोटें आईं हैं। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

11 गांव में 36 घण्टे बिजली गुल रही

कन्नौज। 11000 वोल्ट की लाइन की केबल जलने से एक दर्जन गांवों में अंधेरा छाया रहा। सौरिख बिजली घर से नादेमऊ फीडर पर एक्सप्रेस वे के नीचे से डाली गई 11000 वोल्ट की लाइन की केबल दो दिन पहले जल गई। इससे क्षेत्र के 11 गांवों में बिजली गुल हो गई। करीब 36 घंटे बाद आपूर्ति सुचारू हो सकी है।

ईओ ने गौशाला पहुंचकर किया गौ पूजन

कन्नौज। अधिशासी अधिकारी अनिल कुमार ने रामगंज स्थित अस्थाई गौशाला का निरीक्षण कर गोवंशों को तिलक लगाकर उनका पूजन किया और गुड़, चना, केला खिलाया। जबकि केयरटेकर उधन सिंह से गौवंशों के बारे में जानकारी ली। समय-समय पर गोवंशों का मेडिकल चेकअप भी करने के लिए निर्देशित किया। इस मौके पर कई लोग मौजूद रहे।

गोवंश फंसने से 35 मिनट खड़ी रही ट्रेन, लगा जाम

मंधना चौकी के सामने ट्रेन के नीचे एक गोवंश फंस गया

संवाददाता बिठूर

अमृत विचार। कासगंज-फर्रुखाबाद रेलवे ट्रैक पर मंगलवार दोपहर करीब 3:40 बजे कानपुर से फर्रुखाबाद की ओर ट्रेन जा रही थी। तभी बिठूर क्षेत्र के मंधना चौकी के सामने अचानक ट्रेन के के नीचे एक गोवंश फंस गया। इसके चलते ट्रेन 35 मिनट तक खड़ी रही, जिसके चलते रेल संचालन बाधित रहा। इस दौरान वहां पर भीषण जाम लग गया।

ट्रेन के नीचे गोवंश फंसने की सूचना पर मंधना पुलिस और जीआरपी मौके पर पहुंची। करीब 35 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद गोवंश को बाहर निकाला गया। इसके बाद ही ट्रेन अपने गंतव्य की ओर रवाना हो सकी। इस दौरान रेलवे क्रॉसिंग का फाटक बंद रहने से मंधना चौराहे पर लंबा व भीषण जाम लग गया। इसके चलते राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। रेलवे क्रॉसिंग के इतनी देर के लिए बंद हो जाने के कारण लोगों के पसीने छूट गए। वहीं रेल में बैठे यात्री भी उहापोह की स्थिति में रहे।

खड़ी ट्रेन के आस पास मौजूद लोग। अमृत विचार

ट्रेन रुकने की वजह से लगा भीषण जाम। अमृत विचार

मौदहा बांध के दो गेट खोले विरमा का बढ़ेगा जलस्तर

हमीरपुर। पिछले दो दिनों से हो रही भीषण बारिश का असर स्वामी ब्रह्मानंद बांध (मौदहा डैम) में दिख रहा है। बांध में जनपद महोबा की ओर से आ रहे पानी के कारण जलस्तर में वृद्धि हुई है।

मौदहा डैम की अवर अभियंता सपना कटियार ने बताया कि बांध पूरी क्षमता से भरा है। इधर दो दिनों से हो रही बारिश का पानी एक और गेट खोले जाने की बात कही जा रही है। बताया कि मंगलवार को क्षेत्र में 36 एमएम व बुधवार को 99.9 एमएम बारिश हुई है। ऐसे में विरमा नदी का जलस्तर बढ़ेगा। इस नदी पर बने रपटों के ऊपर पानी तेज बहाव के साथ निकलने की संभावना है। वहीं नदी किनारे बसे गांवों तक पानी आने की संभावना है। नदी के रपटों पर पानी आने से ग्रामीणों का आवागमन प्रभावित हो सकता है। इसके चलते नदी किनारे बसे गांवों बिहुनी, भैंसाय, बंडवा, मुस्करा, उपरहका, शिवनी, बिलगांव व जलालपुर थानाक्षेत्र के गांवों के लोगों को नदी में छोड़े गए पानी और उसे बढ़ाने वाले जलस्तर के संबंध में सुरक्षा को लेकर सूचित किया गया है कि बढ़ते जलस्तर को देखते सतर्क रहें।

महिलायें निर्भीक होकर बतायें अपनी समस्याएं : एसीपी

संवाददाता बिल्हौर

- गढ़ेवा की प्रधान हिमांशी ने महिला हेल्प डेस्क का किया उद्घाटन
- मौके पर मौजूद एसीपी अमरनाथ यादव ने महिलाओं से किया संवाद

अमृत विचार। ककवन थाना परिसर में बुधवार को महिला हेल्प डेस्क का औपचारिक उद्घाटन किया गया। गढ़ेवा गांव की महिला ग्राम प्रधान हिमांशी देवी ने फीता काट कर उद्घाटन किया ।

इस दौरान एसीपी अमर नाथ भी मौजूद रहे और मौके पर मौजूद महिलाओं से सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि महिला अपराध को छिपाना भी एक बड़ा अपराध है। लोगों को ऐसे मामलों पर पर्दा नहीं डालना चाहिए। एसीपी अमर नाथ ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि योगी सरकार महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी महिलाओं को निर्भीक होकर अपने साथ होने वाले किसी भी अन्याय या अपराध की शिकायत तुरंत दर्ज कराने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने महिला हेल्प डेस्क के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही, उन्होंने महिला सशक्तिकरण के कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी चर्चा की, जोर देते हुए कि महिलाएं समाज के हर क्षेत्र में आगे आएं।

इस महत्वपूर्ण अवसर पर ककवन के थाना प्रभारी जितेंद्र राजपूत और ग्राम प्रधान राजू स्वर्णकार ,राजाराम दोहरे ,सियाराम ,के साथ सहित स्थानीय गणमान्य व्यक्ति और महिलाएं मौजूद रहीं। एसीपी ने थाना प्रभारी को निर्देशित किया कि महिला हेल्प डेस्क पर आने वाली हर शिकायत को गंभीरता से लिया जाए और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

हेल्प डेस्क का फीता काटकर उद्घाटन करतीं ग्राम प्रधान हिमांशी देवी। अमृत विचार

अश्लील हरकतों का विरोध करने पर पीटा

बिवांर (हमीरपुर)। मकान के दरवाजे पर काम कर रही महिला के साथ पड़ोसी ने गंदी हरकत की। महिला के सामने कपड़े उतारने पर पीड़िता ने सास को बताया तो आरोपी ने मारपीट कर दी। पीड़िता ने आरोपी युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने घायल सास बहू का छानी सीएचसी में डॉक्टरी परीक्षण कराया है।

राजमार्ग के ऊपर से निकले जर्जर तारों से हादसे का खतरा

संवाददाता, शिवली

अमृत विचारः प्रांतीय राजमार्ग शिवली रसूलाबाद रोड से होकर निकली हाइटेंशन लाइन के तार बेहद जर्जर है। इन जर्जर तारों में कई जगहों पर जोड़ लगाकर विभाग काम चला रहा है। ग्रामीणों ने जर्जर तारों से बड़ा हादसा होने की आशंका जताई है। और जर्जर तारों को बदलवाने की मांग की है।

प्रांतीय राजमार्ग 68 चौबेपुर से होकर औरैया के बिधूना तक जाता है। इसी रोड पर कस्बा शिवली में मवैया फीडर की सप्लाई के लिए मुख्य लाइन होकर गुजरी है। ग्रामीण अरुणोदय अग्निहोत्री,अमर सिंह,मनीष सैनी,व्यापार मंडल के अध्यक्ष रमाकांत अग्निहोत्री ने बताया कि मुख्य सड़क के ऊपर से होकर निकले तार बेहद जर्जर हो गए है। और तारों में जोड़ लगाकर काम चलाया जा रहा है। कुछ दिन पहले इसी लाइन के तार टूटने से एक भैंस की मौत भी हो चुकी है।

प्रांतीय राजमार्ग 68 से बड़ी संख्या में वाहनों व राहगीरों का आना जाना रहता है।

यहां से कानपुर, दिल्ली, बिधूना, अकबरपुर, रूरा, झीझक, रसूलाबाद, कल्याणपुर, बेला आदि जगहों पर बड़ी संख्या में वाहनों का आना जाना रहता है। साथ ही कस्बा शिवली में प्रतिदिन बड़ी संख्या में आसपास के करीब तीन दर्जन गांवों के लोगों का आवागमन रहता है।

बिजली विभाग के जेई आर के राय ने कहा कि प्रांतीय राज मार्ग के ऊपर से निकले जर्जर तारों का सर्वे कर शीघ्र बदलवाया जाएगा।

हवन-पूजन कर किया श्री रामचरितमानस का पाठ

संवाददाता घाटमपुर

अमृत विचार। बुधवार को नौरंगा में आशीष कुमार सोनी के आवास में श्री रामचरितमानस का पाठ हर्षोल्लास के साथ किया गया।

श्री रामचरितमानस का पाठ सम्पन्न होने के पश्चात् मुख्य आचार्य बउआलाल तिवारी व सहायक आचार्यों किशनू तिवारी, इष्टदेव द्वारा पूर्ण विधि विधान से वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हवन पूजन सम्पन्न कराया गया। हवन पूजन के बाद भगवान को भोग लगाने के उपरान्त भंडारे का भी आयोजन किया गया। भंडारे में सैकड़ों लोगों ने प्रसाद चखा। इस दौरान आशीष कुमार सोनी, छवि सोनी, रिमा सोनी, प्रिन्स सोनी, शौर्य सोनी आदि लोगों ने भगवान का आशीर्वाद प्राप्त किया।

ओवर ब्रिज के नीचे भंडारे में उमड़े लोग: घाटमपुर । नगर में ओवर ब्रिज के नीचे स्थापित मां दुर्गा के पंडाल में पूरी नवरात्र भजन कीर्तन गाये गए।

माता के जयकारों से पूरा परिसर गुंजायमान रहा। पूर्व जिला महामंत्री भाजपा कमलेश त्रिवेदी ने माता रानी की आरती कर आशीर्वाद प्राप्त किया। नवमी के पावन अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इय विशाल भंडारे में सैकड़ों लोगों ने प्रसाद चखा। इस दौरान कमलेश त्रिवेदी, रिंकू त्रिवेदी, ज्ञान सिंह, तुत्तल, कल्लू त्रिवेदी, राजू गुप्ता, शिवदास सैनी, केवल यादव, पुष्पा, गंगा, गौरी, सुमन, सेजल, कंचन, सुहाना, नंदू, रूपाली, शशि, अमित गुप्ता आदि लोगों का विशेष सहयोग रहा।

स्कूल में कन्याभोज में दही जलेबी खाती कन्याएं। अमृत विचार

राम चरित मानस का पाठ करते श्रद्धालु। अमृत विचार

आदर्श कालिंदी कॉलेज में कराया कन्याभोज

घाटमपुर । कोटरा मकरंदपुर में संचालित आदर्श कालिंदी इण्टर कॉलेज में नवमी के पावन अवसर पर ब्लॉक प्रमुख घाटमपुर इंद्रजीत सिंह ने कन्याओं का पूजन किया कर उनको भोग लगाया। इस दौरान ब्लॉक प्रमुख व विद्यालय के प्रधानाचार्य राजीव पांडे ने कन्याओं को रोली, अक्षत का टीका लगाया और उन्हें चुनरी ओढ़ाकर उनका पूजन किया तथा कन्या भोज के साथ उन्हें उपहार प्रदान किये ।प्रधानाचार्य राजीव पांडे ने बच्चों को नौ देवियों से सम्बन्धित पौराणिक कथाओं की जानकारी दी और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। इस दौरान अमोल, कुलदीप गौतम, चंद्रपाल शर्मा, रामकुमार, बीके तिवारी, बीपी परमार सहित विद्यालय के समस्त स्टाफ का सहयोग रहा।

हाईवोल्टेज से नलकूप के स्टार्टर में लगी आग

कुरारा (हमीरपुर)। क्षेत्र के भौली गांव निवासी किसान यशेंद्र सिंह उर्फ बलकरन सिंह ने बताया कि निजी नलकूप में दोपहर को आग लग गई। जिससे कमरे में रखे सिंचाई के 90 पाइप, स्टार्टर, केबल सहित अन्य उपकरण जलकर राख हो गए।

इससे लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। किसान ने बताया कि नलकूप का विद्युत ट्रांसफार्मर कई दिन से खराब था। जो कि हाई वोल्टेज निकाल रहा था। इसमें लाइनमैन कामता को करंट भी लगा था। इसकी सूचना जेई को दी गई थी। लेकिन खराब ट्रांसफार्मर को ठीक नहीं किया गया न ही बदला गया। इससे हाईवोल्टेज से आग लगी है। किसान ने बताया कि आगजनी में लाखों रुपये का नुकसान हुआ है।

नाली का पानी बंद करने पर एसडीएम से की शिकायत

संवाददाता, शिवराजपुर

अमृत विचार। क्षेत्र के निवादा दरिया गांव में पिछले वर्ष एसडीएम ने गांव पहुंचकर नाला निर्माण की समस्या का समाधान किया था । नाला निर्माण भी हो चुका है किंतु कुछ दबंग नाला तोड़कर अन्य घरों का पानी व बरसाती पानी भी नहीं निकलने दे रहे हैं।

इस समस्या से परेशान पीड़ित ग्रामीणों ने जिलाधिकारी व उप जिला अधिकारी बिल्हौर से शिकायत कर दबंगों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है ।गांव निवासी लक्ष्मी पाल , मीना पाल, कामिनी , रेनू , रीता , रानू पाल, रमाकांती, शिव दुलारी , रामप्यारी आदि ने एसडीएम बिल्हौर को दिए गए शिकायती पत्र में बताया कि गांव निवासी दबंग अंकित पुत्र सुनील कुमार, पप्पू पुत्र हरी लाल , अशोक पुत्र सीताराम , अरुण पुत्र ओमप्रकाश , लालू पुत्र कैलाश ,आदि ने नाला निर्माण होने के बाद भी बरसाती पानी, सड़क का पानी एवं घर का नाली का पानी नहीं निकलने देते हैं। कई बार इसकी शिकायत थाना दिवस में खंड विकास अधिकारी शिवराजपुर एसडीएम बिल्हौर से की जा चुकी है। किंतु दबंग मानते नहीं है। इस मामले में एसडीएम बिल्हौर संजीव कुमार ने बताया कि जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी ।ग्राम प्रधान निवादा दरिया रितु प्रदीप सिंह ने कहा यूपी जिला अधिकारी खंड विकास अधिकारी और ब्लॉक स्तर के अधिकारियों से शिकायत की जा चुकी पर अभी तक कोई समाधान नहीं हुआ है।

युवक ने फांसी लगा की जान देने की कोशिश

रसूलाबाद । चौबे निवादा में बुधवार दोपहर एक व्यक्ति घर के पिछवाड़े खड़े कंजी के पेड़ में धोती से फंदा बनाकर फांसी पर लटक गया। उसे उतारकर गंभीर हालत में हैलट कानपुर रेफर कर दिया है।

चौबे निवादा मजरा असालतगंज निवासी धर्मेन्द्र 25 पुत्र राम सजीवन पारिवारिक कलह के चलते दोपहर को अपने घर के पीछे खड़े कंजी के पेड़ में साड़ी से फंदा बनाकर फांसी पर लटक गया। उसकी पत्नी ने उसे अचानक देख लिया और वह चिल्ला पड़ी इस पर लोग दौड़े और उसे आनन फानन फांसी से उतार कर प्राथमिक उपचार कर उसे हैलट कानपुर रेफर कर दिया है।

सोशल मीडिया पर वायरल पोस्ट से हुई मृतक की शिनाख्त

संवाददाता, मंगलपुर

अमृत विचारः थाना क्षेत्र के सुरासी गांव के पास सोमवार सुबह अज्ञात ट्रक की चपेट में आने से एक अज्ञात युवक की मौत हो गई थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और शिनाख्त के प्रयास शुरू किए। पहचान कराने के लिए जिला मीडिया सेल की ओर से मृतक के कपड़े व शारीरिक बनावट का विवरण देते हुए पोस्टर सोशल मीडिया पर जारी किया गया।

योगेंद्र ।

पोस्टर वायरल होने के बाद बुधवार को मृतक की शिनाख्त थाना क्षेत्र के मलिकपुर अकोड़िया गांव निवासी निर्भय ने अपने भाई योगेंद्र कुशवाहा पुत्र राम सजीवन के रूप में की। परिजनों ने बताया कि योगेंद्र करीब 15 दिन पहले घर से गुजरात प्राइवेट नौकरी करने की बात कहकर निकला था। वहीं से उसकी 27 सितंबर को घर लौटने की सूचना मिली थी, लेकिन वह वापस नहीं पहुंचा।

सोशल मीडिया पर फोटो देखने के बाद परिजनों को घटना की जानकारी हुई और उन्होंने मृतक की पहचान की। हादसे की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पिता राम सजीवन, मां रेशमा देवी, भाई निर्भय, मोनू व बहन लक्ष्मी का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। मंगलपुर थाना प्रभारी महेश कुमार ने बताया कि मृतक युवक की पहचान हो चुकी है। परिजनों से तहरीर मिलने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

लो वोल्टेज से मुंगीसापुर के लोगों की उड़ी नींद

संवाददाता, मुंगीसापुर

- जेई ने कहा, लोकल फाल्ट के कारण है दिक्कत, जल्द होगी दूर
- समस्या का निराकरण न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है

अमृत विचारः मुंगीसापुर विद्युत उपकेंद्र से जुड़े मुंगीसापुर कस्बे में लोग लो-वोल्टेज व ट्रिपिंग की परेशान का शिकार हैं। इसे लेकर उन्होंने विरोध जताया। समस्या का निराकरण न होने पर ग्रामीणों ने आंदोलन की चेतावनी दी है।

रवि कुमार, सोनू कटियार, सामंत कटियार, सुरेश कुमार, रमेश दिवाकर, सुधीर कटियार ने कहा कि लो-वोल्टेज व ट्रिपिंग की वजह से पंखे व अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण काम नहीं कर रहे हैं। कभी इतना वोल्टेज आ जाता है कि घरों के उपकरण पंखा कूलर इनवर्टर बल्ब जल जाते हैं। आसपास के गांवों में बिजली की सप्लाई सामान्य है, लेकिन उनके गांव में या तो बिजली रहती नहीं है, या फिर इतना कम वोल्टेज रहता है कि बल्ब भी धीमी रोशनी देते हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि पावर हाउस लाइनमैन किसी को फोन करते हैं तो फोन भी नहीं उठाते हैं।

एसडीओ या जेई को फोन करते हैं तो बोल देते हैं कि जल्द ही समस्या का निस्तारण कर दिया जाएगा पर समस्या का डेढ़ से 2 महीने के उपरांत भी कोई समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। ग्रामीणों ने विभागीय उच्चाधिकारियों से समस्या के समाधान की मांग की। जेई प्रमोद मौर्या ने बताया कि लोकल फॉल्ट के कारण लो वोल्टेज की समस्या है। जल्द ही समस्या का समाधान कर दिया जाएगा।

शिविर

सात लोगों ने किया रक्तदान, 2 दर्जन से अधिक ने कराया पंजीयन

खून देने से बीमारी लगती न आती कमजोरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः अकबरपुर के मेडिकल कॉलेज में बुधवार को रक्तदान पंजीकरण शिविर का आयोजन किया गया। इसमें काफी लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया। कई दाताओं ने रक्तदान भी किया। शिविर का आयोजन राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, एनएचएआई और इटावा चकेरी कानपुर हाईवे प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया गया।

ब्लड रजिस्ट्रेशन एंड डोनेशन कैंप में बारा टोल प्लाजा के दो दर्जन से अधिक अधिकारियों-कर्मचारियों ने रजिस्ट्रेशन कराया। सात लोगों ने ब्लड डोनेशन भी किया। टोल प्रबंधक संजय श्रीवास्तव शिविर के मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कहा कि रक्तदान को लेकर लोगों में कुछ सामान्य भ्रांतियां रहती हैं। मसलन, खून देने से शरीर में कमजोरी आती है। बीमारियां घेर लेती है। यह सारी भ्रांतियां निराधार हैं। खून देने से न किसी तरह की बीमारी लगती है और न ही कमजोरी आती है। सही बात तो यह है कि रक्तदान करने के बाद व्यक्ति की मानसिक सेहत पहले से और अच्छी हो जाती है। यदि आप स्वस्थ हैं तो दूसरों को स्वस्थ करने के लिए रक्तदान जरूर करें। इससे बड़ा प्रत्यक्ष पुण्य और कोई नहीं है।

शिविर के दौरान लोगों को शरीर में खून बनने से लेकर उसके स्वतः खत्म होने और दोबारा बनने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने रक्तदान से जुड़ी तमाम भ्रांतियों का खंडन किया और कहा कि सारी बातें निराधार हैं। रक्तदान का कोई साइड इफेक्ट नहीं है। यह बात शोध में भी साबित हो चुकी है। खून देने से कुछ नहीं जाता। हां, इससे आप किसी और की टूटती सांसों को नवजीवन प्रदान जरूर कर सकते हैं। कैंप में नीरज त्रिपाठी, रमाकांत कुशवाहा, बीपी सक्सेना आदि रहे।

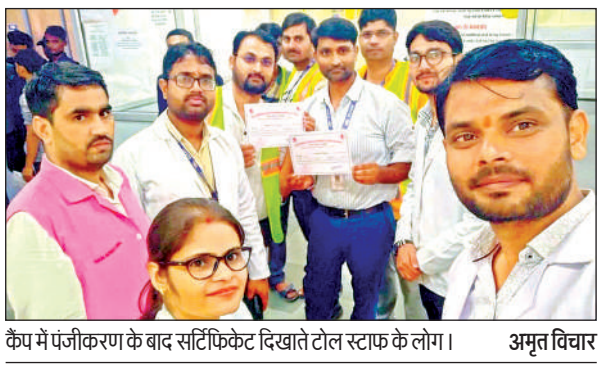

कैंप में पंजीकरण के बाद सर्टिफिकेट दिखाते टोल स्टाफ के लोग। अमृत विचार

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम SHASHI SINGH से बदलकर SHASHI VERMA कर लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **SHASHI VERMA, 554, SECTOR-13, INDIRA NAGAR, LUCKNOW-226016**

सूचना

मैं, मो0 हादी निवासी अल्लू नगर डिगुरिया, बड़ा खुदान, ग्राम ककौली, प्रेम नगर कालोनी, लखनऊ, मैं अपने बड़े पुत्र तुफैल उम्र 30 वर्ष को परिवार के प्रति खराब व्यवहार के चलते अपनी चल-अचल सम्पत्ति से/ वारिसान से पूर्णतया बेदखल कर रहा हूँ। अब से मेरे बड़े पुत्र तुफैल से किये गये किसी भी कृत्य व लेन-देन की जिम्मेदारी उसकी स्वयं की होगी।

NOTICE

I hereby declare that in school records of my ward Mohd Amaan studying in Stella Maris Convent School Narayanpur in class IX-A his date of birth is incorrectly mentioned 17-07-2011 which should be read and written as date of birth 07-07-2011 respectively. Smt. Yasmeen Bano W/o LATE Mohd Shamim, R/O H.No. 2066/5D, Dihwa Nabipur, DIST. SULTANPUR Uttar Pradesh.

सूचना

मेरी भारतीय जीवन बीमा निगम पालिसी संख्या 21 73 20 887 में मेरा नाम चमेली अंकित है। जबकि मेरे आधार कार्ड व बैंक पासबुक में मेरा नाम कान्ती दर्ज है। चमेली और कान्ती दोनों मेरे ही नाम हैं। मुझे दोनों ही नामों से जाना व पहचाना जाए। **कान्ती पत्नी सोनेलाल निवासी ग्राम – हसनपुर सगौड़ा परगना व तहसील – बांगरमऊ जिला – उन्नाव।**

सुविचार

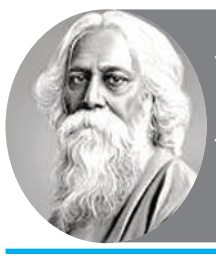

फूल चुन कर एकत्र करने के लिए मत ठहरो। आगे बढ़े चलो, तुम्हारे पथ में फूल निरंतर खिलते रहेंगे।

- रवींद्रनाथ ठाकुर

अमृत विचार

कानपुर महानगर

www.amritvichar.com

कानपुर के प्रमुख समाचार

- भाई-भाभी और मां ने युवक की हत्या कर जलाया- II
- बिना दर्शकों के हुआ मैच, चौकों-छक्कों की बारिश- III
- लक्ष्मण ने किया मेघनाद वध, पुतला दहन- IV

कानपुर, गुरुवार 2 अक्टूबर 2025

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702,
शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

सिटी ब्रीफ

वृद्धजन दिवस पर किया जागरूक

कानपुर। नगर निगम के प्रमिला सभागार में 34वें अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस का आयोजन किया गया। माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण एवं कल्याण अधिकरण एवं विकसित भारत 2047 में गरिमा के साथ वृद्धावस्था : चुनौतियों और समाधान विषयक इस कार्यक्रम में माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007 के विषय में वृद्धजनों को जागरूक किया गया। मुख्य अतिथि एसडीएम सदर अनुभव सिंह थे। डा. अवध दुबे, डा. उमेश पालीवाल, ने विचार रखे। शासकीय अधिवक्ता कौशल किशोर शर्मा, डा. धीरेन्द्र कुमार दोहरे, दिनेश कुमार, नीरज सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सेंट्रल स्टेशन पर स्वच्छता अभियान

कानपुर। सेंट्रल स्टेशन पर उप मुख्य यातायात प्रबंधक आशुतोष सिंह के निर्देश पर प्लेटफार्म नंबर 1 से प्लेटफार्म 10 तक, पार्सल घर, सरकुलेटिंग एरिया आदि क्षेत्रों में सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान यात्रियों से आह्वान किया गया कि वे स्टेशन को साफ सुधरा रखें क्योंकि स्टेशन आपका है।

23 नवंबर को नगर कीर्तन निकलेगा

कानपुर। श्री गुरु सिंह सभा कानपुर महानगर की ओर से हिंद की चादर श्री गुरु बहादुर साहिब जी का 350 वां शहीदी पर्व मोतीझील में मनाया जाएगा। सभा के प्रधान सरदार सिमरजीत सिंह ने बताया कि 23 नवंबर को गुरुद्वारा श्री चंद्र साहिब जी, ब्लाक नंबर 2 गोविंद नगर से नगर कीर्तन निकाला जायेगा। इसके अतिरिक्त 24 व 25 नवंबर को मोतीझील ग्राउंड पर रागी जत्थे शबद गायन करके संगत को निहाल करेंगे।

आईआईटी में बीटेक के छात्र ने फांसी लगाई

हरियाणा का रहने वाला था इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग का छात्र, दो दिन से हॉस्टल के कमरे से बाहर नहीं निकला था

कल्याणपुर, संवाददाता

अमृत विचार। आईआईटी में इलेक्ट्रिकल इजीनियरिंग के छात्र ने हॉस्टल के रूम में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बुधवार को कमरे से बदबू आने पर हॉस्टल प्रबंधन ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची कल्याणपुर पुलिस दरवाजा तोड़कर फंदे पर लटका छात्र का शव नीचे उतारा। पुलिस के साथ फॉरेंसिक टीम की जांच-पड़ताल की, शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

मूलरूप से हरियाणा के महेंद्रगढ़ बुचौली रोड ककरकई गांव निवासी 22 वर्षीय धीरज सैनी इलेक्ट्रिकल से बीटेक फाइनल का छात्र था। धीरज हॉस्टल नंबर एक में रहता था। बुधवार दोपहर बाद छात्र के कमरे से बदबू आने की सूचना वहां से निकलने वालों ने हॉस्टल प्रबंधन को दी। इसके बाद प्रबंधन के साथ छात्र हॉस्टल पहुंचे। कल्याणपुर पुलिस को सूचना दी गई। हॉस्टल प्रबंधन की मौजूदगी में पुलिस ने धीरज के कमरे का दरवाजा तोड़ा और अंदर घुसी तो

- कमरे से बदबू आने पर पता चला, पुलिस ने दरवाजा तोड़कर निकाला शव

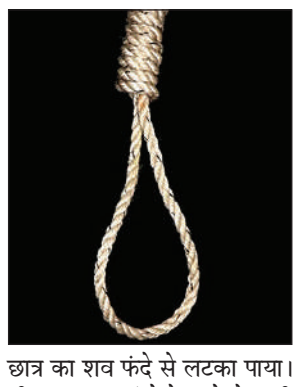

छात्र का शव फंदे से लटका पाया। धीरज का शव पंखे के कुंडे से रस्सी से लटक रहा था। घटनास्थल का पुलिस ने जांच की। इसके बाद फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए और शव पोस्टमार्टम भेजा गया। कल्याणपुर थाना प्रभारी ने बताया कि छात्र के साथियों का कहना है कि दो दिन से उसे नहीं देखा। इससे स्पष्ट है कि वह कमरे में ही रहा। संभावना है कि उसने दो दिन पहले आत्महत्या की होगी। पुलिस के अनुसार छात्र के परिजनों को सूचना दी गई है। आत्महत्या की वजह स्पष्ट नहीं है।

संस्थान ने जताया शोक

कानपुर। आईआईटी कानपुर ने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के स्नातक अंतिम वर्ष के छात्र धीरज सैनी के निधन पर दुख प्रकट किया है। संस्थान की ओर से जारी बयान में इस घटना को बेहद दुखद बताया गया है। कहा गया कि छात्र के असामयिक निधन से संस्थान ने अपना एक होनहार छात्र और संस्थान की एथलेटिक टीम का सदस्य खोया है। इस दुखद घटना के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। आईआईटी कानपुर, पुलिस और फोरेंसिक टीम के साथ चल रही जांच में सहयोग कर रहा है। संस्थान ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं को रोकने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस दुःख की घड़ी में संस्थान एक उत्कृष्ट छात्र और एथलीट के असामयिक निधन पर शोक व्यक्त करता है और शोक संतप्त परिवार को शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना करता है।

संस्थान में पहले हुईं आत्महत्याएं

- 10 जनवरी 2024 को एमटेक कर रहे छात्र विकास कुमार ने फांसी लगाकर आत्महत्या की थी।
- 20 दिसंबर 2023 को जैविक विज्ञान और बायोइंजीनियरिंग की शोध स्टॉफ पल्लवी ने ने आत्महत्या की थी।
- 18 जनवरी 2024 को झारखंड निवासी प्रियंका जायसवाल ने आत्महत्या की थी।
- फरवरी 2025 में संस्थान के पीएचडी छात्र अंकित यादव ने आत्महत्या की थी।
- 7 सितंबर को वाराणसी में रहने वाले पीएचडी छात्र प्रशांत सिंह ने आत्महत्या की थी।
- 12 मई 2021 को असिस्टेंट रजिस्ट्रार सुरजीत दास ने आत्महत्या की थी।
- 9 जुलाई 2020 को कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर प्रमोद सुब्रमण्यन ने आत्महत्या कर ली थी।

असुरक्षा, तनाव व अतिमहत्वाकांक्षा बनती आत्महत्या की वजह

कानपुर। युवाओं में बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति पर मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि करियर को लेकर असुरक्षा की भावना और अतिमहत्वाकांक्षा इसकी बड़ी वजह है। इसके अलावा युवाओं में तनाव भी एक कारण है। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि इन सबसे बचने के लिए युवाओं को अपने विचार मन में रखने के बजाय दूसरों के साथ साझा करना चाहिए। दोस्तों, परिजनों, फैकल्टी से घुलना-मिलना चाहिए। मनोवैज्ञानिक डॉ. एलके सिंह ने बताया कि युवाओं में आज के समय अतिमहत्वाकांक्षा बढ़ती जा रही है। ऐसे में बड़ा लक्ष्य और उसे पूरा न कर पाने की असुरक्षा युवाओं को तनाव में घेरती है। इस स्थिति में युवाओं के भाव बदल जाते हैं। वे लोगों से बातचीत करना बंद कर देते हैं और उनकी जीवनशैली भी सामान्य के मुकाबले बदल जाती है। इस स्थिति में युवा के आस-पास रहने वाले लोगों और परिवार के सदस्यों को इसे भांपना चाहिए। यदि युवा के भाव को समय रहते भांपकर उसके साथ बातचीत व काउंसिलिंग की सहायता से दूर कर दिया जाए तो भाव को बदला जा सकता है।

अवैध खनन के तालाब में डूबने से युवक की मौत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। महाराजपुर में सड़क किनारे अवैध खनन के तालाब में रपटकर गिरे युवक का शव बुधवार सुबह उतराता मिला। पुलिस ने शव बाहर निकलवाया।

चंद्र किशोर।

त्रिलोकपुर गांव निवासी 32 वर्षीय किसान चंद्र किशोर उर्फ सौरभ खेती के साथ दूध का काम भी करता था। पुलिस के अनुसार परिजनों ने बताया कि सौरभ मंगलवार शाम गाय का दूध देने सलेमपुर स्थित डेयरी के लिए निकला था। लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। इस पर उसकी तलाश शुरू की। लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। बुधवार सुबह पता चला कि कर्बीगांव सलेमपुर रोड पर सड़क किनारे अवैध खनन से बने गहरे तालाब में युवक का शव मिला है। परिजन पहुंचे तो शव की शिनाख्त सौरभ के रूप में की। पुलिस के अनुसार मंगलवार शाम बारिश के कारण सड़क पर फिसलन थी।

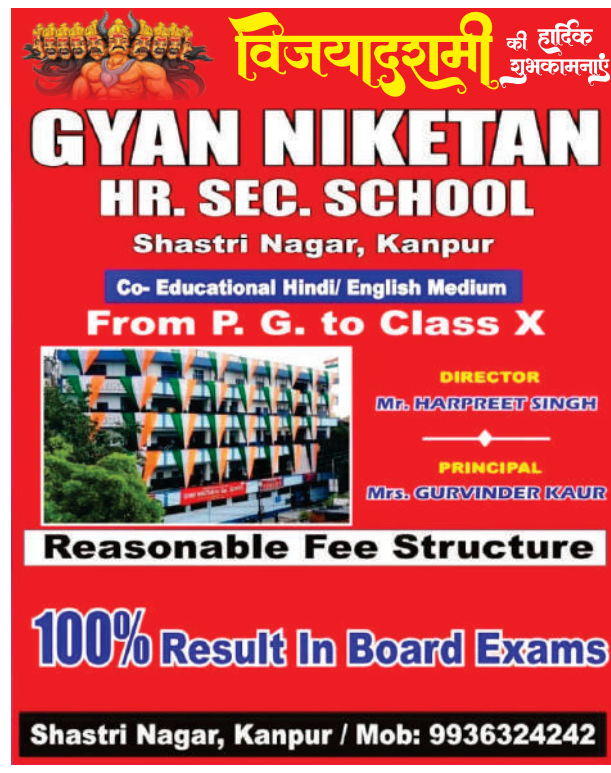

सोना-चांदी का गजब ही भौकाल

विशेष संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सोने-चांदी के बढ़ते भाव ने सराफा बाज़ार में खासी हलचल मचा दी है। एक महीने में सोने के भाव 14 हजार तो चांदी के 25 हजार बढ़े हैं। बुधवार को कानपुर सराफा बाजार में सोना 1,21,000 रुपये का 10 ग्राम तो चांदी 1,50,100 रुपये किलो की नई ऊंचाई पर पहुंची, जो रिकार्ड है। निवेशकों के सुनहरे दिन चल रहे हैं।

बीते 1 सितंबर को सोना 1,07,150 और चांदी 1,26,300 रुपये थी। नौ महीने में ही सोने की कीमत में लगभग 41 हजार और चांदी के दाम में 62 हजार रुपये की बढ़ोतरी हुई। जाहिर है निवेशक बड़ा मुनाफा काट रहे हैं। इतना रिटर्न तो किसी भी बचत योजना में भी नहीं मिला है। दक्षिण कानपुर सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष अजीत गुप्ता का कहना है कि त्योहारी सीजन शुरू होने के बावजूद आभूषणों की बिक्री में जबरदस्त गिरावट है। काशी ज्वेलर्स के निदेशक श्रेयांश कपूर ने बताया कि दीवाली के मद्देनजर किफायती, हल्के डिजाइनर गहनों की रेंज तैयार की जा रही है।

- सोना : 1,21,000 रुपये का 10 ग्राम
- चांदी : 1,50,100, रुपये की है किलो
- एक महीने में सोने के भाव 14 हजार तो चांदी के 24 हजार बढ़े
- त्योहारी मौसम में भी आभूषणों की बिक्री 80 फीसदी तक गिरी
- खरीदार से ज्यादा बेचने वाले, हल्के डिजाइनर गहने तैयार किए जा रहे

दामों में तेजी के ये कारण

- डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी, विश्व की लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था, टैरिफ वॉर की नीतियां, युद्ध की आशंकाएं, त्योहारी सीजन में बढ़ी मांग और केंद्रीय बैंकों के जरिये और निवेश के मद्देनजर जमकर खरीद भाव बढ़ने के कुछ कारण हैं।

दोनों धातुओं की चाल देख सराफा बाजार के दिग्गज विशेषज्ञ भी भाव के अनुमान में फेल नजर आ रहे हैं, लेकिन यह भी सच है कि निवेशकों की चांदी है। इतना मुनाफा देख खूब निवेश किया जा रहा है।

रामकिशोर मिश्र
मंत्री, उत्तर प्रदेश सराफा एसोसिएशन

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का आरोप

कानपुर। कोहना की रहने वाली युवती से जिम ट्रेनर ने शादी का झांसा देकर कोल्डड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म किया। विरोध पर अश्लील फोटो व वीडियो वायरल की धमकी दी। आरोप है कि वीडियो वायरल करने से डराकर उससे 3.50 लाख रुपये भी हड़पे। पीड़िता ने एसीपी कर्नलगंज से शिकायत की है। युवती का कहना है कि काकादेव क्षेत्र में रहने वाले जिम ट्रेनर से उसकी मुलाकात हुई और दोस्ती हो गई। उसने शादी का भरोसा देकर होटल में कोल्डड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर दुष्कर्म किया। अश्लील फोटो और वीडियो भी बना ली। जिसे वायरल करने की धमकी देकर शोषण करता रहा। कोहना थाना प्रभारी ने बताया कि जांच की जा रही है।

सिटी ब्रीफ

बीच-बचाव पर आरोपियों ने पीटा

कानपुर। रायपुरवा में चाय की दुकान पर मारपीट में बीच-बचाव करने पर आरोपितों ने पीड़िता पर ही हमला कर दिया। घर पर पथराव किया। ईट लगने से भाई भी घायल हो गया। दो गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गई। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की। चंद्रिका देवी चौराहा निवासी अमित गुप्ता ने बताया कि उनके घर के पास गौरव की चाय की दुकान है। बीते रविवार को बासू सोनकर, छोटू अपने दो साथियों के साथ गौरव गुप्ता से मारपीट कर रहे थे। उनके भाइयों ने बीच-बचाव का प्रयास किया। इस पर आरोपियों ने उनसे ही मारपीट कर दी। घर पर भी पथराव किया। ईट लगने से भाई धर्मिश घायल हो गया। दो वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। रायपुरवा थाना प्रभारी विनय कुमार सरोज ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर रिपोर्ट दर्जकर जांच की जा रही है।

व्यापारियों ने किया जागरूक

कानपुर। भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की ओर से बुधवार को जीएसटी के बदले रेट पर व्यापारियों को जागरुक किया गया। खास बात यह रही कि इस दौरान व्यापारियों ने रामलीला के पात्रों को भी अपने साथ लिया। चालीस दुकान में हुए आयोजन में जीएसटी की बदली दरों के छूट का लाभ ग्राहको को देने के लिए आग्रह किया गया। इस दौरान भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के प्रदेश अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्र, दक्षिण वरिष्ठ महामंत्री नितिन अग्निहोत्री, जिला वरिष्ठ मंत्री जय कुमार शर्मा, प्रदेश युवा संगठन महामंत्री विनायक पोद्दार शामिल रहे।

स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन

कानपुर। महात्मा गांधी की जयंती पर 'स्वच्छता ही सेवा' का आयोजन भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान की ओर से किया गया। इस दौरान संस्थान के निदेशक डॉ. जीपी दीक्षित के नेतृत्व में इस अवधि में स्वच्छता संबंधी विभिन्न गतिविधियां संचालित की गईं। इस दौरान उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल अभियान नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन की आदत है, संस्थान लगातार अपने कर्मचारियों एवं ग्रामीण समाज को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रेरित करता रहेगा।

बेकनगंज में जश्ने गौसुलवरा मनाया

कानपुर। तंजीम बरेलवी उलमा-ए-अहले सुन्नत ने मस्जिद छोटी सराय बेकनगंज में जश्ने गौसुलवरा मनाया गया। इसकी अध्यक्षता तंजीम के सदर हाफिज और कारी सैयद मोहम्मद फैसल जाफरी ने की। जश्ने गौसुलवरा में मस्जिद के पेशइमाम कारी सफदर रजा नूरी ने विचार रखे। हाफिज मीजान, हाफिज फिरदौस, मोहम्मद शोएब, मोहम्मद असरार आदि मौजूद थे।

विधानसभा ही नहीं, लोकसभा चुनाव भी लड़ेंगे: इरफान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- महाराजगंज जेल से घर पहुंचे इरफान ने कहा, किसी भी सीट से पत्नी भी लड़ेंगी चुनाव
- जल्द ही प्रेस कांफ्रेंस में बताएंगे आपबीती, समर्थकों-परिजनों ने की आतिशबाजी व नारेबाजी

एक-दूसरे को मिठाई खिलाते इरफान और पत्नी नसीम सोलंकी।

अमृत विचार। पूर्व सपा विधायक इरफान सोलंकी महाराजगंज जेल से छूटकर मंगलवार देर रात ढाई बजे जाजमऊ स्थित अपने आवास पहुंचे तो परिजनों ने फूलों की माला पहनाकर स्वागत किया। दोस्त, रिश्तेदार और समर्थकों ने आतिशबाजी की। जमकर नारेबाजी हुई। इरफान ने मीडिया से कहा कि अल्लाह ने इंसाफ किया, उनके यहां देर है, अंधेर नहीं। हर फैसला खुदा की तरफ से होता है। कहा कानपुर में 14 सीटें हैं। किसी से भी चुनाव लड़ेंगे। एक सीट से बेगम नसीम भी चुनाव मैदान में उतरेंगी। विधानसभा ही नहीं, लोकसभा चुनाव भी लड़ेंगे और जीतेंगे भी। जल्द ही प्रेस कांफ्रेंस में और भी बातें होंगी।

मंगलवार देर शाम महाराजगंज जेल से बाहर आए इरफान पत्नी नसीम, तीनों बच्चे व समर्थकों के साथ देर रात जब अपने आवास पहुंचे तो समर्थकों की भारी भीड़ घर के बाहर मौजूद मिली। इंतजार कर रहे रिश्तेदारों ने गले लगाकर माला पहनाई। इसके बाद समर्थकों व परिजनों ने जमकर आतिशबाजी और नारेजाबी की। चुनाव के सवाल पर इरफान ने मीडिया से कहा कि एक सीट से बेगम और एक से वह चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि विधानसभा के साथ लोकसभा का भी चुनाव लड़ेंगे। जनता का विश्वास है, इसलिए पत्नी को विधायक बनाया है। स्वास्थ्य के बारे में कहा कि सबसे पहले इलाज कराएंगे। जेल में इलाज नहीं मिल सका। पथरी तीन गुना बढ़ गई है। कोई दुश्मन भी जेल न जाए। कहा, अल्लाह ने इंसाफ किया। खुदा ही फैसले करता है। 34 माह जेल में बीते हैं। अब अल्लाह ही उसका अच्छा सिला देगा।

आपबीती, राजनीति पर करेंगे बात

- इरफान सोलंकी ने कहा कि परिवार के साथ थोड़ा वक्त बिताने के बाद जल्द ही प्रेस कांफ्रेंस करेंगे। जिसमें जेल की आपबीती, राजनीति सहित अन्य बातों पर चर्चा होगी। अभी कुछ समय परिवार के साथ गुजारेंगे। स्वस्थ होना भी जरूरी है। इसलिए स्वास्थ्य लाभ लेंगे। बता दें कि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गैंगस्टर मामले में पांच दिन पहले इरफान को जमानत दी थी। आगजनी मामले के बाद उन पर दर्ज मुकदमों में यह आखिरी था जिसमें जमानत नहीं मिली थी। अगले दिन वह बाहर आ जाते, लेकिन हाईकोर्ट से रिहाई कागजात कानपुर जेल भेज दिए गए। फिर यहां से महाराजगंज जेल भेजा गया, इसलिए तीन दिन रिहाई टल गई। इरफान दो दिसंबर 2022 से जेल में थे। जाजमऊ में महिला के प्लाट पर आगजनी के मामले में उन्हें सात जून 2024 को 7 साल की सजा हुई थी। जिसके बाद उनकी विधायकी गई। उपचुनाव में उनकी पत्नी नसीम विधायक बनीं।

हमारी विधायकी ली तो जनता ने पत्नी को बना दिया

- इरफान ने कहा जेल के 34 माह कैसे बीते, यह मत पूछें। सभी जानते हैं कि क्या चल रहा है। हमारे ऊपर कैसे-कैसे मुकदमे लगाए गए। जनता के फैसले से बड़े-बड़े लोग डर जाते हैं, इसका जवाब भी जनता दगी। हमारी विधायकी छीन ली गई तो सीसामऊ की जनता ने पत्नी नसीम को विधायक बना दिया। जनता का फैसला सबसे बड़ा है। ईडी की नोटिस पर हंसकर जवाब दिया अब तो आम बात है। ईडी तो खूब नोटिस भेज रही है। जैसे मुकदमों से छूटे वैसे उससे भी छूटेंगे।

जहरखुरानी के शिकार वृद्ध की हैलट में मौत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। बेटे की सगाई में शामिल होने जा रहे वृद्ध से जहरखुरानों ने लूटपाट की और बेहोशी की हालत में चकेरी में सड़क किनारे फेंक गए। खबर पाकर पुलिस ने वृद्ध को हैलट में भर्ती कराया और घटना की सूचना परिजनों को दी। बुधवार को हैलट में इलाज के दौरान वृद्ध की मौत हो गई।

विजय करन वर्मा।

बांदा के सौता सेवड़ा गांव के रहने वाले 60 वर्षीय विजय करन वर्मा लखनऊ स्थित प्राइवेट स्कूल में चपरासी थे। परिवार में पत्नी रानी और दो बेटे अमर व अमन हैं। बड़े बेटे अमर की ही बीती 28 सितंबर को सगाई थी। उसने बताया बताया कि पिता ने लखनऊ में ही सगाई के कपड़े और कुछ अन्य सामान खरीदा था। जिसे लेकर पिता 25 सितंबर को लखनऊ से बांदा गांव के लिए निकले थे। यह जानकारी उन्होंने फोन पर दी थी। उनका गांव में इंतजार हो रहा था। अगले दिन 26 सितंबर को चकेरी पुलिस ने फोन करके बताया कि पिता चकेरी के श्यामनगर में सड़क किनारे बेहोशी के हालत में पड़े मिले हैं। उन्हें अस्पताल भेजा गया है। खबर पाकर वह लोग तत्काल कानपुर के लिए निकल पड़े। हैलट पहुंचने पर पिता का वहां इलाज होते पाया। पिता हैलट के आईसीयू में भर्ती थे। अमर के अनुसार चार दिन इलाज के बाद बुधवार को पिता की मौत हो गई। अमर के अनुनसार यह नहीं बताया जा सकता कि पिता के पास कितने का सामान या कितने रुपये थे। लेकिन स्पष्ट है कि सगाई का कार्यक्रम था, इसलिए पिता रुपये व सामान निकले होंगे।

भाई-भाभी और मां ने युवक की हत्या की, शव जलाकर फेंका

बड़े भाई के अंतरजातीय प्रेम विवाह का विरोध करता था, आए दिन होती थी कलह

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

पुलिस की गिरफ्त में हत्यारोपी मां, भाई व भाभी। अमृत विचार

- मथुरापुर गांव के पास झाड़ियों में फेंका था अधजला शव, तीनों आरोपी गए जेल

अमृत विचार। अंतरजातीय प्रेम विवाह करने पर मां व भाई-भाभी ने घर पर युवक की गला दबाकर हत्या की। फिर पहचान मिटाने के लिए चारपाई पर शव रखकर आग लगाई। इसके बाद अधजला शव बोरे में भरकर चकेरी के मथुरापुर गांव के पास झाड़ियों में फेंका था। शव की शिनाख्त होने पर पिता ने परिजनों ने पर हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई। सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर गुत्थी सुलझी, जब मां-भाई ऑटो से उतरते दिखे। पुलिस ने सख्ती बरती तो तीनों टूट गए और हत्या कबूल की।

चकेरी के मथुरापुर गांव जाने वाली सड़क पर झाड़ियों में 22 सितंबर को बोरे में बंद युवक का अधजला शव मिला था। कई दिन प्रयास के बाद शव की शिनाख्त नहीं हुई तो पुलिस ने युवक की फोटो वायरल की। वायरल फोटो देखकर फतेहपुर के जलालपुर न्यूरी के प्रधान ने शव की शिनाख्त रामचंद्र पाल के बेटे मानस पाल के रूप में की थी। इसके बाद पुलिस ने फतेहपुर निवासी रामचंद्र पाल से संपर्क किया। रामचंद्र ने बताया कि वह मुंबई में काम करते हैं। उनका मकान सनिगवां के संदीपनगर में भी है। डीसीपी पूर्वी सत्यजीत गुप्ता ने बताया कि संदीपनगर में रामचंद्र की पत्नी मंजू देवी, बड़ा बेटा प्रांजल उर्फ गोपी व बहू किरन रहती हैं। जबकि छोटा बेटा मानस ट्रक चलाता था और कभी गांव तो कभी सनिगवां में रहता था। डीसीपी ने बताया कि प्रांजल ने चार माह पहले किरन निषाद से अंतरजातीय प्रेम विवाह किया था। मानस इस शादी के विरोध में था। जिससे दोनों भाइयों में विवाद चलता था। मानस शराब का लती था, इसलिए आएदिन कलह की स्थिति बनी रहती थी। कलह के कारण ही मंजू देवी बड़े बेटे का पक्ष लेती थीं। पुलिस के अनुसार 21 सितंबर को मानस गांव गया और उसने प्रधान से बड़े भाई व भाभी पर हत्या की आशंका जताई। एक दिन बाद ही उसकी मां मंजू, भाई प्रांजल व भाभी किरन ने घर में उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। शव को उसी चारपाई में बांधकर जला दिया। दुर्गंध आने पर अधजला शव बोरे में भरकर ऑटो से मथुरापुर गांव ले गए और झाड़ियों में फेंक दिया। शव की पहचान के बाद रामचंद्र ने पत्नी, बेटे प्रांजल व बहू किरन पर हत्या कर शक जताया और रिपोर्ट दर्ज कराई। जांच में जुटी पुलिस ने जब घटनास्थल के आसपास सीसीटीवी कैमरे खंगाले तो एक फुटेज में ऑटो से उतरते मंजू देवी व प्रांजल दिखा। इस पर पुलिस ने दोनों को हिरासत में लिया। सख्ती बरती तो हत्या का खुलासा हुआ। डीसीपी ने बताया कि मानस अंतरजातीय विवाह का विरोध कर रहा था। इस कारण ही प्रांजल ने उसे ठिकाने लगाने की योजना बनाई। मां भी उनके प्लान में शामिल हो गई। वह चारपाई पर लेटा था, तभी कहासुनी हुई और गला दबाकर हत्या कर दी। फिर अधजला शव ठिकाने लगाया। प्रांजल ने कहा, उसने हत्या नहीं की। सिर्फ शव फेंकने मां के साथ गया था। पुलिस ने तीनों आरोपियों को जेल भेजा है।

उसने खुद ही आग लगा थी

- बेटे की हत्या के सवाल पर मां मंजू ने कहा भला कोई मां अपने बच्चे को मारती है क्या। वह नशे का लती था। वह उस दिन नवरात्र के लिए केले लेने के लिए बाजार गई थीं। इस बीच उसने खुद आग लगा ली थी। मंजू फफक पड़ीं, कहा कि सब भगवान जानता है।

नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के कारण झांसी इंटरसिटी सहित कई ट्रेनें रहेंगी निरस्त

- प्रतापगढ़ इंटरसिटी, भोपाल लखनऊ, मुंबई एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनें होंगी प्रभावित

कानपुर। लखनऊ मंडल के अमौसी यार्ड में हो रहे नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के चलते कुछ गाड़ियों का निरस्तीकरण किया गया है। कई गाड़ियों के री शेड्यूलिंग, रेग्युलेशन एवं मार्ग परिवर्तन करने का निर्णय भी लिया गया है। ये जानकारी उत्तर मध्य जोन के जनसंपर्क अधिकारी अमित सिंह ने दी।

ये गाड़ियां निरस्त रहेंगी

11109 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी लखनऊ 8 अक्टूबर को, 11110 लखनऊ वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी 9 अक्टूबर को, 22453 लखनऊ मेरठ सिटी 8 अक्टूबर को, 22454 मेरठ सिटी लखनऊ 9 अक्टूबर को, 12180 आगरा फोर्ट लखनऊ 8 अक्टूबर को, 12179 लखनऊ आगरा फोर्ट 8 अक्टूबर को, 51813 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी 8 अक्टूबर को, 51814 लखनऊ वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी 8 अक्टूबर को निरस्त रहेगी।

इन ट्रेनों का अमौसी स्टेशन पर ठहराव स्थगित

- उत्तर मध्य जोन के जनसंपर्क अधिकारी अमित सिंह ने बताया कि लखनऊ के अमौसी स्टेशन पर प्लेटफार्म अनुपलब्धता के कारण कई गाड़ियों का ठहराव स्थगित रहेगा।
- 8 एवं 9 अक्टूबर को 55346 (कासगंज -लखनऊ पैसेंजर)
- 8 एवं 9 अक्टूबर को 64204 (कानपुर सेंट्रल-लखनऊ मेमू)
- 8 एवं 9 अक्टूबर को 64212 (कानपुर सेंट्रल-लखनऊ मेमू)
- 9 अक्टूबर को 51813 (झांसी लखनऊ पैसेंजर)।
- 8 अक्टूबर को कानपुर सेंट्रल से लखनऊ मेमू।

इन गाड़ियों की री शेड्यूलिंग होगी

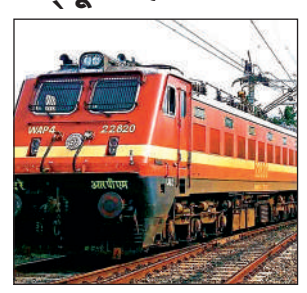

08 अक्टूबर से अमौसी यार्ड में कार्य, कई ट्रेनों के रूट बदले गए

64212 कानपुर सेन्ट्रल से लखनऊ तक चलने वाली गाड़ी कानपुर सेन्ट्रल से 8 अक्टूबर को 12:20 के स्थान पर सायं 5:20 पर चलेगी। गाड़ी संख्या 14125 कानपुर सेंट्रल स्टेशन से मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ 9 अक्टूबर को 40 मिनट प्रभावित रहेगी। ये गाड़ी 10 और 11 अक्टूबर को सायं 5.30 बजे के बजाय सायं 6.30 बजे चलेगी। ऐसे ही गाड़ी संख्या 64255 कानपुर से 10 व 11 अक्टूबर को उत्तरेटिया के लिए सायं 5.15 बजे के बजाय सायं 6.30 बजे चलेगी। 12 अक्टूबर को ये गाड़ी उत्तरेटिया से सायं 5.15 बजे के बजाय सायं 6 बजे चलेगी। गाड़ी संख्या 19716 गोमतीनगर-जयपुर ये गाड़ी 11 अक्टूबर को गोमतीनगर से 4:55 के स्थान पर 6:25 पर चलेगी। गाड़ी संख्या 22122 लखनऊ लोकमान्य तिलक टर्मिनस गाड़ी 12 अक्टूबर को लखनऊ से सांय 4 बजे के बजाय सायं 6 बजे चलेगी। गाड़ी सं. 51814 लखनऊ वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी 12 अक्टूबर को लखनऊ से सायं 4.10 बजे बजाय सायं 6.20 बजे चलेगी। गाड़ी संख्या 11110 लखनऊ झांसी 12 अक्टूबर को लखनऊ से सायं 4.40 बजे के बजाय सायं 7 बजे चलेगी। गाड़ी संख्या 22425 अयोध्या कैंट आनंद विहार टर्मिनस 12 अक्टूबर को दोपहर 3.20 बजे के बजाय सायं 4 बजे चलेगी। ऐसे ही 15205 लखनऊ जबलपुर चित्रकूट एक्सप्रेस 12 अक्टूबर को लखनऊ से सायं 5.30 बजे के बजाय सायं 6.30 बजे चलेगी। गाड़ी संख्या 202922 लखनऊ बांद्रा 12 अक्टूबर को लखनऊ से सायं 5.50 बजे के बजाय सायं 6 बजे चलेगी।

महिला स्पेशल पिंक ऑटो चलेंगे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। प्रदेश सरकार ने महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए महिला स्पेशल पिंक ऑटो सेवा शुरू करने की तैयारी की है। इसके परमिट व संचालन पर 8 अक्टूबर को बैठक में मुहर लगने की संभावना है।

संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) राकेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि 8 अक्टूबर को शाम 5 बजे मंडलायुक्त की अध्यक्षता में सम्भागीय परिवहन प्राधिकरण की बैठक मंडलायुक्त शिविर कार्यालय कानपुर में होगी। बीते दिनों ऑटो, ई रिक्शा, टेंपो चलाने वाली महिला

08 अक्टूबर को मंडलायुक्त की अध्यक्षता में बैठक में होगा फैसला

चालकों का संभागीय परिवहन अधिकारी राकेंद्र कुमार सिंह द्वारा सम्मानित किया गया था। अब महिलाओं के लिए महिला स्पेशल पिंक ऑटो सेवा शुरू करने के लिए विशेष तैयारी हो रही है। इस योजना के तहत महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए परमिट जारी किये जाएंगे। इसके अतिरिक्त बैठक में मुख्य रूप से कैरेज बाई रोड एक्ट 2007 के अंतर्गत कामन कैरियर के पंजीकरण के लिये प्राप्त प्रार्थना पत्रों तथा पंजीकरण नवीनीकरण के प्रार्थना पत्रों पर विचार किया जाएगा। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन आलोक कुमार सिंह ने बताया कि टेम्पो टैक्सी, ऑटो रिक्शा, स्कूल वैन एवं जनभार वाहनों के वे परमिट जिनकी वैधता पांच वर्ष पूर्ण हो चुकी है और परमिटधारक द्वारा नवीनीकरण नहीं कराया गया है, उनके परमिट निरस्तीकरण का मुद्दा भी बैठक में उठेगा। ऐसे परमिट के निरस्तीकरण या निलंबन पर भी विचार होगा। इसके अतिरिक्त दिल्ली में एलजीवी, एमजीवी एवं एचजीवी वाणिज्य वाहनों के प्रवेश पर 1 नवम्बर से लागू होने वाले प्रतिबंध पर विचार किया जाएगा।

इफ्तिखाराबाद में पौधरोपण किया

कानपुर। भाजपाअल्पसंख्यक मोर्चा के अभियान के अंतर्गत चीना पार्क, इफ्तिखाराबाद में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की सराहना की। कार्यक्रम की अगुवाई आफताब पठान (प्रभारी, कानपुर उत्तरी) ने की। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के प्रांत संयोजक अशफाक सिद्दीकी, मण्डल अध्यक्ष कलक्टरगंज रमाशंकर अग्रहरि, सलीस बेग, जहीर रिजवी, महताब आलम, हफीज, मोहम्मद शोएब, सौरभ, इकबाल थे।

शिक्षकों और कर्मचारियों ने जताया विरोध

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

नारेबाजी करते शिक्षक और कर्मचारी। अमृत विचार

अमृत विचार। ऑल इंडिया एनपीएस एम्प्लाइज फेडरेशन के आह्वान पर जिले सहित पूरे प्रदेश में ध्यानाकर्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में शिक्षक व कर्मचारी एकत्र हुए और हाथों में मांगों की तख्तियां लेकर गुब्बारे छोड़कर अपनी आवाज सरकार तक पहुंचाने का प्रतीकात्मक प्रयास किया।

कार्यक्रम में उपस्थित जिलाध्यक्ष विश्व विजय सिंह विद्रोही ने कहा कि सरकार बार-बार कर्मचारियों और शिक्षकों की जायज मांगों को टाल रही है। 8वां वेतन आयोग का गठन अब समय की जरूरत है। ओपीएस बहाली कर्मचारियों के सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा का सवाल है। यदि सरकार ने ठोस कदम नहीं उठाया तो यह आंदोलन और तेज किया जाएगा। महामंत्री अमित कुमार मिश्रा ने कहा कि शिक्षक समाज की नींव है, लेकिन नीतियां उन्हें निराश कर रही हैं। सेवारत शिक्षकों पर टीईटी जैसी बाध्यता थोपना उनका अपमान है। संगठन मंत्री अमित शर्मा ने कहा कि आजगुब्बारा छोड़कर आयोजित हो रहा ध्यानाकर्षण कार्यक्रम एक चेतावनी है, यदि सरकार ने मांगों को नजरअंदाज किया तो दिल्ली में होने वाला आंदोलन और व्यापक रूप लेगा। 9 नवम्बर को दिल्ली में धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। अंकुर मिश्र, आशीष दोहरे, उदय प्रताप सिंह गौर, अमित तिवारी, मोवेन्द्र सिंह, सुधाकर विक्रम, शुभम श्रीवास्तव मौजूद रहे।

गांधी जयंती पर विशेष | चंपारन आंदोलन की नींव प्रताप प्रेस में पड़ी, यहीं गांधी जी को सुनाई गई थी किसानों पर अत्याचार की व्यथा

कानपुर से चंपारन और गांधी से महात्मा की कहानी...

शैलेश अवस्थी

- कानपुर के बाद बिहार के चंपारन गए थे गांधीजी और फिर वहां कई दिन प्रवास किया

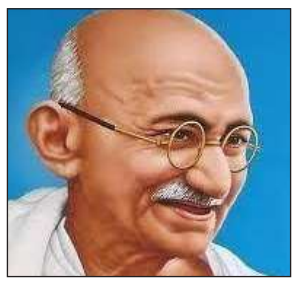

कानपुर। गांधीजी का पहला सफल आंदोलन था बिहार के चंपारन का, जिसकी नींव कानपुर में गणेश शंकर विद्यार्थी के प्रताप अखबार कार्यालय में रखी गई थी। इसके साथ ही गांधी जी के महात्मा कहलाने की कहानी भी चंपारन से शुरू हुई। दस्तावेज और पुस्तकों के मुताबिक दिसंबर 1916 में लखनऊ में कांग्रेस का अधिवेशन था। वहां चंपारन के किसान राजकुमार शुक्ला भी पहुंचे और किसानों पर अत्याचार की बात अपने भाषण में बताई।

31 दिसंबर 1916 को गांधीजी गणेश शंकर विद्यार्थी के आमंत्रण पर पहली बार कानपुर आए तो पीछे से राजकुमार शुक्ला भी आ गए और फिर 1 जनवरी 1917 को प्रताप प्रेस कार्यालय, जहां गांधी जी ठहरे थे, वहां राजकुमार शुक्ला ने उनसे भेंट कर चंपारन चलने की बहुत जिद की। कानपुर इतिहास समिति के सचिव अनूप शुक्ल बताते हैं कि तब विद्यार्थी जी ने गांधी जी को चंपारन में किसानों पर हो रहे अत्याचार की वास्तविकता बताते हुए प्रताप अखबार पर छपी वहां की खबरें दिखाईं। चंपारन से प्रताप अखबार के लिए मीर मोहम्मद मुनीश रिपोर्टिंग करते थे। यह सब पढ़ने और राजकुमार शुक्ला से पूरी बात सुनने के बाद गांधी जी गंभीर हो गए और चंपारन जाने को तैयार हो गए। वहीं बैठकर इस मुद्दे पर विचार-विमर्श किया और आंदोलन की रूपरेखा बनाई। इसके बाद गांधी जी अप्रैल 1917 को चंपारन पहुंचे और किसानों के हालात देख द्रवित हो गए। नील की खेती के दबाव और अंग्रेजी हुकूमत का किसानों पर अत्याचार चरम पर था। गांधी जी ने वहीं प्रवास का निर्णय लिया, किसानों और सभी को संगठित किया। सत्याग्रह शुरू किया और फिर आंदोलन ने बड़ा रूप ले लिया, जिसकी गूंज पूरे देश तक पहुंच गई। वहीं राजेंद्र प्रसाद जी से गांधी जी की मुलाकात हुई और फिर वह भी आंदोलन में कूद पड़े। उन्होंने किसानों के मुकदमे लड़े। अंग्रेजी हुकूमत हिल गई और उसे झुकना पड़ा। किसी हद तक किसानों की मांगें पूरी हुईं और गांधी जी पूरे देश में छा गए। राजेंद्र बाबू ने यहीं गांधी जी को पहली बार महात्मा कह कर सम्बोधित किया फिर वहीं से एक नए गांधी का प्रादुर्भाव हुआ।

सात बार आए, 22 दिन प्रवास किया

- गांधी जी सात बार कानपुर आए और इस दौरान 22 दिन प्रवास किया। वह कांग्रेस अधिवेशन, स्वदेशी स्टोर के उद्घाटन, स्वदेशी प्रदर्शनी और तिलक हाल के उद्घाटन के लिए भी आए। वह हसरत मोहानी, नारायण प्रसाद अरोड़ा और मुरारी लाल, गणेश शंकर विद्यार्थी जी से अक्सर विचार-विमर्श करते थे।

जुलूस में जज्बाती नारों से परहेज करें

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। गौस-ए-आजम दस्तगीर हजरत अब्दुल कादिर जीलानी बड़े पीर साहब की याद में शनिवार 4 अक्टूबर को शहर के विभिन्न स्थानों से जुलूस-ए-गौसिया उठाया जाएगा। खानकाहे हुसैनी ने मुसलमानों से गुजारिश की है कि वे जुलूस में किसी भी प्रकार के जज्बाती नारों से परहेज करें।

बुधवार को जुलूस ए गौसिया की तैयारी को लेकर खानकाहे हुसैनी कर्नलगंज में अखलाक अहमद डेविड चिश्ती की अध्यक्षता में बैठक हुई जिसमें जिला प्रशासन से जुलूस ए गौसिया से पूर्व सभी व्यवस्था दुरुस्त कराने व कानपुर की आवाम से जुलूस में अधिक संख्या में लोगों से शिरकत करने की अपील की गई। बैठक में खादिम खानकाहे हुसैनी इखलाक अहमद डेविड चिश्ती ने कहा गौसए-आजम की याद में 4 अक्टूबर को कानपुर नगर के विभिन्न इलाके फेथफुलगंज, बाबूपुरवा, सुजातगंज, रावतपुर, सफेद कालोनी, मछरिया व मरकजी जुलूस, कर्नलगंज नीची सड़क तिकुनिया पार्क से उठाया जाएगा। बैठक में जमालुद्दीन फारुकी, हबीब आलम इराकी, रईस अहमद, मोहम्मद वसीम, तौफीक, परवेज आलम, मोहम्मद सैफ, मुजम्मिल, इदरीस आदि थे।

कोई नई परंपरा न शुरू करें

- कानपुर। ऑल इंडिया सुन्नी जमीअत उलमा एवं अंजुमन गौसिया की ओर से 4 अक्टूबर को दोपहर 1 बजे तिकुनिया पार्क से जुलूस-ए-गौसिया निकलेगा। जुलूस के दौरान जब नमाज का वक्त होगा तो जुलूस रोका जाएगा और जुलूस में शामिल लोग मस्जिद में नमाज अदा करें। अंजुमन जुलूस गौसिया के अध्यक्ष मोहम्मद सुलेमान वारसी एवं महामंत्री नफीस अहमद ने जुलूस को लेकर गाइड लाइन जारी की है जिसमें कहा गया है कि जुलूस अपनी पुरानी परंपरा के अनुसार ही निकलेगा। इसमें किसी तरह की कोई नई परंपरा शामिल नहीं की जाए और सियासी झंडा, सियासी बैनर पर प्रतिबंध रहेगा। अंजुमन के महामंत्री नफीस नूरी के मुताबिक झंडों में लोहे की राड के बजाए लकड़ी का प्रयोग किया जाए और राड की ऊंचाई 10 फिट से अधिक नहीं हो। एंबुलेंस या अग्निशमन की गाड़ी आ जाए तो तुरंत उसे रास्ता दे दें।

अमृत विचार

www.amritvichar.com

सिटी ब्रीफ

महारैली की तैयारी को लेकर हुई बैठक

कानपुर। कांशीराम परिनिर्वाण दिवस पर 9 अक्टूबर की लखनऊ महारैली की तैयारियों को लेकर नवीन मार्केट स्थित पार्टी के मंडल कार्यालय में बुधवार को जिला स्तरीय बैठक हुई। यह जानकारी देते हुए जिलाध्यक्ष कुलदीप कुमार ने बताया कि बैठक में पूर्व नौशाद अली व मुख्य मंडल प्रभारी बीआर अहिरवार ने सभी पदाधिकारियों से और हर सेक्टर से एक बस ले जाने पर जोर दिया गया।

केंद्रीय मंत्री आएंगे

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में स्थापना के 90 वर्ष पूरे होने पर स्थापना दिवस समारोह का आयोजन होगा। इस आयोजन में केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी (उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय) मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। 7 अक्टूबर को होने वाले आयोजन में संस्थान में 350 बेड के हॉस्टल का शिलान्यास भी होगा।

तहफुफ्ज खत्मे नबूवत कांफ्रेंस

कानपुर। तहफ्फुज खत्मे नबूवत कांफ्रेंस का आयोजन मदरसा इशाअतुल उलूम कुलीबाजार में किया गया जिसकी सरपरस्ती शहरकाजी मौलाना हाफिज अब्दुल कुददूस हादी ने की। संचालन मौलाना अबू बकर हादी ने किया।

राष्ट्रपिता का जन्म दिवस मनाया

कानपुर। गांधी शांति प्रतिष्ठान के तत्वावधान में राष्ट्रपिता महात्मागांधी की जयंती खलासी लाइन स्थित शास्त्री भवन में मनायी गयी। इस अवसर पर प्रतिष्ठान के अध्यक्ष दीपक मालवीय ने कहा कि महात्मागांधी सच्चे मायने में सर्वोत्तम सनातनी और अहिंसा के पुजारी थे। इनके बलिदान से देश आजाद हुआ और आज का सशक्त भारत बना। उन्होंने बताया कि राजघाट वाराणसी से राजघाट दिल्ली तक की यात्रा 2 अक्टूबर को शुरू होगी। जिसका पड़ाव कानपुर में 25 से 27 अक्टूबर तक रहेगा। इस दौरान 100 पैदल यात्री गांधी के मूल्यों के बारे में जनता को बताएंगे।

मैच का उद्घाटन करते सांसद रमेश अवस्थी। अमृत विचार

मुट्ठी भर दर्शकों ने उत्साह दिखाया। अमृत विचार

रन लेने दौड़ते भारतीय टीम के बल्लेबाज।

बिना दर्शकों के हुआ मैच चौकों-छक्कों की बारिश

दर्शकों को अनुमति न होने से स्टेडियम के बाहर से लौटाया गया

कार्यालय संवाददाता,कानपुर

अमृत विचार। ग्रीनपार्क स्टेडियम में बारिश से रद्द हुआ मैच दूसरे दिन खेला गया तो भारत ए के खिलाड़ियों ने चौके-छक्कों की बौछार कर दी। आस्ट्रेलिया ए टीम को मैदान के चारों कोनों पर दौड़ाया, लेकिन रोमांच का आनंद लेने के लिए दर्शक नहीं रहे। यह मुकाबला एक दिन पहले दर्शकों के बीच होता तो शोर से पूरा इलाका गूंज उठता।

ग्रीनपार्क स्टेडियम में मंगलवार को बारिश के कारण मैच रद्द कर दिया गया था। वेन्यू डॉयरेक्टर डॉ. संजय कपूर ने कहा था कि अब बुधवार को दोपहर डेढ़ बजे से ये मैच खेला जाएगा लेकिन दर्शकों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। सिर्फ मीडिया और स्टेडियम के भीतर वालों को ही अनुमति होगी। बुधवार को स्टेडियम में वनडे मुकाबला खेले जाने की जानकारी पाकर दर्शक पहुंचे, लेकिन प्रवेश की अनुमति न होने से उन्हें गेट से ही लौटा दिया गया। इससे बहुत से दर्शक मायूस होकर लौट गए। हालांकि दर्शक दीर्घाओं में कुछ क्रिकेट प्रेमी बैठे रहे, जिन्होंने मैच का आनंद उठाया। जमकर शोर किया और उछले-कूदे। भारत ए टीम ने आस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों को खुलकर खेलने नहीं दिया। एक के बाद एक को पवेलियन लौटा दिया। बुधवार को अगर दर्शक होते तो उनकी निराशा दूर हो जाती।

तिलक वर्मा शहर आ गए।

रक्तदान से तीन लोगों की बचाई जा सकती जान

- राष्ट्रीय रक्तदाता दिवस कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने दी जानकारी

कानपुर। रक्तदान सबसे महान दान है, क्योंकि इससे केवल एक व्यक्ति ही नहीं बल्कि तीन लोगों का जीवन बचाया जा सकता है। यह बात जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने बुधवार को इण्डियन रेडक्रॉस सोसाइटी, मर्चेंट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश एवं रोटरी क्लब के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय रक्तदाता दिवस कार्यक्रम में कही।

उन्होंने बताया कि रक्तदान के माध्यम से मानवता की सबसे बड़ी सेवा संभव है, और यह ऐसा योगदान है जिसका कोई मूल्य नहीं लगाया जा सकता। प्रत्येक स्वस्थ नागरिक को नियमित अंतराल पर स्वेच्छा से रक्तदान करना चाहिए, जिससे आपातकालीन परिस्थितियों में किसी भी ज़रूरतमंद की जान बचाई जा सके। उन्होंने रक्तदाताओं को प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया । कार्यक्रम में सीएमओ डॉ हरीदत्त नेमी, रोटरी क्लब एवं रेडक्रॉस से जुड़े वरिष्ठ सदस्य आर.के. सफ्फड़ और अंगद सिंह सहित बड़ी संख्या में लोग मौजद थे।

ट्रेड शो में 30 निर्यातकों ने साइन किए एमओयू

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- एक साल तक शहर के निर्यातक एमओयू का उठा सकेंगे लाभ
- रूस, यूरोप, मलेशिया व सिंगापुर के खरीदारों ने लिए सैंपल

अमृत विचार। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में शहर के 30 निर्यातकों से विदेशी खरीदारों ने एमओयू किया है। इन एमओयू का लाभ शहर के निर्यातक लगभग 1 साल तक उठा सकेंगे। एमओयू करने वालों में रूस, यूरोप, मलेशिया व सिंगापुर के खरीदार सबसे अधिक रह हैं। निर्यात विशेषज्ञों का मानना है कि इन एमओयू के जरिए शहर को लगभग 1 हजार करोड़ रुपये का निर्यात कारोबार इन एक सालों में हासिल हो सकेगा।

44 निर्यातक शहर से शामिल हुए ट्रेड शो में

01 हजार करोड़ का निर्यात कारोबार हासिल होगा

ग्रेटर नोएडा में 25 सितंबर से पांच दिन तक चले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का आकलन शुरू हो गया है। ट्रेड शो में इस बार शहर से 44 निर्यातक व उद्यमी शामिल हुए। ट्रेड शो में इन्हें डोमेस्टिक व एक्सपोर्ट ऑर्डर दोनो ही मिले हैं। खासतौर पर कृषि क्षेत्र के निर्यातकों को भी बेहतर रुझान विदेशी खरीदारों की ओर से दिखाया गया है। कृषि उत्पादों के सैंपल दक्षिण अफ्रीका, दुबई और रूस से आए खरीदारों ने लिए हैं। इसी तरह लेदर सेक्टर की बात की जाए तो सबसे अधिक शहर

की बेल्ट, पर्स, हैंड बैग, लेपटॉप बैग जैसे प्रोडक्ट के सैंपल लिए गए व ऑर्डर दिए गए हैं। लेदर के एक्सपोर्ट के भी बड़े निर्यातकों को ऑर्डर हासिल हुए हैं। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑग्रनाईजेशन (फियो) के सहायक निदेशक आलोक श्रीवास्तव ने बताया कि इस बार का ट्रेड शो निर्यातकों व उद्यमियों के लिए काफी बेहतर रहा है। सैंपल लिए जाने के साथ ही इस बार बड़ी संख्या में एमओयू भी हुए हैं। इन एमओयू से निर्यातक पूरे साल तक ऑर्डर हासिल कर सकते हैं। कई एमओयू ऐसे भी हुए हैं जिनमें विदेशी खरीदार अपनी पसंद के उत्पादों को शहर के निर्यातकों से तैयार कराएंगे। इसके अलावा ट्रेड शो में रखे उत्पादों में विदेशी जरूरतों के अनुसार उत्पाद में परिवर्तन करा निर्यात कराएंगे।

एमएसएमई को भी लाभ

- निर्यात विशेषज्ञों का कहना है कि शहर में एमओयू के जरिए सालभर में लगभग 1 हजार करोड़ के अतिरिक्त ऑर्डर हासिल हो सकते हैं। ऐसे में इसका लाभ शहर के एमएसएमई सेक्टर को भी सीधेतौर पर मिलेगा। खासतौर पर पैकेजिंग, कैमिकल सेक्टर को सबसे अधिक ऑर्डर शहर के निर्यातकों की ओर से मिल सकेंगे। इसके अलावा ट्रेड शो में सीधेतौर पर निर्यातकों को मिलने वाले ऑर्डर से दो से तीन महीनों में एमएसएमई सेक्टर को मुनाफा हासिल हो सकेगा।

टैरिफ के बाद संजीवनी

- ट्रेड शो से मिलने ऑर्डर और एमओयू को निर्यात विशेषज्ञ शहर के निर्यात बाजार के लिए संजीवनी मान कर चल रहे हैं। उनका कहना है कि अमेरिका की ओर से हाल ही में टैरिफ लगाए जाने के तुरंत बाद हुए ट्रेड शो से निर्यातकों को कई नए खरीदार हासिल हुए हैं। इससे टैरिफ के बाद निराश हो चुके निर्यातकों को राहत मिली है।

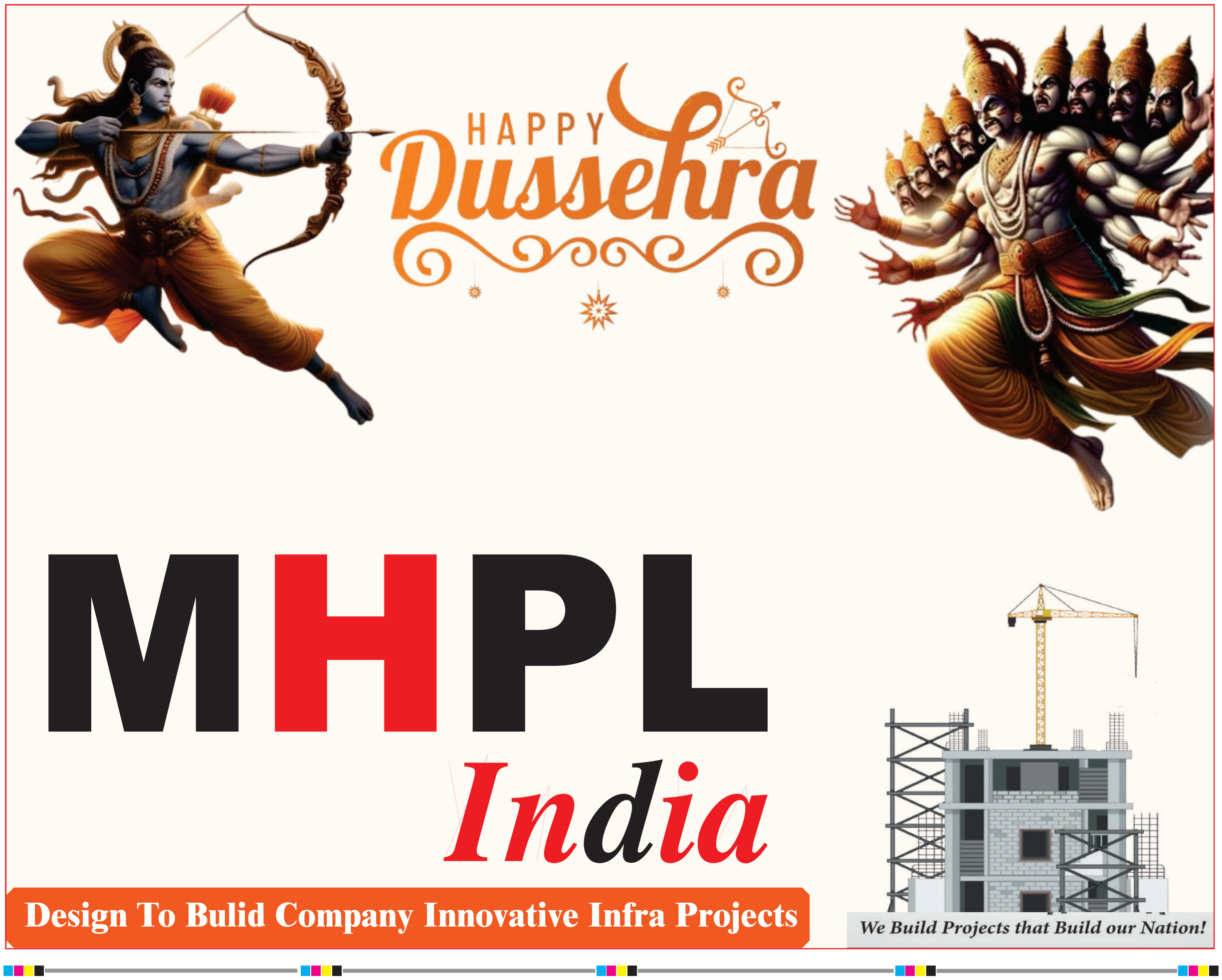

सिटी ब्रीफ

कर्मचारियों का हुआ सम्मान

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर में राजभाषा पखवाड़े के तहत विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस दौरान संस्थान की निदेशक प्रो सीमा परोहा ने सभी को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम में छात्र वर्ग में हिंदी निबंध में कमरू जमाल, संभाषण में तरूण कुमार व कर्मचारी वर्ग में हिंदी निबंध व संभाषण में निर्भय कुमार, टिप्पण आलेखन में रंजन कुमार, टंकण में सुभाष पटेल व अधिकारी वर्ग में चित्र आधारित लेखन प्रतियोगिता में अनूप कुमार कनौजिया तथा कार्यालयीन कार्य में अखिलेश कुमार पांडे को पुरस्कृत किया गया।

पूर्व कानूनगो की जांच को पत्र लिखा

कानपुर। पूर्व कानूनगो आलोक दुबे की मुसीबत कम होने का नाम नहीं ले रही है। आलोक पर अब बड़ी कार्रवाई की तैयारी चल रही है। अभी तक 60 करोड़ की संपत्ति सामने के बाद जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने एंटी करप्शन विभाग को पत्र लिखा है। पूर्व कानूनगो आलोक दुबे के पास मिली करोड़ों की संपत्ति का खुलासा होने के बाद शहर में चर्चा का बाजार गर्म है कि पूर्व कानूनगो के पास इतने कम समय में इतनी संपत्तियां कहां से आ गईं। जिलाधिकारी ने शिकंजा कसते हुए एंटी करप्शन विभाग को पत्र लिखकर जांच कराने के लिए कहा है।

विजय नगर में सड़क पर चलना दूभर

कानपुर। विजय नगर से दादानगर जाने और आने के दोनों रास्ते मेट्रो के काम के कारण इतने खराब हो गए हैं कि चौपहिया वाहन भी नहीं निकल पा रहे हैं। दादानगर से विजय नगर की ओर चलने पर सड़क इतनी ऊबड़-खाबड़ है कि सारे वाहन फजलगंज की ओर मुड़कर जाने को मजबूर हैं। यहां जाम में फंसकर एक महिला की मौत भी हो चुकी है।

परेड रामलीला में दरबार में रावण ने की लीला। अमृत विचार

युद्ध करते प्रभु राम और लक्ष्मण। अमृत विचार

मेघनाद और लक्ष्मण का युद्ध। अमृत विचार

लक्ष्मण ने किया मेघनाद वध, आतिशबाजी

परेड रामलीला में मेघनाद और लक्ष्मण के युद्ध की लीला से रोमांचित हुए दर्शक, पुतला दहन किया गया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। परेड रामलीला मैदान में आयोजित रामलीला में मेघनाद- लक्ष्मण युद्ध की लीला का मंचन हुआ। लक्ष्मण ने मेघनाद का वध किया तो जय- जय श्रीराम का उद्घोष हुआ। अहिरावण ने राम-लक्ष्मण का हरण किया तो हनुमान जी ने देवी जगदंबा का रूप धारण कर उसका वध कर दिया। मेघनाद पुतला दहन के समय की गई आतिशबाजी से आसमान सतरंगी हो गया।

मेघनाद ने चिरायु के लिए हवन प्रारम्भ किया, किन्तु लक्ष्मण उसका हवन खंडित कर दिया। इससे क्रोधित होकर उसने लक्ष्मण से युद्ध किया। लक्ष्मण ने उसका वध कर दिया। उसका शीश रामादल और भुजा सुलोचना के महल में गिरी। भुजा देख सुलोचना, रावण के महल गई जहां रावण के आगे विलाप करने लगी रावण ने रोते-रोते उसे राम जी के पास भेजा। प्रभु श्रीराम और लक्ष्मण ने सम्मानपूर्वक उसके पति का शीश दिया। उसके बाद रावण पातालवासी अपने भाई अहिरावण को बुलाया। उससे कहा कि राम-लक्ष्मण को पाताल ले जाओ। आदेश मिला तो वह दोनों भाइयों को अपने साथ ले गया। हनुमान जी ने उसका वध किया। सोसाइटी के अध्यक्ष महेंद्र मोहन गुप्त, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजीव गर्ग, प्रधानमंत्री कमलकिशोर अग्रवाल, मंत्री अमरनाथ मेहरोत्रा, आलोक अग्रवाल, पवन अग्रवाल, संरक्षक राकेश गर्ग, राजीव अग्रवाल, उपाध्यक्ष लाल जी शुक्ल अनिल अग्रवाल आदि ने प्रभु की आरती की।

चकेरी मैदान में रावण, मेघनाद के पुतले। अमृत विचार

आज दशहरा, जगह-जगह फुकेंगे पुतले: शहर में गुरुवार को दशहरा पर्व मनाया जाएगा। शाम को शहर के विभिन्न स्थानों पर पुतला दहन होगा। परेड, स्वरूप नगर, रेल बाजार, मोतीझील, रायपुरवा, नवाबगंज सहित अन्य इलाकों में पुतला दहन देखने आने वालों की भारी भीड़ के चलते बुधवार को सुरक्षा तैयारियां होती रहीं। दशहरा पर्व पर इन प्रमुख रामलीलाओं में पुतला दहन से पहले आतिशबाजी भी होगी। उधर विजय दशमी पर्व पर गुरुवार को कैलाश मंदिर स्थित दशानन मंदिर भी भक्तों के लिए खुलेगा। सुबह से ही मंदिर में भक्तों के दर्शन के लिए दशानन का शृंगार भी किया जाएगा। भक्त मंदिर में सरसो के तेल का दिया जलाने के साथ ही वर्ष भर ज्ञान और विजय का आशीष मांगेंगे। शाम को लगभग 3 बजे के आस-पास मंदिर के पटों को बंद कर दिया जाएगा।

विजयादशमी पर विजय मुहूर्त गुरुवार को दोपहर 1 बजकर 56 मिनट से दोपहर 2:44 मिनट बजे तक रहेगा। पूजा मुहूर्त 2 अक्टूबर दोपहर 1बजकर 9 मिनट बजे से 3:31 बजे तक होगा। 2 अक्टूबर गुरुवार को दशहरा के दिन रवि योग भी रहेगा। इसी तरह श्रवण नक्षत्र 2 अक्टूबर को सुबह 9:14 बजे से प्रारंभ होकर 3 अक्टूबर को सुबह 9:34 बजे पर समाप्त हो रहा है।

आज दशहरा मेला पर कई जगह बदला रहेगा ट्रैफिक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। रामलीला परेड रावण वध एवं दशहरा मेला के चलते गुरुवार को यातायात व्यवस्था सुदृढ़ रखने के लिए सायं 5.00 बजे से कार्यक्रम की समाप्ति तक यातायात डायवर्जन रहेगा। एडीसीपी ट्रैफिक अर्चना सिंह ने बताया कि लालइमली चौराहा से कोई भी वाहन कारसेट परेड की तरफ नही जाएगा बल्कि ऐसे वाहन लालइमली चौराहा से सिल्वर्टन तिराहा से होते हुए अपने गंतव्य जा सकेंगे ।

एमजी कॉलेज चौराहा से कोई भी वाहन कारसेट व नवीन मार्केट की तरफ नही जा सकेगा बल्कि ऐसे वाहन सिल्वर्टन तिराहा, ग्रीन पार्क चौराहा होते हुये चलेंगे। बड़ा चौराहा से कोई भी वाहन परेड की तरफ नहीं जा सकेगा, ऐसे वाहन मेस्टन रोड, मूलगंज चौराहा होते हुये अपने गंतव्य जा सकेंगे। चेतना चौराहा से कोई भी वाहन बडा चौराहा की तरफ नही जाएगा बल्कि ऐसे वाहन व्यायामशाला, मेघदूत तिराहा होते हुए जाएंगे। मेघदूत तिराहा से कोई भी वाहन बड़ा चौराहा की तरफ नही जाएगा, ऐसे वाहन वीआईपी रोड सरसैय्या घाट होते हुए अपने गंतव्य को जा सकेंगे। यतीमखाना चौराहा से कोई भी वाहन परेड की तरफ नहीं जा सकेगा, ऐसे वाहन लालइमली चौराहा से अपने गंतव्य को जाएगा। म्योरमिल की तरफ से कोई भी वाहन कारसेट की तरफ नहीं जा सकेगा, ऐसे वाहन एमजी कॉलेज चौराहा या भार्गव हॉस्पिटल होते हुए अपने गंतव्य को जा सकेंगे। लैण्डमार्क तिराहा से कोई भी वाहन परेड की तरफ नहीं जाएगा बल्कि बड़ा चौराहा होते हुए चलेंगे। गिलिस बाजार चौराहा / कोतवाली से कोई भी वाहन परेड की तरफ नही जा सकेगा। ऐसे वाहन बड़ा चौराहा या मूलगंज चौराह होकर चलेंगे। मूलगंज से कोई भी वाहन सद्भावना चौराहा की ओर नहीं जाएगा।

मूर्ति विसर्जन के लिए बदला रहेगा यातायात

एडीसीपी ट्रैफिक अर्चना सिंह ने बताया कि मूर्ति विसर्जन के दृष्टिगत यातायात व्यवस्था सुदृढ़ रखने हेतु गुरुवार को दोपहर 1 बजे से मूर्ति विसर्जन समाप्ति तक यातायात में बदलाव किया गया है। कल्याणपुर की ओर से आवास विकास नहर पनकी होते हुये कोई भी वाहन अर्मापुर की ओर नहीं जा सकेगा, ऐसे वाहन कल्याणपुर से जरीब चौकी होते हुये फजलगंज चौराहे से विजय नगर होते हुये भौंती की ओर जाएंगे। कल्याणपुर से बारा सिरोही नहर के मध्य कोई भी भारी या मध्यम वाहन नहीं जाएंगे बल्कि ऐसे वाहन शताब्दी नगर होते हुये गंगागंज क्रॉसिंग से भौंती की ओर जा सकेंगे। कम्पनीबाग से आने वाला यातायात रेव-श्री तिराहे से आगे भैरोघाट, मर्चेन्ट चेम्बर, टैफको व ग्रीनपार्क चौराहे की तरफ नहीं जा सकेंगे, ऐसे वाहन रेवश्री तिराहे से दाहिने मुड़कर आभा नर्सिंग होम होते हुये अपने गंतव्य को जा सकेंगे। उन्नाव की ओर से आने वाला यातायात गंगा बैराज से बांये मुड़कर कर्बला की ओर नहीं जा सकेगा, ऐसे वाहन गंगाबैराज से सीधे यशकोठारी / सिंहपुर तिराहे से होते हुये अपने गंतव्य को जाएंगे।

टीएसएच में बच्चों को खेल का प्रशिक्षण दिया गया। अमृत विचार

टीएसएच में बच्चों का प्रशिक्षण शुरू

कानपुर। नगर निगम, खेलो इंडिया और स्मार्ट सिटी मिशन के संयुक्त प्रयास से आर्यनगर स्थित द स्पोर्ट्स हब (टीएसएच) में 1 अक्टूबर से चयनित बच्चों का निशुल्क प्रशिक्षण शुरू हो गया। बुधवार को पहले ही दिन 266 बच्चों ने उपस्थिति दर्ज कराई। सभी बच्चों की बायोमैट्रिक हाजिरी ली गई। प्रशिक्षण सप्ताह में पांच दिन होगा, जिसकी शुरुआत वार्मअप से होगी, इसके बाद इंडिविजुअल स्पोर्ट्स ट्रेनिंग और अंत में कूल डाउन कराया जाएगा। गुरुवार 2 अक्टूबर को गांधी जयंती और दशहरा का पर्व होने के कारण अवकाश रहेगा। शुक्रवार से नियमित प्रशिक्षण सत्र जारी रहेंगे।

वक्फ कानून के विरोध में कल भारत बंद कैंसिल

आंदोलन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- 3 अक्टूबर 2025 जुमा को सुबह 8 से दोपहर 2 बजे तक बंद का आह्वान किया था
- दशहरा एवं अन्य त्योहारों एवं बरेली में खराब हुए माहौल को देखते हुए फैसला किया गया

अमृत विचार। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने वक्फ संशोधन कानून 2025 के विरोध में 3 अक्टूबर 2025 जुमा को सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक मुसलमानों से अपने कारोबार बंद रखने की गुजारिश की थी। अब बरेली में खराब हुए माहौल और दशहरा समेत अन्य त्योहारों को देखते हुए मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने अपने भारत बंद के आह्वान को वापस ले लिया है।

केंद्र सरकार द्वारा वक्फ संशोधन कानून 2025 को लागू करने एवं उम्मीद पोर्टल चालू करने के विरोध में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने मोर्चा खोल रखा है। बोर्ड का मानना है कि जब तक कानून वापस नहीं होगा, उनका आंदोलन जारी रहेगा।

मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के संस्थापक सदस्य कानपुर के प्रोफेसर मोहम्मद सुलेमान का कहना है कि वक्फ बिल के विरोध में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया था जिसमें 6 करोड़ लोगों ने हस्ताक्षर किये गये लेकिन उसके बाद भी ये कानून लागू हो गया है, इस कानून को समाप्त करने के लिए बोर्ड राष्ट्रीयस्तर पर अभियान चला रहा है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना खालिद सैफुल्लाह रहमानी एवं राष्ट्रीय महासचिव मौलाना फजलुर रहीम मुजद्दिदी ने संयुक्त रूप से बयान में कहा है कि 3 अक्टूबर को प्रस्तावित भारत बंद फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। जल्द ही नई तारीख का ऐलान किया जाएगा।

जिला प्रशासन सतर्क सोशल मीडिया पर नजर

कानपुर। शुक्रवार को जुमा की नमाज अदा की जाएगी। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के द्वारा अपने भारत बंदी की कॉल वापस लेने के बाद अब कोई आंदोलन, विरोध का अंदेशा नहीं है लेकिन फिर भी जिला प्रशासन फूंक-फूंककर कदम रख रहा है। जुमा की नमाज के पूर्व घनी आबादी में खुफिया विभाग ने अपना जाल बिछा दिया है और सोशल मीडिया पर की जा रही पोस्ट पर पूरी तरह नजर बनाए हुए हैं। वाट्सएप, फेसबुक, इंटाग्राम पर आ रहे कमेंट्स पर भी पूरी तरह नजर रखी जा रही है ताकि शरारतीतत्वों के मंसूबों पर पानी फेरा जा सके।

व्यापारियों ने कन्या भोज कराया। अमृत विचार

व्यापार मंडल ने कन्याभोज का किया आयोजन

कानपुर उत्तर प्रदेश कल्याणकारी व्यापार मंडल के कार्यालय में बुधवार को कन्याभोज का कार्यक्रम आयोजित किया गया ।कन्याओं को भोजन के उपरांत सुंदर सुंदर उपहार भेंट किए गए। इस अवसर संदीप पाण्डेय ने बताया कि उनका संगठन बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ की ओर चल रहा है लोग अब अपनी अपनी बेटियों को शिक्षित करने लगे हैं लोगो को समझ में आने लगा है कि बेटियों को समानता का अधिकार दे कर उनको मजबूत बनाना और स्वावलंबी बनाना है तभी वह सुरक्षित होगी। इस अवसर पर विमल सिंह,आशुतोष तिवारी, विनोद अग्रवाल, कृष्णनारायण कटियार, कन्हैया गुप्ता , श्रुति मिश्रा, विजय श्रीवास्तव आदि लोग मौजूद रहे

एबीवीपी ने कन्याओं को भोज कराया। अमृत विचार

एबीवीपी ने कन्या पूजन का किया आयोजन

कानपुर। नवरात्रि की पावन महानवमी के अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, के प्रान्त कार्यालय में कन्या पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर सभी कार्यकर्ताओं ने माता के चरणों में अपनी श्रद्धा अर्पित की तथा समाज में नारी शक्ति के सम्मान और सांस्कृतिक मूल्यों के संवर्धन का संकल्प लिया। इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन में कन्याओं का पूजन कर उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विभाग छात्रा प्रमुख बहन खुशी गुप्ता, प्रान्त कार्यकारिणी सदस्य समीर सुमन, ज्ञानेंद्र, उपेंद्र, गुंजन, आदर्श, राम आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

समाज की असली ताकत हैं हमारे बुजुर्गजन

कार्यालय संवददाता, कानपुर

अमृत विचार। समाज की असली ताकत हमारे बुजुर्ग हैं। उनके अनुभव और आशीर्वाद से ही नई पीढ़ियां सशक्त बनती हैं। हर नागरिक को अपने माता-पिता और बड़ों की सेवा को कर्तव्य मानना चाहिए। यह बात बुधवार को वक्ताओंने अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर दामोदर नगर स्थित समाज कल्याण विभाग से अनुदानित सार्वजनिक शिक्षोन्नयन संस्थान द्वारा संचालित वृद्धाश्रम में आयोजित कार्यक्रम में कहीं।

इस मौके पर जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि समाज और राष्ट्र मिलकर अपनी उस धरोहर की सुरक्षा करते हैं, जिन्होंने अपने यौवनकाल में सब कुछ समाज, राष्ट्र और परिवार के लिए समर्पित कर दिया। भारतीय परंपराएं हमेशा से ही स्वस्थ और श्रेष्ठ रही हैं। हमें अपनी संस्कृति, पंरपराओं का सम्मान करना चाहिए।

समारोह को संबोधित करते जिलाधिकारी। अमृत विचार

- अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर वृद्ध आश्रम में सम्मान समारोह

इसी कारण हमारे यहाँ वृद्धावस्था को बोझ नहीं, बल्कि अनुभव और आशीर्वाद का समय माना जाता है। वहीं इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग द्वारा 21 मोबाइल फोन वृद्ध संवासिनियों को प्रदान किए गए।

कार्यक्रम के दौरान भाजपा बुन्देलखण्ड क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल, आशा त्रिवेदी, भाजपा नेता अशोक मिश्रा, पार्षद योगेन्द्र शर्मा व जिला समाज कल्याण अधिकारी शिल्पी सिंह सहित कई अन्य लोग मौजूद थे।

शुभ घड़ी विजय दशमी पर गंगा किनारे बने तालाबों में होगा विसर्जन, महिलाएं सिंदूर भरेंगी और अखंड सौभाग्य की कामना करेंगी

आज विदा होंगी भगवती जगदंबा, पंडालों में दर्शन को उमड़े श्रद्धालु

अर्मापुर के दुर्गा पूजा पंडाल में आरती की गई। अमृत विचार

कालीबाड़ी लालबंगला दुर्गा पूजा पंडाल में शंख गूंजा। अमृत विचार

किदवईनगर में आरती करते कैबिनेट मंत्री राकेश सचान अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। विजय दशमी पर गुरुवार को मां दुर्गा की प्रतिमाएं गंगा किनारे बने तालाबों में विसर्जित की जाएंगी। मां की विदाई से पहले श्रद्धालु महिलाएं एक दूसरे की मांग में सिंदूर भरेंगी और भगवती से दुर्गा से अखंड सौभाग्य की कामना करेंगी। गंगा घाटों पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं। तालाबों में दिन में दो बार पानी भरने की व्यवस्था की गई है ताकि प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए पानी की कमी न पड़े।

जब मां विदा होंगी तो ढोल नगाड़े बजेंगे साथ ही अबीर और गुलाल उड़ेगा। पूजन पंडालों में महिलाएं पहले मां को सुहाग का प्रतीक सिंदूर अर्पित करेंगी। इसके बाद उसी सिंदूर से एक दूसरे की मांग भरेंगी। भगवती से अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद लेंगी। इसी के साथ ही ढोल, मृदंग की थाप पर झूमते श्रद्धालु मां जगदंबा को विदा करेंगे। घरों में स्थापित प्रतिमाएं भी विसर्जित की जाएंगी। गंगा बैराज, सिद्धनाथ घाट, गोला घाट, मैस्कर घाट, परमट समेत एक दर्जन स्थलों पर तालाब खोदे गए हैं। इन्हीं तालाबों में श्रद्धालु प्रतिमाओं को विसर्जित करेंगे।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

सातवां वार्षिकोत्सव भंडारे के साथ संपन्न

कानपुर। दुर्गा नवमी अवसर पर मां गंवा देवी का सातवां वार्षिकोत्सव हजारों भक्तों की उपस्थिति हवन-पूजन के साथ बुधवार को संपन्न हो गया। इस दौरान भंडारे और भजन का भी आयोजन किया गया। महिला सशक्तीकरण महिला सम्मान एवं नारी शक्ति के बल पर आधारित कार्यक्रम में समाजसेवी महिलाओं को मां गंवा देवी का चित्र एवं राम नाम का अंगवस्त्र पहनाकर समानी किया गया। कार्यक्रम में समाजसेवी अपर्णा यादव, पुष्पा मोहन, सीमा त्रिपाठी, नेहा दीक्षित, शुभांगी सेंगर, आरोग्य धाम की वरिष्ठ होम्योपैथिक फिजिशियन डॉ आरती मोहन सहित कई अन्य लोग थे।

न्यूज ब्रीफ

खाना बनाते समय सिलेंडर में लगी आग

सफीपुर। फतेहपुर गांव निवासी जगन्नाथ पुत्र सोहन बुधवार दोपहर घर में खाना बन रहा था। तभी सिलेंडर में हुए गैस रिसाव से आग भड़क गई। आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया। जानकारी होते ही अफरा-तफरी मच गई। जगन्नाथ आग पर काबू करने व गृहस्थी बचाने का प्रयास करने लगा तभी वह आग की चपेट में आकर झुलस गया। मौके पर पहुंचे ग्रामीण फायर ब्रिगेड को सूचना देकर आग पर काबू पाने का प्रयास करने लगे। तभी फायर ब्रिगेड पहुंची लेकिन गली सकरी होने से वह सड़क पर ही खड़ी रही। घंटो प्रयास के बाद ग्रामीणों ने आग पर काबू पाया और बड़ी घटना होने से बचा लिया। लेकिन तब तक जगन्नाथ के घर की पूरी गृहस्थी जलकर राख हो गई। उसने आग से एक लाख से अधिक का नुकसान होने की बात कही है।

लोडर की टक्कर से युवक की गई जान

नवाबगंज। अजगैन कोतवाली क्षेत्र के ओगरापुर कौड़िया गांव निवासी राजेश (35) पुत्र राजू पत्नी निशा (32) के साथ बुधवार शाम को कोतवाली क्षेत्र के राजा बाग में लगने वाली साप्ताहिक बाजार खरीददारी करने गया था। वापस लौटते समय मंडी के पास ही सामने से आए तेज रफ्तार लोडर ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में दंपति गंभीर घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें एंबुलेंस से सीएचसी भेजा। जहां से राजेश को ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर किया गया। परिजन उसे ले जा रहे थे। लेकिन रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। इसकी खबर मिलते परिजनों परिजनों में चीखपुकार मच गई।

जयंती पर कांग्रेस ने निकाली पदयात्रा

शुक्लागंज। महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती की पूर्व संध्या पर बुधवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रामधुन गाते हुए पोनी रोड से राजधानी मार्ग तक पदयात्रा निकाली। वरिष्ठ कांग्रेसी पुत्तीलाल वर्मा ने कहा कि गांधी जी ने सत्य और अहिंसा के मार्ग से देश को आजादी दिलाई।

जीआरपी ने दो महिला चोरों को पकड़ा

उन्नाव। जीआरपी ने सर्कुलेटिंग एरिया में चेकिंग के दौरान दो शातिर महिलाओं को पकड़ा। उनके पास से यात्रियों के चोरी हुए जेवर व नगदी मिली है। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम सोहली पुत्री भगवन्नू व सबाना उर्फ पूजा पत्नी सोनपाल निवासी गांव जिलागांव थाना हरपालपुर जिला हरदोई हाल पता मोहल्ला तालिब सरांय सदर कोतवाली बताया। एसओ ने बताया कि दोनों पर केस दर्ज कर कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उन्हें जेल भेजा गया।

सफाई मित्रों को किया गया सम्मानित

उन्नाव। प्रधानमंत्री के जन्मदिन से गांधी जयंती तक आयोजित हो रहे सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत नगर पालिका में विशेष समारोह आयोजित हुआ। इसमें नगर की स्वच्छता व्यवस्था को समर्पित सफाई मित्रों को सम्मानित किया गया। इसमें नगर पालिकाध्यक्ष श्वेता भानू मिश्रा ने सफाई मित्रों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत मिशन व मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन से नगरीय व्यवस्थाओं में अभूतपूर्व सुधार आया है।

मुठभेड़ में शामिल महिला पुलिस कर्मी सम्मानित

उन्नाव। बिहार थानाक्षेत्र में वाहन चेकिंग के दौरान दो दिन पहले हुई लुटेरों से मुठभेड़ में शामिल महिला पुलिस कर्मियों को एसपी ने सम्मानित कर उनका हौसला बढ़ाया है। बता दें कि बिहार पुलिस के साथ मिशन शक्ति टीम में शामिल महिला दरोगा रेखा दुबे, आरक्षी रूपा व शिखा तोमर ने सोमवार रात वाहन चेकिंग कर रही थीं। तभी थानाक्षेत्र के अकवारा पुल पर एक संदिग्ध कार को रोकने पर चालक ने उतरकर भागने का प्रयास किया। इस पर उसे रोकने का प्रयास किया गया तो बदमाश ने पुलिस पर फायरिंग की थी। बिहार पुलिस के साथ मौजूद रेखा व उनकी टीम ने बहादुरी का परिचय देते हुए जबावी कार्रवाई की थी। इसमें शातिर लुटेरे धीरज के पैर में गोली लगी वहीं उसके साथी को भी पकड़ा गया था।

एक दिन की एसपी उर्वशी ने की जनसुनवाई

उन्नाव। मिशन शक्ति के पांचवें चरण में जारी महिला सशक्तिकरण अभियान के तहत एसपी जय प्रकाश सिंह ने एक दिन के लिए अपनी कुर्सी कक्षा 12 की छात्रा उर्वशी मोहन को सौंपते हुए उसे पहले पुलिस की बारीकियां सिखाईं। उर्वशी ने जनसुनवाई में आई शिकायतों के त्वरित निस्तारण के आदेश संबंधित अफसरों को दिए। इसके बाद उन्होंने पुलिस कार्यालय के सभी शाखाओं का निरीक्षण किया और उनकी कार्यप्रणाली को समझा। वहीं एक दिन की एसपी ने कहा कि यह पल उन्हें हमेशा याद रहेगा।

नवरात्र के अंतिम दिन गूंजे मां के जयकारे

जगह-जगह हुआ कन्या पूजन और भोज, चहुंओर दिखाई दिया भक्ति का माहौल

संवाददाता, शुक्लागंज, उन्नाव

अमृत विचार। बुधवार को नवरात्रि के समापन पर नगर के मंदिरों में मां दुर्गा के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो उठा। सुबह से ही श्रद्धालु माता के दरबार में उमड़ पड़े और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। पूजा उपरांत कन्या पूजन व कन्या भोज का आयोजन किया गया।

राजधानी मार्ग स्थित श्री दुर्गा मंदिर में पहले इक्कीस कन्याओं का पूजन कर उन्हें भोजन कराया गया और दान-दक्षिणा दी गई। इसके बाद मंदिर प्रांगण में सैकड़ों कन्याओं को प्रसाद व भोजन कराकर उपहार प्रदान किए गए। इस अवसर पर अध्यक्ष आदित्य सिंह, जगन्नाथ कुशवाहा, शिवकुमार, सुशील, बब्बू, अमित, राजू वर्मा सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे। गायत्री नगर स्थित गायत्री मंदिर में भी श्रद्धालुओं ने कन्या भोज का आयोजन किया। वहीं कंचन नगर स्थित कंचनामाई मंदिर, महेश मार्ग स्थित सिद्धिधात्री मंदिर, डाकतार कॉलोनी का सोमा गौरी मंदिर, गांधी नगर का काली मंदिर, पोनी रोड झंडे चौराहा स्थित झंडेश्वर मंदिर, बिंदानगर का दुर्गा मंदिर, पोनी रोड राधा कृष्ण दुर्गा मंदिर, बालू घाट स्थित गायत्री शक्तिपीठ और गंगा विषुनघाट दुर्गा मंदिर सहित नगर के तमाम मंदिरों में श्रद्धालुओं ने कन्या पूजन किया। मंदिरों के साथ-साथ घरों में भी श्रद्धालुओं ने कन्याओं का पूजन कर उन्हें भोजन कराया और व्रत उपासकों ने विधिवत व्रत का समापन किया। अंबिकापुरम स्थित श्री नवदुर्गा मंदिर में विशेष हवन-पूजन कर कन्या भोज कराया गया। नगर भर में भक्ति का अद्भुत माहौल दिखाई दिया।

दुर्गा मंदिर में दर्शन के लिये लगी भक्तों की भीड़। अमृत विचार

दुर्गा मंदिर में कन्याओं का हुआ पूजन। अमृत विचार

100 साल पुराने ठाकुर द्वारा में हवन के साथ मेला शुरू

हवन में आहुतियां देते भक्त। अमृत विचार

उन्नाव। हसनगंज के मौला बाक़ीपुर गांव स्थित प्रसिद्ध लक्ष्मी सीताराम ठाकुर द्वारा में बुधवार को मेले व रावण दहन आयोजन की नींव रखी गई। प्रथम दिन पूजन के साथ मेले का शुभारम्भ हुआ। शाम को भव्य भजन व कीर्तन आयोजित हुआ। प्रबंधक अजय मिश्र व और प्रधान शशी सिंह ने बताया कि गुरुवार देरशाम विधिविधान पूर्वक रावण दहन का आयोजन होगा। 100 साल पुराने इस ठाकुर द्वारे से जुड़े भक्तों द्वारा इस बार प्रथम नवरात्र नवमी मेला महोत्सव का आयोजन होता रहा है। मेला आयोजक प्रधान प्रतिनिधि शशीकांत सिंह, बरहली गांव प्रधान विपिन द्विवेदी, प्रबंधक अजय मिश्र, कथा वाचिका प्रिया मिश्र आदि ने पूजन के साथ आयोजन शुरू कराया। देरशाम भजन संध्या के साथ कानपुर से आये कलाकारों ने विभिन्न झांकियां प्रस्तुत किया। मेले में मंदिर पुजारी संजय मिश्रा, मंदिर सेवादार सुमेर सिंह, लक्ष्मीकांत सिंह (पन्नालाल), मैकू सिंह, प्रवीण मिश्रा, सचिन प्रजापति, नितिन प्रजापति, सजीवन लाल, अंकित साहू, राजेश गुप्ता, अजय शुक्ला, राज सिंह (बउवा), सतीश सिंह आदि मौजूद रहे।

शिव तांडव नृत्य देख आकर्षित हुए दर्शक

जागरण के दौरान कलाकारों के साथ मौजूद आयोजक। अमृत विचार

सफीपुर, उन्नाव, अमृत विचार। शारदीय नवरात्र पर नगर के रसूलाबाद मार्ग स्थित दुर्गा मंदिर परिसर में मां भगवती का विशाल जागरण आयोजित हुआ। इसमें मुख्य अतिथि विधायक बम्बालाल दिवाकर ने पूजा-अर्चना कर क्षेत्रवासियों के सर्वकल्याण की कामना की। जागरण में कलाकारों ने देवी भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियों से भक्तों को भावविभोर कर दिया।

सुदामा चरित्र की झांकी तथा शिव तांडव नृत्य कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा। चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है भजन पर भक्त झूम उठे। इसी दौरान सुंदरकांड गायक मनु शुक्ला ने अपनी प्रस्तुति से सबका मन मोह लिया। इस दौरान चेयरमैन प्रतिनिधि सौरभ बाजपेयी राजा बेटा, समाजसेवी नागेंद्र सिंह सेंगर, जिला पंचायत सदस्य दिलीप उर्फ गुड्डू मिश्रा, गोल्डी सेंगर, राजेश चौहान, चेतन त्रिवेदी, राजू चौहान, राकेश तिवारी, बीपी सिंह सेंगर, सतगुरु प्रसाद मिश्र, व्यापार मंडल अध्यक्ष रामजी गुप्ता, उपाध्यक्ष अन्नू मौर्या आदि उपस्थित रहे। सुबह तारा रानी कथा व प्रसाद वितरण के साथ जागरण का विधिवत समापन हुआ।

नवमी पर मंदिरों में हुआ कन्या भोज

सफीपुर। शारदीय नवरात्र की नवमी पर नगर व ग्रामीण अंचल के देवी मंदिरों में भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। जगह-जगह हवन, पूजन व कन्या भोज जैसे धार्मिक अनुष्ठान धूमधाम से संपन्न हुए। नगर की अधिष्ठात्री मां शंकरी देवी मंदिर पर मंदिर सेवा समिति की ओर से हवन कराया गया। समिति संरक्षक व विधायक बंबालाल दिवाकर ने आहुतियां देकर क्षेत्रवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की। इसमें समिति से जुड़े वीपी सिंह सेंगर, अवधेश सिंह फौजी, सुनील चौरसिया, आशीष कनौजिया, अमित कुशवाहा, अमरनाथ पांडेय, वीरेंद्र कुमार दुल्लर, योगेंद्र दीक्षित, उत्तम निषाद, राजेश तिवारी, नीरज सैनी, देवकी नंदन सैनी आदि ने भी पूजन में सहभागिता की।

गायत्री मंदिर में होता हवन। अमृत विचार

गायत्री शक्तिपीठ में सम्पन्न हुआ पूर्णाहुति समारोह

शुक्लागंज। परम पूज्य गुरुदेव एवं वन्दनीय माताजी के सूक्ष्म संरक्षण में बुधवार को नवरात्र साधना की पूर्णाहुति गायत्री शक्तिपीठ, बालू घाट में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर पांच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने आहुतियां अर्पित कर पुण्य अर्जित किया। आचार्य ने अपने प्रवचन में कहा कि गायत्री एक दैवी शक्ति है, जो मनुष्य के जीवन विकास में सहायक होती है। गायत्री मंत्र के जाप से सद्बुद्धि का उदय होता है, कुविचारों एवं दुर्गुणों का नाश होता है तथा आयु, प्राण, शक्ति, कीर्ति और ब्रह्म तेज की प्राप्ति होती है। इस अवसर पर विविध संस्कार भी सम्पन्न कराए गए, जिनमें 8 मुंडन, 10 नामकरण, 9 जन्मदिवस, 20 विद्यारंभ और विवाह संस्कार शामिल रहे। दया साहू, सुमन साहू, मीरा चौरसिया, सालिनी का विशेष सहयोग रहा।

महर्षि में हर्षोल्लास से मनाया गया पर्व

शुक्लागंज। कंचन नगर स्थित महर्षि दयानन्द सरस्वती मिशन इंटर कॉलेज में नवरात्र और विजयदशमी का पर्व बड़े उत्साह और धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में छात्राओं ने मां दुर्गा के सभी स्वरूप धारण कर मंच पर प्रस्तुतियां दीं और उनकी आरती उतारी गई।

प्रबंधक प्रभात शुक्ला ने रावण दहन कर बुराई पर अच्छाई की जीत का महत्व समझाया। सह-प्रबंधक विराट शुक्ल ने कार्यक्रम की व्यवस्था संभाली। प्रधानाचार्या सुषमा श्रीवास्तव ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए गए डांडिया डांस की रूपरेखा तैयार कराई। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। वातावरण में भक्ति, उल्लास और सांस्कृतिक रंग छाया रहा।

मंदिर में आयोजित भंडारे में प्रसाद ग्रहण करते लोग। अमृत विचार

तेरे दरबार में मैया खुशी मिलती है...

उन्नाव, अमृत विचार। बुधवार को शहर में दुर्गाष्टमी की धूम रही। शहर के प्रसिद्ध कल्याणी, बड़े दुर्गा व पूर्णा देवी मंदिरों में भारी भीड़ रही। भोर पहर से ही मंदिरों के पट खुलते ही भक्त मां के दर्शनों के लिए पहुंचने लगे। दोपहर में तो भीड़ इस कदर बढ़ गई कि श्रद्धालुओं को लाइनें लगानी पड़ीं। अष्टमी के चलते कन्याभोज की भी होड़ मची रही। मंदिरों में भी भक्तों ने कन्याओं को भोज कराया। भोज के बाद कन्याओं को दान-दक्षिणा दी। इसके अलावा कल्याणी देवी मंदिर परिसर में बने यज्ञकुंड में सैकड़ों भक्तों ने आहुतियां देकर सुख समृद्धि की कामना की। श्रद्धालुओं ने मां को चुनरी, फल, फूल आदि चढ़ाकर प्रसन्न किया। घरों में पूरे दिन हवन पूजन चलता रहा। भक्तों ने व्रत रख देवी उपासना की। मंदिरों व घरों में दुर्गा सप्तशती का पाठ हुआ। बड़े दुर्गा मंदिर में हवन पूजन के बाद भंडारे का आयोजन हुआ।

विश्व शांति के लिए किया 7 कुंडीय यज्ञ

उन्नाव, अमृत विचार। डीएसएन कॉलेज रोड स्थित गायत्री शक्तिपीठ में नवरात्र में सवा लाख गायत्री मंत्र जप पूर्ण कर नवदुर्गा के नवें स्वरूप मां सिद्धिदात्री का पूजन अर्चन कर साधकों ने विश्व शान्ति हेतु सात कुंडीय यज्ञ किया।

यज्ञ का संचालन रानी त्रिपाठी व दीनू शुक्ला ने किया। व्यवस्थापक सिद्धनाथ श्रीवास्तव ने नव दुर्गा के प्रतीक स्वरूप नव कन्याओं के चरण धोकर सभी साधकों के साथ उनका पूजन कर आशीर्वाद लिया और नवरात्र व्रत का परायण किया और कन्याभोज किया। इसमें संरक्षक सुरेश मिश्र, अजय शुक्ला, रमाशंकर शुक्ला, सुशील जायसवाल, तिलक श्रीवास्तव, अशोक दीक्षित, मेवालाल पाल आदि लोग मौजूद रहे।

मूर्ति विसर्जन को लेकर किया झील का निरीक्षण

शुक्लागंज, अमृत विचार। नवरात्र और दुर्गा पूजा समापन के बाद होने वाले मूर्ति विसर्जन की तैयारियों को लेकर प्रशासनिक स्तर पर पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। इसी क्रम में बुधवार को उपजिलाधिकारी सदर क्षितिज द्विवेदी एवं क्षेत्राधिकारी नगर दीपक यादव ने थाना गंगाघाट क्षेत्रांतर्गत गगनीखेड़ा झील का निरीक्षण किया।

दोनों अधिकारियों ने मातहतों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और कोतवाली प्रभारी अजय कुमार सिंह को सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ रखने के निर्देश दिए। मूर्ति विसर्जन के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु और स्थानीय लोग मौजूद रहते हैं, ऐसे में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था से बचने के लिए विशेष सतर्कता बरती जाए। अधिकारियों ने साफ-सफाई, बैरिकेडिंग, गोताखोरों की व्यवस्था और यातायात नियंत्रण पर विशेष ध्यान देने को कहा। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की बात कही। सीओ दीपक यादव ने कहा कि भीड़ नियंत्रण के लिए पर्याप्त पुलिसकर्मी और पीएसी लगाई जाएगी।

गगनी खेड़ा झील का निरीक्षण करते एसडीएम और सीओ। अमृत विचार

शिक्षकों को दिये नियुक्ति पत्र, नहीं मिला वेतन

उन्नाव, अमृत विचार। राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में मुख्यमंत्री ने लोक सेवा आयोग द्वारा नियुक्त प्रवक्ताओं व स्नातक वेतन क्रम के प्रदेश के 543 शिक्षकों को पांच माह पूर्व नियुक्तिपत्र बांटे थे। जिसमें उन्नाव के 13 शिक्षक भी शामिल थे। शिक्षकों ने कार्यभार ग्रहण कर लिया लेकिन, उन्हें अब तक वेतन नहीं मिल सका है। शिक्षक विधायक राज बहादुर सिंह चंदेल ने जब शिक्षा निदेशक से इसे लेकर वार्ता की तो शिक्षा निदेशक माध्यमिक ने 1 अक्टूबर को आदेश जारी किया कि जो शिक्षक कार्यभार ग्रहण कर चुके हैं उनको तत्काल वेतन भुगतान किया जाए।

अपर शिक्षा निदेशक ने जारी किये निर्देश

शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) द्वारा प्रदेश के सभी डीआईओएस को जारी किए निर्देश में कहा कि प्रदेश के राजकीय माध्यमिक विद्यालयों हेतु नवचयनित प्रवक्ता/सहायक अध्यापकों को मुख्यमंत्री द्वारा 8 मई 2025 को नियुक्ति पत्र बांटे गये थे। लेकिन, उन्हें विद्यालयों में कार्यभार ग्रहण करने के बाद भी लंबे समय से संबंधित सहायक अध्यापक के मूल अभिलेखों के निर्गमन संस्था बोर्ड विश्वविद्यालय से सत्यापन आख्या प्राप्त होने के अभाव में वेतन आहरण नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि उन्हें यह कहने का निर्देश मिला कि चयनित शिक्षकों में जिन्होंने विद्यालयों में कार्यभार ग्रहण कर लिया है और कार्यरत हैं व कार्यभार ग्रहण की तिथि से वेतन आहरण नहीं हुआ है उनका तत्काल वेतन स्वीकृत किया जाये और इस कार्यवाही से निदेशालय प्रयागराज को अवगत कराया जाए। यह आदेश अपर शिक्षा निदेशक राजकीय अजय द्विवेदी प्रयागराज ने जारी किया है।

वाहन चेकिंग में हटाई गई काली फिल्म

शुक्लागंज। मिशन शक्ति के तहत बुधवार को एएसपी अखिलेश सिंह, गंगाघाट कोतवाली प्रभारी अजय कुमार सिंह ने पुलिस टीम के साथ बालूघाट मोड़ पर वाहनों की चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान काली फिल्म लगे कई वाहनों को रोका गया और उनकी फिल्म उतरवाई गई। साथ ही वाहन चालकों को यातायात नियमों के पालन की सख्त हिदायत दी गई। पुलिस टीम ने नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन सवारों के चालान भी काटे। चेकिंग अभियान के चलते कई वाहन चालक पुलिस कार्रवाई से बचने के लिए गलियों से रास्ता बदलते देखे गए। कोतवाल ने कहा कि आगे भी ऐसे अभियान जारी रहेंगे।

अनदेखी

आज गांधी-शास्त्री जयंती पर होंगे कोरे वादे, फिर जाएंगे भूल

तो आज यहां झाड़ू लगाने को जुटेंगे जनप्रतिनिधि

शुभम निगम, उन्नाव

अमृत विचार। देश को अंग्रेजों की गुलामी के चंगुल से आजादी दिलाने वाले महात्मा गांधी (बापू) की फोटो नोट पर देख लोग प्रफुल्लित होते हैं लेकिन, सेवा के लिये उनकी याद सभी को सिर्फ वर्ष में दो बार ही आती है। एक उनकी जयंती और दूसरे उनकी पुण्यतिथि पर। यही हाल कमोवेश देश के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का भी है।

बता दें कि शहर के हरदोई ओवरब्रिज पर पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री और पन्नालाल पार्क में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमाएं स्थापित हैं। यहां पर पार्क भी बनाए गए हैं। लेकिन, यह प्रमुख स्थान लंबे समय से प्रशासन व जन प्रतिनिधियों की उपेक्षा का शिकार हैं। सौंदर्यीकरण से कोसों दूर ये प्रतिमाएं व पार्क धूल व गंदगी से पटे पड़े हैं। विडंबना यह है कि इन स्मारकों के सौंदर्यीकरण की बातें हर साल इनकी जयंती-पुण्यतिथि पर की जाती हैं लेकिन धरातल पर कोई काम नहीं होता। जन प्रतिनिधि, विभिन्न राजनैतिक पार्टियों के नेता व समाजसेवी सिर्फ इन महापुरुषों की जयंती व पुण्यतिथि पर इन पार्कों में पहुंचकर झाड़ू लगाते हैं और दूसरे दिन से भूल जाते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इन स्मारकों पर आयोजित कार्यक्रमों में सांसद, विधायक व अधिकारी बड़े-बड़े भाषण तो देते हैं लेकिन, इन स्मारकों के आसपास साफ-सफाई या कोई सुधार नजर नहीं आता। यह स्थिति स्थानीय प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल भी खड़े करती है। इसे लेकर नगर पालिका उन्नाव चेयरमैन प्रतिनिधि भानू मिश्रा ने बताया कि शहर में महापुरुषों के नाम पर बने कई पार्कों का सौंदर्यीकरण कराया जा चुका है। कई के लिये टेंडर निकाले गए हैं। बारिश के बाद जल्द ही पार्कों के सौंदर्यीकरण का कार्य शुरू कराया जाएगा।

बंद पड़े हरदोई पुल स्थित शास्त्री पार्क में लगे फव्वारे व गंदा पड़ा पार्क।

पन्नालाल पार्क स्थित महात्मा गांधी पार्क में लगी टूटी टिनशेड व बंधा तिरपाल।

सिटी डायरी

पोनी रोड रामलीला में खड़ा किया गया मेघनाद का पुतला।

लखन अचेत भए बाण बिनु, रामादल भयउ विहाल...

शुक्लागंज। नगर की रामलीलाओं में बुधवार का मंचन दर्शकों के लिए रोमांचक रहा। गोपीनाथपुरम, ऋषि आश्रम और पोनी रोड रामलीला मंच पर रामेश्वर स्थापना, विभीषण शरणागति, अंगद-रावण संवाद, लक्ष्मण शक्ति और मेघनाद-कुंभकर्ण वध के प्रसंगों का जीवंत मंचन किया गया। राम-रावण युद्ध के दौरान मेघनाद ने लक्ष्मण पर शक्तिबाण चलाया, जिससे वे अचेत होकर भूमि पर गिर पड़े। यह दृश्य देखते ही रामदल में खलबली मच गई। हनुमान को हिमालय भेजकर संजीवनी बूटी मंगाई गई। जैसे ही लक्ष्मण ने चेतना पाई, रामदल में जय श्रीराम और हनुमान के जयकारे गूंज उठे। उधर रावण दरबार में अंगद ने अपना पैर जमाकर रावण को चुनौती दी। रावण को अपमानित होना पड़ा। अंगद ने कहा तेरा कल्याण तभी होगा जब तू प्रभु श्रीराम के चरणों में शरण ले। इस संवाद पर दर्शक मंत्रमुग्ध हो उठे।

साकेतधाम में आयोजित रामलीला में मंचन करते कलाकार।

रावण-बाणासुर संवाद देख दर्शक मंत्रमुग्ध

उन्नाव। गांधी नगर साकेतधाम में आयोजित 153वीं रामलीला महोत्सव के तीसरे दिन भगवान राम, माता सीता व लक्ष्मण जी की आरती के साथ लीला का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर कार्यवाहक महामंत्री प्रेम सिंह सेंगर, चंद्र प्रकाश अवस्थी, मोतीलाल गुप्ता, डॉ. प्रभात सिन्हा, जगदीश माहेश्वरी, अरविंद श्रीवास्तव, इंदु प्रकाश अवस्थी व राजा गुप्ता आदि ने आरती की। इसके बाद लीला के मुख्य आकर्षण, रावण-बाणासुर संवाद का मनमोहक मंचन वृंदावन से आए कलाकारों ने किया। इसके बाद सीता स्वयंवर का भी मनमोहक दृश्य प्रस्तुत किया गया। इस दौरान कमेटी अध्यक्ष संजय राठी, सुभाष गुप्ता, प्रवीण शर्मा, मनीष पांडेय, संजीव गुप्ता आदि मौजूद रहे।

टोल प्लाजा पर किया जाता पौधरोपण।

टोल प्लाजा पर हुआ पौधारोपण

उन्नाव। उन्नाव-लालगंज हाईवे स्थित टोल प्लाजा पर हुए कार्यक्रमों में एनएचएआई के परियोजना निदेशक ने पौधरोपण करने के साथ रक्तदान करने वालों को प्रमाणपत्र दिए। उन्नाव-लालगंज हाईवे के अकवाबाद टोल प्लाजा पर बुधवार को हाईवेज प्रा.लि. द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के परियोजना निदेशक पंकज यादव ने अनुरक्षण के लिए आए तीन नए वाहनों को झंडी दिखाकर रवाना किया। बताया कि यह गाड़ियां पहले से अधिक सुरक्षित हैं और आधुनिक तकनीक से लैस हैं। इससे सड़क अनुरक्षण कार्य तेजी से हो सकेगा। इसमें रक्तदान शिविर भी लगाया गया।

स्वच्छता रैली निकालते अंबिका के छात्र। अमृत विचार

अंबिका के छात्रों ने निकाली स्वच्छता रैली

शुक्लागंज। अंबिका प्रसाद मेमोरियल पब्लिक स्कूल में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। प्रबंधक अजय त्रिवेदी ने कहा कि सादगी और सेवा से ही जीवन का उत्थान संभव है। प्रधानाचार्या मोनिका तिवारी ने छात्रों को गांधी जी की अहिंसा और शास्त्री जी की सादगी व जय जवान-जय किसान के नारे को जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी।

देश की तरक्की के लिए हमें आपस में लड़ने के बजाय, गरीबी, बीमारी और अज्ञानता से लड़ना होगा।

–लाल बहादुर शास्त्री, पूर्व प्रधानमंत्री

उम्मीदों का रोडमैप

अगले साल से 'समर्थ उत्तर प्रदेश- विकसित उत्तर प्रदेश-2047' का विजन-डॉक्यूमेंट विधिवत लागू होने का समाचार उम्मीद जगाने वाला है। सरकार ने निर्णय लिया है कि वह मौजूदा 9 प्रतिशत की विकास-दर को बढ़ाकर 16 प्रतिशत की वार्षिक विकास-दर हासिल करेगी और 2047 तक औसतन इसी 16 प्रतिशत की दर बनाए रखेगी, ताकि छह ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य प्राप्त हो और उत्तर प्रदेश देश की कुल जीडीपी में 20 प्रतिशत का योगदान दे सके। वर्तमान में लगभग 353 बिलियन डॉलर की जीडीपी को 6 ट्रिलियन डॉलर तक ले जाना आकाश-कुसुम प्रतीत होता है, पर विजन और प्रतिबद्धता के दम पर क्या नहीं हासिल किया जा सकता और इस सरकार में वे दोनों तत्व पर्याप्त मात्रा में मौजूद हैं।

विभिन्न सूचकांकों के आधार पर उत्तर प्रदेश भारत की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। पहले स्थान पर आने के लिए उसे तमिलनाडु और महाराष्ट्र को पीछे करना होगा। व्यापार में सुगमता के मानक पर सूबा देश में दूसरे स्थान पर है, सतत विकास लक्ष्य सूचकांक में 11 पायदान की छलांग लगाकर अब 18वें स्थान पर आ चुका है। निर्यात-तैयारी सूचकांक में राज्य ने सातवां स्थान प्राप्त किया और सुशासन सूचकांक में साल दर साल सुधार देखा गया है। बुनियादी ढांचे के विकास पर होने वाले व्यय के मामले में उत्तर प्रदेश शीर्ष पर है और राज्य में प्रति-व्यक्ति आय में 23 प्रतिशत की वृद्धि से जनता में भी उत्साह है। विगत आठ वर्षों की सरकारी सक्रियता उसके मनोबलवर्धक दावे में दम भरती है कि 2030 तक राज्य कृषि निर्यात में देश का अगुवा बनेगा, रूस, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे वैश्विक कृषि निर्यातकों की श्रेणी में शामिल होगा और वैश्विक कृषि जगत के लिए रोल-मॉडल बनकर उभरेगा। हाल के वर्षों में राज्य ने आर्थिक और शासन दोनों ही क्षेत्रों में महत्वपूर्ण सुधार दिखाए हैं, खासकर बुनियादी ढांचे के विकास और ई-गवर्नेंस में, परंतु सामाजिक और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में अभी भी काफी सुधार की आवश्यकता बनी हुई है, जहां राज्य कई सूचकांकों में निचले पायदान पर है।

फिलहाल, वर्तमान कार्ययोजना का मसौदा 30 नवंबर को मुख्यमंत्री के समक्ष अनुमोदन के लिए रखा जाएगा। अनुमोदन के पश्चात दिसंबर में यह रोडमैप लागू करने के लिए तैयार होगा और अगले ही महीने वे 12 सेक्टर्स, जिन्होंने लाखों सुझावों के आधार पर अपने-अपने कार्यक्रम पहले ही तैयार कर लिए हैं, इन पर काम शुरू कर देंगे। विचारों को कार्यप्रणाली में बदलने की यह तेज रफ्तार बताती है कि सरकार अपने लक्ष्यों के प्रति कितनी प्रतिबद्ध, आश्वस्त और उत्साहित है। सरकार ने क्रांतिकारी बदलाव करने का मन बनाया है, पर क्या धन भी पर्याप्त है? इस प्रश्न का उत्तर अगले माह प्रस्तुत होने वाले सालाना बजट से स्पष्ट होगा, जब चयनित 12 प्राथमिक सेक्टरों के बजटीय आवंटन देखने को मिलेगा। फिलहाल, इन सकारात्मक विकासोन्मुख परिस्थितियों में यदि 'समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश-2047' लागू होता है तो लक्ष्य की संभावनाएं निस्संदेह बलवती होंगी।

प्रसंगवश

राजघाट पर कमी खलेगी उन शिखर गांधीवादी की

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

गांधी जयंती पर सुबह राजघाट और फिर शाम को गांधी स्मृति में सर्वधर्म प्रार्थना सभा में एक बेहद अहम शख्सियत की इस बार कमी खलेगी। वो बीती आधी सदी से भी अधिक समय से राजधानी में बापू के बलिदान दिवस, जयंती से लेकर खास सरकारी आयोजनों में होने वाली सर्वधर्म प्रार्थना सभाओं में भाग लेती रही हैं। हम बात कर रहे हैं कात्सू सान की। वो दो अक्टूबर तथा 30 जनवरी को राजघाट और फिर तीस जनवरी मार्ग (बिड़ला हाउस) में आयोजित होने वाली सर्वधर्म प्रार्थना सभाओं का स्थायी चेहरा हैं। 88 साल की कात्सू सान की उर्जा देखने लायक है। उन्होंने सर्वधर्म प्रार्थना सभाओं के दौरान फखरुद्दीन अली अहमद, शंकर दयाल शर्मा, केआर नारायणन, एपीजे अब्दुल कलाम, प्रतिभा सिंह पाटिल, प्रणव कुमार मुखर्जी, राम नाथ कोविंद जैसे राष्ट्रपतियों तथा श्रीमती इंदिरा से लेकर नरेंद्र मोदी तक के सामने बुद्ध धर्म ग्रंथों से प्रार्थना पढ़ चुकी हैं। वो बीते कई महीनों से बीमार हैं। आप चाहें तो छोटे कद की कात्सू को देश की सबसे बुलंद गांधीवादी मान सकते हैं।

कात्सू सान के नेतृत्व में ही सर्वधर्म प्रार्थना होती रही है। उन्हें सब कात्सू बहन कहते हैं। गांधी जी के सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों को लेकर उनकी निष्ठा निर्विवाद है। कात्सू सान मूलतः जापानी नागरिक हैं। वो 1956 में भगवान बुद्ध के देश भारत में आईं थीं, ताकि उन्हें और गहराई से जान लें। एक बार यहां आईं तो उनका गांधीवाद से भी साक्षात्कार हो गया। उसके बाद तो उन्होंने भारत में ही बसने का निर्णय ले लिया।

सर्वधर्म प्रार्थना का विचार गांधी जी ने ही संसार को दिया था। उनके जीवन काल में यह आरंभ हो गई थी। उनके संसार में न रहने के बाद भी दो अक्तूबर, 30 जनवरी तथा अन्य विशेष अवसरों पर सर्वधर्म प्रार्थना सभाएं आयोजित की जाती हैं। कात्सू सान को कुछ लोग मां जी भी कहते हैं। कुछ उन्हें कात्सू बहन भी कहते हैं। उनसे मिलकर लगता है कि आप अपनी मां का आशीर्वाद ले रहे हैं। उनसे राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री भी मिलते हैं। इंदिरा गांधी उनके साथ खड़ी हो जाती थीं, नरेंद्र मोदी भी उनका हालचाल पूछते रहे हैं।

कात्सू सान के शीघ्र स्वस्थ होने की राजधानी में रहने वाले तमाम गांधीवादी प्रार्थना कर रहे हैं। कात्सू सान के ही प्रयासों से राजधानी में विश्व शांति स्तूप स्थापित हुआ। कात्सू सान धारा प्रवाह हिंदी बोलती हैं। उन्होंने हिंदी काका साहेब कालेकर से सीखी। मुस्कान उनके चेहरे का स्थायी भाव है। कात्सू सान उन गांधीवादियों में शामिल हैं, जो विश्व बंधुत्व, प्रेम और शांति का संदेश देने के लिए भारत के गांवों, कस्बों, शहरों और महानगरों में घूमती हैं। गांधी जी के सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों को लेकर उनकी निष्ठा निर्विवाद है। उन्हें अब भारत अपना देश लगता है।

महात्मा गांधी का रामराज्य और उसकी सार्थकता

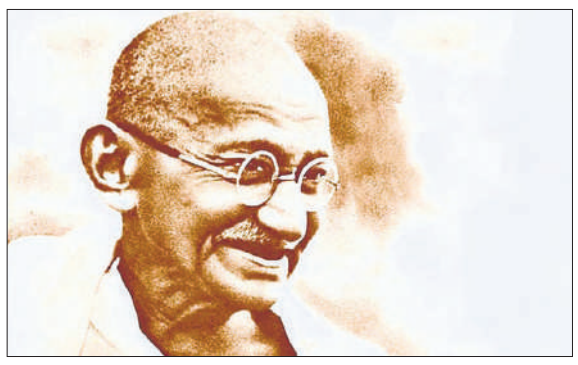

रमा निवास तिवारी

लेखक

गांधी जी के रामराज्य से वर्तमान भारत कितनी दूरी बना चुका है, यह समझना हो तो उनके सपनों के भारत के मुख्य मूल्यों जैसे सत्य अहिंसा प्रेम और करुणा से समाज द्वारा बनाई गई दूरी पर दृष्टिपात करना होगा। गांधी जी ने जिस रामराज्य की कल्पना की थी, वह वास्तव में धर्मराज्य था। उन्होंने सोचा था कि उनके भारत में धर्मानुसार लोग आचरण करेंगे, धर्मसम्मत जीवन से उनका आशय मर्यादित, संयमित और सदाचारित जीवन निर्वहन से था। रामराज्य की उनकी संकल्पना के मूल में भगवान श्रीराम का मर्यादित जीवन था।

गांधी जी ने लोगों से रामराज्य के निर्माण की अपेक्षा तो की, किंतु उनको लगा कि इस रामराज्य जैसे शब्द पर सनातन से इतर धर्मावलंबियों को एतराज न हो, तो वह रामराज्य के बजाय धर्मराज्य की स्थापना का आग्रह लोगों से करने लगे। वास्तव में महर्षि बाल्मीकि के कथन 'रामो विग्रहवान धर्मः' को अंगीकार करते हुए गांधी जी ने राम को साक्षात धर्म का विग्रह मानकर रामराज्य को धर्मराज्य कहना आरंभ किया। गांधी जी मानते थे कि राम जी ने जैसा जीवन जिया, सामाजिक एवं पारिवारिक संबंधो को जैसे निभाया, वह सब मर्यादा की परिधि में रहकर धर्म से अनुप्राणित था।

गांधी जी एक शब्द स्वराज का प्रयोग किया करते थे, यह शब्द राजनीतिक बिल्कुल भी नहीं था, गांधी जी इसे राष्ट्र में प्रतिष्ठित करना चाहते थे, किंतु राजनयिकों ने उसे राजनीति में प्रतिष्ठित कर दिया। इसीलिए गांधी जी को स्वराज शब्द की व्याख्या करने पर विवश होना पड़ा। गांधी जी ने एक स्थान पर लिखा है कि उनके स्वराज शब्द का अभिप्राय रामराज्य से है, उन्होंने लोगों को यह खुली छूट दे रखी थी कि लोग रामराज्य को धर्म राज्य भी मान सकते हैं।

उन्हें यह बिल्कुल भी मंजूर नहीं था कि रामराज्य को राम से पृथक करके देखा जाए। गांधी जी अपने रामराज्य के प्रति इस बात को लेकर आग्रही थे कि यहां के लोग अपनी मूल संस्कृति में अवस्थित होकर अपने चरित्र का विकास करें। जिस समय गांधी जी देश में काम कर रहे थे, उस समय ईश्वर की उपासना के अलग-अलग मार्ग चलन में थे। कुछ पंथ और कुछ धर्म ऐसे भी अस्तित्व में थे, जो राम को ईश्वर मानने को तैयार नहीं थे, लिहाजा बापू को अपने रामराज्य से सभी को जोड़ने की कवायद में रामराज्य को शब्दांतर करके धर्मराज्य और स्वराज जैसे शब्दों का इस्तेमाल करना पड़ा।

गांधी जी ने इस देश में राम राज्य की संकल्पना ही क्यों की? क्यों उन्होंने किसी और राजा के राज्य की कल्पना को अपने करीब उपस्थित भी होने नही दिया? यह बड़ा प्रश्न है। राम जी के पूर्वजों का कितना गौरवशाली अतीत था। गांधी जी के मन में कभी मनु राज्य, इक्ष्वाकु राज्य, दशरथ राज्य की संकल्पना क्यों नहीं पनपी? शायद राष्ट्र पिता के मन में यह बात आई होगी कि जो अपनी ही सत्ता को सुरक्षित करने में लगा हो, वह रामराज्य नहीं हो सकता। रामराज्य की तो विशेषता ही यही है कि वहां दूसरों की गद्दी पहले ठीक की जाती है फिर अपने सिंहासन की परवाह की जाती है।

भगवान राम ने पहले केवट को निहाल किया, फिर किष्किन्धा की गद्दी सुग्रीव के हवाले की। उसके बाद विभीषण को लंकेश बनाया तब जाकर कहीं खुद अयोध्या की गद्दी पर आसीन हुए। गांधी जी की दृष्टि में रामराज्य वह है, जहां त्याग की भावना है। दूसरे के सुख के लिए अपने सुखों का त्याग कर देने की हिम्मत हो। भगवान राम ने पिता के वचनों को निभाने के लिए अयोध्या की गद्दी छोड़ी, तो केवट ने भगवान राम को गंगा पार कराकर अपनी मजदूरी का परित्याग किया।

शायद बापू को यह बात जंची होगी कि राम राजा के पुत्र थे। उनके पास राज्य था तो उन्होंने राज्य का त्याग किया। किंतु उस केवट के त्याग की सराहना होनी चाहिए, जिसके पास दो टाइम के खाने का जुगाड़ भी नही था। उसने धर्म के पथ पर चल निकले राम के समर्थन में अपनी मजदूरी का त्याग किया। गांधी जी की दृष्टि से रामराज्य को देखें तो भगवान राम के अश्वमेध यज्ञ में नारी सम्मान और स्त्री आदर के दर्शन होते हैं। अश्वमेध यज्ञ में सीता के न होने पर सीता की प्रतिमा के द्वारा भगवान राम ने यज्ञ संपन्न किया, जबकि वह समय ऐसा था, जब राजा लोग कई-कई रानियां रखते थे। राम चाहते तो एक और विवाह करके दूसरी पत्नी के साथ मिलकर अश्वमेध यज्ञ कर सकते थे। नारी के प्रति सम्मान और उसके उद्धार की दृष्टि राम राज्य के इस प्रसंग में नजर आती है।

गांधी जी शायद इस वजह से भी रामराज्य के आकांक्षी थे, क्योंकि रामराज्य में सत्ता और सरकारें अपनी बात जनता को समझाने में कम भरोसा रखती थीं, बल्कि जनता के मन की बात को समझने का प्रयास करती थीं। भगवान राम ने एक रजक की इच्छा को सम्मान देकर अपनी प्राणप्रिया सीता का निर्वासन तक कर दिया। रामराज्य का विश्वास तो देखिए, जिस राम ने बालि को बाण मारा, बालि उन्हीं राम की गोद में अपने पुत्र अंगद को डाल देता है कि अब इसकी जिम्मेदारी आपकी है।

रामराज्य तब स्थापित होता है जब अपने दुःख से बड़ा दुख दूसरे का जान पड़ने लगे। राम जी की पत्नी सीता का अपहरण हो चुका था, जब सुग्रीव ने अपनी पत्नी के बारे में बताया कि बालि ने उसकी पत्नी को अपने साथ रख लिया है, तो राम जी सीता जी का अन्वेषण बाद में कराते हैं, पहले सुग्रीव की पत्नी उसे दिलाते हैं। उन्होंने सुग्रीव के दुःख को अपने दुःख से बड़ा माना। गांधी जी मानते थे, जब अधिकार से ज्यादा महत्व लोग कर्तव्य को देंगे तो रामराज्य स्थापित होगा। रामराज्य तब आएगा, जब सभी लोग अपने हिस्से के सुख का त्याग दूसरों के लिए करेंगे।

> गांधी जी के रामराज्य से वर्तमान भारत कितनी दूरी बना चुका है, यह समझना हो तो उनके सपनों के भारत के मुख्य मूल्यों जैसे सत्य, अहिंसा, प्रेम और करुणा से समाज द्वारा बनाई गई दूरी पर दृष्टिपात करना होगा।

आमने

पूरी दुनिया दिल्ली आ गई थी, यह कहने कि युद्ध मत शुरू कीजिए। तत्कालीन अमेरिकी विदेश मंत्री कोंडोलीजा राइस, हमले के कुछ ही दिन बाद दिल्ली आईं और प्रधानमंत्री व मुझसे मिलीं। उन्होंने भी कहा कि आप प्रतिक्रिया न दें। मेरे मन में बदला लेने का विचार आया था, लेकिन फैसला सरकार को लेना था।

–पी चिदंबरम, पूर्व गृहमंत्री

सामने

सोनिया गांधी की मंडली और तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने भारत के नागरिकों के साथ विश्वासघात किया है। कांग्रेस को देश से माफी मांगनी चाहिए। आज भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ईंट का जवाब पत्थर से दिया जाता है। आतंकवाद किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। –रामेश्वर शर्मा

भाजपा विधायक, मध्य प्रदेश

दशहराः कॉर्पोरेट और प्रबंधन की कला

डॉ. शिवम भारद्वाज

असिस्टेंट प्रोफेसर जीएलए यूनिवर्सिटी

दशहरे का पर्व हमें यह संदेश देता है कि बुराई चाहे जितनी भी बड़ी हो, अंततः उसका नाश होता है। यह पर्व हमें समाज, कार्यस्थल और व्यक्तिगत जीवन में अच्छाई के महत्व को समझाने का अवसर भी प्रदान करता है। रामायण के प्रसंगों से निकली सीखों को आज के कार्य स्थलों में व्यावहारिक दृष्टिकोण से लागू किया जा सकता है। राजा दशरथ के लिए अपनी पत्नी कैकई के दबाव में राम जी को वनवास भेजने का निर्णय एक अत्यंत कठिन निर्णय था, जो व्यक्तिगत और सामाजिक दबावों के संतुलन को साधने का प्रतीक है। राम का वनवास यह दर्शाता है कि नेतृत्व में कई बार ऐसे निर्णय लेने होते हैं, जिनमें व्यक्तिगत इच्छाओं और सामाजिक जिम्मेदारियों का संघर्ष होता है। इस संघर्ष को संतुलित करने की कला हर प्रमुख निर्णय में जरूरी होती है। आज के कार्यस्थल पर भी यही स्थिति देखने को मिलती है, जहां शीर्ष प्रबंधन को विभिन्न दबावों के तहत ऐसे निर्णय लेने होते हैं, जो संगठन के दीर्घकालिक लाभों के विपरीत हो सकते हैं।

राम जी ने अपने पिता के वचन का पालन किया, बिना किसी बहस या विरोध के। उन्होंने अपने व्यक्तिगत सुख को नकारते हुए सामाजिक और संगठनिक हित को सर्वोपरि रखा, जो आज के कार्यस्थल में एक आदर्श नेतृत्व के रूप में देखा जा सकता है। यह एक अच्छे और सच्चे नेतृत्व की परिभाषा है। नेतृत्व केवल अधिकार और निर्णय लेने तक सीमित नहीं होता, बल्कि इसमें अनुशासन, प्रतिबद्धता और ईमानदारी भी आवश्यक है। इसी संदर्भ में लक्ष्मण और माता सीता का राम जी के साथ वनवास में रहना एक सशक्त टीम भावना का उदाहरण प्रस्तुत करता है। कठिन परिस्थितियों में एक सच्ची टीम अपने नेता के साथ खड़ी रहती है और यह वही बलिदान है जो आधुनिक कार्य स्थलों में भी देखा जा सकता है।

भरत जी का अपने भाई राम जी की चरणपादुका रखकर राज्य की जिम्मेदारी संभालना एक अत्यधिक प्रेरणादायक उदाहरण है। यह उस अस्थायी नेतृत्व का प्रतीक है, जिसमें कोई व्यक्ति शीर्ष पद पर न होते हुए भी संगठन की स्थिरता बनाए रखता है। यही वह आदर्श है, जिसे हर संगठन में लागू किया जा सकता है। स्वर्ण मृग की घटना यह दर्शाती है कि कभी-कभी अनावश्यक आकर्षण और दबाव पूरी टीम को संकट में डाल सकते हैं। सीता जी के आग्रह पर राम जी ने स्वर्ण मृग को पकड़ने की कोशिश की, जिसके परिणामस्वरूप श्रीराम, लक्ष्मण जी और माता सीता तीनों संकट में फंस गए। यही अवस्था आज के कार्य स्थलों पर भी देखी जा सकती है, जहां बढ़ते हुए कार्यभार और आकर्षण कभी-कभी गलत दिशा में निर्णय लेने की प्रेरणा देते हैं।

'लक्ष्मण रेखा' और रावण द्वारा सीता हरण हमें यह सिखाता है कि नियमों और सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करना क्यों आवश्यक है? लक्ष्मण ने सुरक्षा उपाय किए, लेकिन रावण के छल में सीता जी का फंस जाना यह दर्शाता है कि नियमों का उल्लंघन कई बार बड़े संकट का कारण बन सकता है। कार्य स्थल पर भी यही नियमों का पालन अनिवार्य है। जटायु का बलिदान और सीता जी की रक्षा का प्रयास उन कर्मचारियों का प्रतीक है, जो अनैतिक प्रथाओं के खिलाफ आवाज उठाते हैं, भले ही इससे उनका व्यक्तिगत और करियर संबंधी जोखिम बढ़ जाए। जटायु ने अपनी जान की बाजी लगाकर रावण के अहंकार के खिलाफ संघर्ष किया और इसी तरह कार्य स्थल में भी कुछ कर्मचारी (व्हिसल ब्लोअर) साहसिक तरीके से गलत प्रथाओं का विरोध करते हुए नैतिकता की रक्षा करते हैं।

श्रीराम का सीता जी की खोज में वन-वन भटकते हुए सहयोग और संधियों की स्थापना करना आधुनिक संगठन के लिए एक अमूल्य सीख है। राम जी ने वानर राज सुग्रीव, हनुमान, अंगद और अन्य शूरवीरों को उनकी क्षमताओं के अनुसार कार्य सौंपे। यही अच्छे नेतृत्व का मापदंड है- सही व्यक्ति को उसकी क्षमता और कौशल के अनुरूप कार्य देना। संधि के अनुरूप समय बीत जाने के बाद भी माता सीता की खोज प्रारंभ न किए जाने पर सुग्रीव के प्रति राम का असंतोष भी यह दर्शाता है कि अच्छे नेता अपनी टीम से जिम्मेदारी और जवाबदेही की उम्मीद रखते हैं। राम जी का संवाद और केवट, शबरी जैसे पात्रों के साथ व्यवहार एक सशक्त और संवेदनशील कार्यस्थल की स्थापना का आदर्श प्रस्तुत करता है।

रावण से युद्ध में राम जी ने न केवल सेना की शक्ति का प्रयोग किया, बल्कि विरोधियों को भी अपने पक्ष में करने का प्रयास किया। विभीषण को अपने पक्ष में जोड़कर उन्होंने संगठनात्मक परिवर्तन का उदाहरण प्रस्तुत किया। यह हमें सिखाता है कि नेतृत्व केवल बाहरी प्रतिस्पर्धा और विरोधियों पर जीत तक सीमित नहीं होता, बल्कि असंतुष्ट सदस्यों को जोड़कर संगठन को मजबूत बनाना भी एक अच्छे नेता की पहचान है।

हनुमान जी द्वारा लक्ष्मण जी के मूर्छित होने पर संजीवनी बूटी की खोज संकट प्रबंधन का उत्कृष्ट उदाहरण है। जब टीम के महत्वपूर्ण सदस्य को आपातकालीन स्थितियों का सामना करना पड़ता है, तो तुरंत उपयुक्त संसाधनों का तैनात किया जाना और सभी विकल्पों का उपयोग करना आवश्यक होता है। यही कार्य स्थल पर आपातकालीन संकटों से निपटने की प्रभावी रणनीति है।

> यदि हम रामायण के घटनाक्रमों को आज के कार्यस्थल और कॉर्पोरेट दुनिया से जोड़कर देखें, तो यह हमें नेतृत्व, टीम प्रबंधन और संकट निवारण की अनमोल शिक्षा प्रदान करता है।

सोशल फोरम

स्वतंत्रता का अर्थ किसी नेता को चुनना नहीं

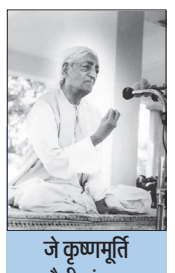

जे कृष्णमूर्ति

मैत्री संवाद

फेसबुक

हमें यह पूछना होगा कि स्वतंत्रता (freedom) क्या है। अक्सर कहा जाता है कि स्वतंत्रता कठोर अनुशासन और तथाकथित सभ्य नियंत्रण के अंत में मिलती है- 'सभ्य' का अर्थ यहां साहित्य, कला, संग्रहालय और अच्छा भोजन रखने के अर्थ में लिया जाता है, लेकिन यह तो केवल एक भ्रमित और पतनशील मनुष्य की बाहरी परत है। क्या स्वतंत्रता का अर्थ मनोरंजन के विकल्प होना है? क्या स्वतंत्रता का अर्थ चुनाव (choice) करना है? हम प्रायः स्वतंत्रता को किसी चीज से छुटकारा पाने के रूप में देखते हैं- बंधन से, चिंता से, अकेलेपन से, निराशा से और इसी प्रकार की अन्य अवस्थाओं से, लेकिन इस प्रकार सोचना केवल हमें और अधिक, शायद अधिक परिष्कृत, दुख, पीड़ा और घृणा की कुरूपता की ओर ले जाता है।

स्वतंत्रता का अर्थ किसी राजनीतिक या धार्मिक नेता को चुनकर उसका अनुसरण करना नहीं है, क्योंकि यह तो स्पष्ट रूप से स्वतंत्रता का निषेध है। स्वतंत्रता दासता का विलोम (opposite) नहीं है। स्वतंत्रता एक अंत है- जो हो चुका है उसे आगे बढ़ाने से इंकार करना। स्वतंत्रता का कोई विलोम नहीं है। वह अपने आप में संपूर्ण है। अब जब मैंने यह पढ़ा और समझने का प्रयास किया, तो मेरा अपने विद्यार्थियों से, अपनी पत्नी और बच्चों से और विश्व से क्या संबंध है? वास्तव में स्वतंत्रता की गहराई को समझने के लिए बड़ी मात्रा में बुद्धिमत्ता और शायद प्रेम चाहिए, लेकिन संसार की गतिविधियां न तो बुद्धिमान हैं और न ही मेरे बच्चों का समूह। मैं अपने दिन का अधिकांश समय उनके साथ बिताता हूं।

क्या मुझमें यह स्वतंत्रता, उसकी बुद्धिमत्ता और प्रेम मौजूद हैं? यदि वे मुझमें हैं, तो मेरी समस्याएं बहुत सरल हो जाती हैं। वही गुण कार्य करेगा और जिसे मैं समस्या मानता था, वह समस्या नहीं रहेगा, लेकिन वास्तव में यह मुझमें नहीं है। मैं दिखावा कर सकता हूं, मित्रता का नाटक कर सकता हूं, लेकिन वह बहुत सतही है।

मेरी ज़िम्मेदारी तात्कालिक है। मैं यह नहीं कह सकता कि मैं प्रतीक्षा करूंगा, जब तक कि मुझे स्वतंत्रता और यह स्नेह, यह प्रेम प्राप्त नहीं हो जाता। मेरे पास समय नहीं है, क्योंकि मेरे विद्यार्थी मेरे सामने हैं। मैं संन्यासी नहीं बन सकता- वह न तो मेरी समस्या हल करेगा, न दुनिया की।

–जे कृष्णमूर्ति

सामयिकी

शास्त्री जी का जीवनः 'रिकॉर्ड में लिखो, 14 किलोमीटर यूज'

भारत के प्रधानमंत्री बनने से पहले लाल बहादुर शास्त्री भारत सरकार में विदेश मंत्री, गृहमंत्री और रेल मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद संभाल चुके थे। एक बार वे रेल के एसी कोच में सफर कर रहे थे। उस दौरान वे यात्रियों की समस्या जानने के लिए जनरल बोगी में चले गए। वहां उन्होंने अनुभव किया कि यात्रियों को कितनी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इससे वे काफी नाराज हुए और उन्होंने जनरल डिब्बे के यात्रियों को भी सुविधाएं देने का निर्णय लिया। रेल के जनरल डिब्बों में पहली बार उन्होंने पंखा लगवाया। यही नहीं रेलों में यात्रियों को खानपान की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए पैंट्री की सुविधा भी उन्होंने शुरू करवाई।

श्वेता गोयल

लेखिका

एक अन्य अवसर पर रेल में यात्रा करते वक्त शास्त्री जी उस समय भड़क गए थे, जब विशेष रूप से उनके लिए रेल कोच में कूलर लगाने की व्यवस्था की गई। शास्त्री जी उस समय रेल मंत्री थे और बंबई (अब मुंबई) जा रहे थे। गाड़ी चलने पर शास्त्री जी अपने पीए से बोले कि बाहर तो बहुत गर्मी है, लेकिन डिब्बे में काफी ठंडक है। तब उनके पीए कैलाश बाबू ने कहा, "सर, डिब्बे में कूलर लग गया है, इसीलिए डिब्बे में इतनी ठंडक है।" शास्त्री जी ने नाराज होते हुए पीए से कहा कि बगैर मुझसे पूछे कूलर कैसे लग गया? इतने सारे लोग, जो इस गाड़ी में चल रहे हैं, उन्हें गर्मी नहीं लगती होगी? उन्होंने पीए को निर्देश दिया कि अगले स्टेशन पर गाड़ी जहां भी रूके, वहां सबसे पहले इस कूलर को निकलवाइए। मथुरा स्टेशन पर शास्त्री जी कूलर हटवाकर ही माने।

1964 में शास्त्री जी जब प्रधानमंत्री बने, तब उन्हें सरकारी आवास के साथ इंपाला शेवरले कार भी मिली थी, लेकिन उसका उपयोग वे बहुत ही कम किया करते थे। वह गाड़ी किसी राजकीय अतिथि के आने पर ही निकाली जाती थी। एक बार की बात है, जब शास्त्री जी के बेटे सुनील शास्त्री किसी निजी कार्य के लिए यही सरकारी कार उनसे बगैर पूछे निकालकर ले गए और अपना काम पूरा करने के पश्चात् कार चुपचाप लाकर खड़ी कर दी। जब शास्त्री जी को इस बात का पता चला तो उन्होंने ड्राइवर को बुलाकर पूछा कि गाड़ी कितने किलोमीटर चलाई गई? ड्राइवर ने बताया, चौदह किलोमीटर! उसके बाद शास्त्री जी ने उसे निर्देश दिया कि रिकॉर्ड में लिख दो, 'चौदह किलोमीटर प्राइवेट यूज'। शास्त्री जी इतने से ही शांत नहीं हुए, उन्होंने पत्नी ललिता को बुलाया और निर्देश दिया कि निजी कार्य के लिए गाड़ी का इस्तेमाल करने के लिए उनके निजी सचिव से कहकर वह सात पैसे प्रति किलोमीटर की दर से सरकारी कोष में पैसे जमा करवा दें।

स्वतंत्रता संग्राम के दौरान 1940 के दशक में लाला लाजपत राय की संस्था 'सर्वेंट्स ऑफ इंडिया सोसायटी' द्वारा गरीब पृष्ठभूमि वाले स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को जीवनयापन के लिए आर्थिक मदद दी जाया करती थी। उसी समय की बात है, जब लाल बहादुर शास्त्री जेल में थे। उन्होंने उस दौरान जेल से ही अपनी पत्नी ललिता को एक पत्र लिखकर पूछा कि उन्हें संस्था से पैसे समय पर मिल रहे हैं या नहीं और क्या इतनी राशि परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पर्याप्त है? पत्नी ने उत्तर लिखा कि उन्हें प्रतिमाह पचास रुपये मिलते हैं, जिसमें से करीब चालीस रुपये ही खर्च हो पाते हैं, शेष राशि वह बचा लेती हैं। पत्नी का यह जवाब मिलने के बाद शास्त्री जी ने संस्था को एक पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने धन्यवाद देते हुए कहा कि अगली बार से उनके परिवार को केवल चालीस रुपये ही भेजे जाएं और बचे हुए दस रुपये से किसी और जरूरतमंद की सहायता कर दी जाए।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*

0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

अमेरिका के इतर अन्य देश में बनते शिक्षा के नए विकल्प

अमेरिकी वीजा संबंधी दिक्कतों के कारण भारतीय छात्रों की पसंद बदल रही है। अब छात्रों के कदम अन्य देशों की ओर बढ़ चले हैं। अब वे अमेरिका के अलावा अन्य देशों को प्राथमिकता दे रहे हैं। इन देशों में न केवल अमेरिका से तुलनात्मक रूप से आसान वीजा नीतियां हैं, बल्कि फीस भी कम है। वहीं बेहतर स्टडी के साथ ही जॉब के बेहतरीन अवसर भी मिल रहे हैं, जिससे छात्र अपने भविष्य को लेकर भी आशान्वित हैं। हाल में हुए एक सर्वे के अनुसार, यूके अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए बड़ी पसंद बनकर उभरा है। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और जर्मनी भी छात्रों को लुभा रहा है, जहां पढ़ाई के बाद काम के अवसर और अफॉर्डेबिलिटी मुख्य कारक हैं। आज आपको बताते हैं वे कौन से ऐसे देश, जहां छात्र बेहतर करियर बना सकते हैं।

- फीचर डेस्क

शिक्षा के लिए सबसे पसंदीदा देश बना जर्मनी

- हाल में आई अपग्रेड की ट्रांसनेशनल एजुकेशन (टीएनई) रिपोर्ट 2024-25 के अनुसार अमेरिका और कनाडा की जगह भारतीय छात्रों के लिए जर्मनी पसंदीदा देश बन गया है। एक लाख छात्रों पर आधारित यह अध्ययन बताता है कि अमेरिकी विश्वविद्यालयों में आवेदन करने वाले छात्रों की संख्या सालाना 13 प्रतिशत कम हो रही है। साथ ही जर्मनी में भारतीय छात्रों का प्रतिशत 2022 के 13 .2 से बढ़कर 2024-25 में 32 .6 प्रतिशत हो गया। जर्मनी में पढ़ाई करने के लिए छात्रों को एक राष्ट्रीय वीजा के लिए आवेदन करना होता है। यह एक लॉन्ग टर्म वीजा है, जो 90 दिनों से अधिक समय तक यहां रहने की अनुमति देता है। पढ़ाई पूरी होने पर छात्र जॉब सीकर वीजा भी ले सकते हैं। इसके लिए 75 से 100 यूरो यानी 6,600 से 8,800 रुपये का शुल्क देना होता है। यह वीजा जर्मनी में छह महीने तक रहने की अनुमति देता है। नौकरी मिल जाने पर जॉब कैटेगरी के अनुसार प्रोफेशनल वीजा आदि लेना होता है।

ऑस्ट्रेलिया है लोकप्रिय डेस्टिनेशन

- ऑस्ट्रेलिया भारतीय छात्रों के लिए सपनों का देश बन चुका है। बीते वर्षों में यहां जाने वाले भारतीय छात्रों की संख्या तेजी से बढ़ी है। जून 2024 तक ऑस्ट्रेलिया में 8,39,199 अंतर्राष्ट्रीय छात्र थे, जिसमें भारतीय छात्रों की संख्या 17 फीसदी थी। वर्ष 2023-24 के दौरान ऑस्ट्रेलिया में 1,22,391 भारतीय छात्र थे। वहीं 2024-25 में यह संख्या बढ़कर 1,39,038 हो गई।
- आस्ट्रेलिया में भारतीय छात्रों को पढ़ने के लिए स्टूडेंट वीजा लेना होता है, जिसके लिए 710 ऑस्ट्रेलियन डॉलर (लगभग 39,000 रुपये) शुल्क व कुछ अन्य शुल्क जैसे-मेडिकल और पुलिस चेक फीस, आइइएलटीएस, टॉफेल या पीटीई परीक्षा शुल्क देना होता है। इसी प्रकार यहां नौकरी करने के लिए पोस्ट-स्टडी वर्क वीजा, जिसका शुल्क 1895 ऑस्ट्रेलियन डॉलर (लगभग 1.05 लाख रुपये) है, स्किल्ड इंडिपेंडेंट वीजा-यह एक स्थायी निवास वीजा है। एंप्लॉयर स्पॉन्सर वीजा यह एक अस्थायी वीजा है, जो किसी ऑस्ट्रेलियाई कपनी द्वारा प्रायोजित होने पर मिलता है आदि की आवश्यकता पड़ती है।

ब्रिटेन में छात्रों के लिए बेहतरीन अवसर

हाल ही में राज्यसभा में भारत सरकार द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़े के अनुसार, ब्रिटेन (यूनाइटेड किंगडम) में 1,85,000 भारतीय छात्रों ने दाखिला लिया है। नई लेबर सरकार के तहत यूके अपनी अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा रणनीति को संशोधित कर रहा है। इसी के साथ वहां के इंटरनेशनल एजुकेशन चैंपियन सर स्टीव स्मिथ ने भारत को 'पूर्ण प्राथमिकता' देश घोषित करके भारतीय छात्रों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। महत्वपूर्ण बात यह है कि इसी साल यूके ने दो साल का पोस्ट-स्टडी वर्क वीजा फिर से शुरू किया है, जिसे ग्रेजुएट वीजा के नाम से भी जाना जाता है। यह वीजा अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को डिग्री पूरी करने के बाद अपने यहां जॉब ढूंढने की अनुमति देता है। यह नीति भारतीय छात्रों के लिए करियर के अवसरों को नए पंख और आशा प्रदान करती है। इस वीजा के लिए आवेदक को किसी नियोक्ता की ओर से नौकरी का प्रस्ताव या स्पॉन्सरशिप की आवश्यकता नहीं होती।

आशाजनक भविष्य का देश बनता न्यूजीलैंड

- न्यूजीलैंड भी भारतीय छात्रों के लिए शिक्षा का आशाजनक केंद्र बन कर उभरा है। एजुकेशन न्यूजीलैंड के आंकड़ों के अनुसार, न्यूजीलैंड में वर्ष 2024 में जनवरी से अगस्त के बीच यहां दाखिलों में 34 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। आइडीपी एजुकेशन की रिपोर्ट के अनुसार, जहां 2023 में यह संख्या 7930 थी, वहीं 2024 के पहले आठ महीनों में बढ़कर छात्रों की संख्या 10,640 हो गई। अंग्रेजी भाषी वातावरण, पारदर्शी नीतियों एवं भारतीय संस्थानों के साथ बढ़ते संबंधों के कारण न्यूजीलैंड को अब एक आशाजनक विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। न्यूजीलैंड में पढ़ाई के लिए छात्रों को स्टूडेंट वीजा लेना होता है, जिसका शुल्क 430 से 530 एनजीडी यानी 24 से 30 हजार रुपये के करीब है। साथ ही भारतीय पेशेवरों को यहां नौकरी के लिए पोस्ट स्टडी वर्क वीजा, एक्रेडिटेड एम्प्लॉयर वर्क वीजा, स्किल्ड माइग्रेट कैटेगरी रेजिडेंट वीजा आदि का विकल्प चुनना होगा।

जॉब अलर्ट

नैनीताल बैंक में भर्ती 2025

- **पद का नाम:** मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ), मुख्य प्रौद्योगिकी, अधिकारी (सीटीओ), मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी (सीआईएसओ), एसोसिएट उपाध्यक्ष (आईटी)
- योग्यता: पदानुसार
- कुल रिक्तियां: 04
- अंतिम तिथि: 10-09-2025
- बेवासाइट :www.nainitalbank.co.in

इंडियन बैंक

- पद का नाम: डॉक्टर
- योग्यता: एमबीबीएस
- अंतिम तिथि: 07-10-2025
- वेबसाइट: indianbank.bank.in

यूपीएससी

- पद का नाम: इंजीनियरिंग सेवा
- पदों की संख्या: 474
- योग्यता: बी.टेक/बी.ई, डिप्लोमा, एमएससी, इंजीनियरिंग
- अंतिम तिथि: 16-10-2025
- वेबसाइट: upsconline.nic.in

एसएससी दिल्ली पुलिस हेड कांस्टेबल (मंत्रालयिक)

- पद का नाम: हेड कांस्टेबल
- पदों की संख्या: 509
- योग्यता :12वीं पास
- अंतिम तिथि: 20-10-2025
- वेबसाइट : ssc.gov.in

भारतीय सेना

- पद का नाम: डीजी ईएमई एलडीसी, फायरमैन और अन्य
- पदों की संख्या : 194
- योग्यता: आईटीआई, 12वीं, 10 वीं
- अंतिम तिथि: 24-10-2025
- वेबसाइट: indianarmy.nic.in

यूसीड के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू

आईआईटी बांबे ने अंडरग्रेजुएट कॉमन एंट्रेंस एग्जाम फॉर डिजाइन (यूसीड) के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू कर दिया है। यह रजिस्ट्रेशन 1 अक्टूबर से शुरू किए गए हैं। युवा संस्थान की आधिकारिक वेबसाइट uceed.iitb.ac.in पर कर सकते हैं। फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर निर्धारित की गई है। संस्थान की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार यदि तय समय पर युवा आवेदन नहीं कर पाएं हैं तो लेट फीस के साथ आवेदन करने की तिथि 7 नवंबर 2025 निर्धारित की गई है। परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र को 2 जनवरी 2026 से डाउनलोड किया जा सकता है। इसके बाद परीक्षा का आयोजन 18 जनवरी 2026 निर्धारित की गई है। परीक्षा का समय सुबह 9 बजे से 12 बजे तक निर्धारित किया गया है। यह भी जानकारी दी गई कि आवेदन करने के लिए आवेदक की जन्मतिथि 1 अक्टूबर 2001 से पहले की नहीं होनी चाहिए। इसी तरह एससी, एसटी की जन्मतिथि 1 अक्टूबर 1996 से पहले की नहीं होनी चाहिए।

युवा अपना रजिस्ट्रेशन संस्थान की वेबसाइट पर करा सकते हैं

अन्य जानकारियां

- संस्थान की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार इस परीक्षा में वही उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं, जिन्होंने 2025 या 2026 में पहली बार बारहवीं की परीक्षा दी हो। इसमें सभी वर्ग के परीक्षार्थी जैसे कॉमर्स, ह्यूमैनिटीज और साइंस के उम्मीदवार योग्य माने जाएंगे। ऐसे उम्मीदवार जिन्होंने 2024 में पहली बार कक्षा बारहवीं की बोर्ड परीक्षा दी है वे इस परीक्षा के लिए योग्य नहीं माने जाएंगे। यह परीक्षा देश के 27 शहरों में आयोजित कराए जाने की योजना है। यह परीक्षा आईआईटी में बैचलर ऑफ डिजाइन की डिग्री के लिए आयोजित की जाती है। फीस की बात की जाए तो आवेदन करने वाली युवतियों के लिए सभी वर्ग में 2 हजार रुपये फीस निर्धारित की गई है। इसी तरह एससी, एसटी और दिव्यांग उम्मीदवार के लिए भी 2 हजार रुपये फीस निर्धारित की गई है। अन्य कैटैगरी के उम्मीदवारों के लिए 4 हजार रुपये फीस का निर्धारण किया गया है।

31
अक्टूबर निर्धारित की गई है फॉर्म भरने की अंतिम तिथि

18
जनवरी 2026 निर्धारित किया गया परीक्षा का आयोजन

नई किताबें

विज्ञान ज्ञान विश्वकोश छह पुस्तकों का संग्रह

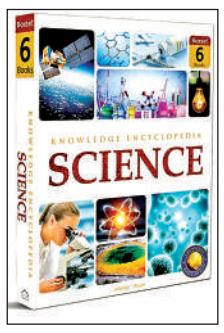

विकासवाद का सिद्धांत क्या है? रासायनिक अभिक्रियाएं कैसे होती हैं? मानव आंख केवल तीन रंगों को ही क्यों पहचान पाती है? विज्ञान के ज्ञान का छह विश्वकोशों का यह संग्रह बच्चों के लिए विज्ञान की आकर्षक दुनिया को जानने को बेहद महत्वपूर्ण विश्वकोश है। इस ज्ञानवर्धक पुस्तकों में सुस्पष्ट आरेख और कठिन शब्दों की विस्तृत शब्दावली सुखद दी गई, जिससे बच्चे आसानी से विज्ञान का ज्ञान व जानकारी ले सकते हैं। संग्रह में अच्छी तरह से लेबल की गई छवियां दी गई हैं। साथ ही युवा शिक्षार्थियों को शिक्षित और मनोरंजन करेगा। इसके अलावा एक मजबूत शब्दावली का निर्माण करता है।

एसएससी के लिए ऑल इन वन बुक

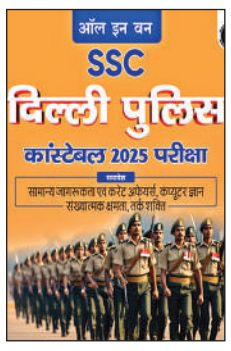

कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) कांस्टेबल परीक्षा की तैयार के लिए पुस्तक हेल्पफुल है। इस पुस्तक में सर्वसमावेशी गाइडेंस और चैप्टर-वाइ सिद्धांत, समय बचाने वाले ट्रिक्स, अभ्यास और पिछले वर्षों के 15 हल किए गए प्रश्नपत्र (2020 और 2023) दिए गए हैं, जो आपको पूर्ण और प्रभावी तैयारी करने में मदद करती है। पुस्तक में पिछले वर्ष के हल किए गए प्रश्नपत्रों के साथ परीक्षा पैटर्न और प्रत्येक प्रश्न के लिए विस्तृत स्पष्टीकरण शामिल हैं। साथ ही पुस्तक में विस्तृत, स्टेप वाइज समाधानों के साथ सभी डाउट्स को दूर करने और जटिल समस्याओं को सुलझाने में स्पष्टता और आत्मविश्वास सुनिश्चित करने में मदद करती है। इसके अलावा पुस्तक में 2500 से अधिक प्रश्नों के विस्तृत प्रश्नों के माध्यम से अपनी तैयारी को मजबूत करें, जिनमें से प्रत्येक का गहन समाधान दिया गया है। वहीं पुस्तक में सामान्य जागरूकता के लिए प्रासंगिक और संक्षिप्त करेंट अफेयर्स के साथ डाटा दिया गया है।

सही रणनीति से पाएं एसएससी कांस्टेबल में सफलता

कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) जीडी कांस्टेबल परीक्षा उन लोकप्रिय भर्ती परीक्षाओं में से एक है, जिनमें कड़ी प्रतिस्पर्धा होती है। एसएससी जीडी परीक्षा उन उम्मीदवारों के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) में प्रवेश का द्वार है जो कम उम्र में ही वर्दी की नौकरी शुरू करना चाहते हैं। सीएपीएफ में नियुक्ति पाने के लिए उम्मीदवारों को एसएससी जनरल ड्यूटी परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। एसएससी जीडी कांस्टेबल कोई बहुत कठिन परीक्षा नहीं है, परीक्षा पास करने के लिए आपको सही तैयारी रणनीति और भरपूर अभ्यास की आवश्यकता होती है। एसएससी जीडी कांस्टेबल भर्ती परीक्षा 2025 की तैयारी के लिए आपको सही रणनीति अपनाने की आवश्यकता है। इसके लिए छात्रों को एसएससी जीडी में दिए गए विषय के प्रत्येक भाग की पूरी तैयारी करनी चाहिए ताकि वे परीक्षा में बेहतर अंक प्राप्त कर सकें। आज हम आपको 3 महीने की रणनीति के बताते हैं, जिसको फॉलो करके आप बिना किसी कोचिंग के परीक्षा की तैयारी कर सकते हैं और पहली बार में ही परीक्षा पास कर सफलता भी हासिल कर सकते हैं।

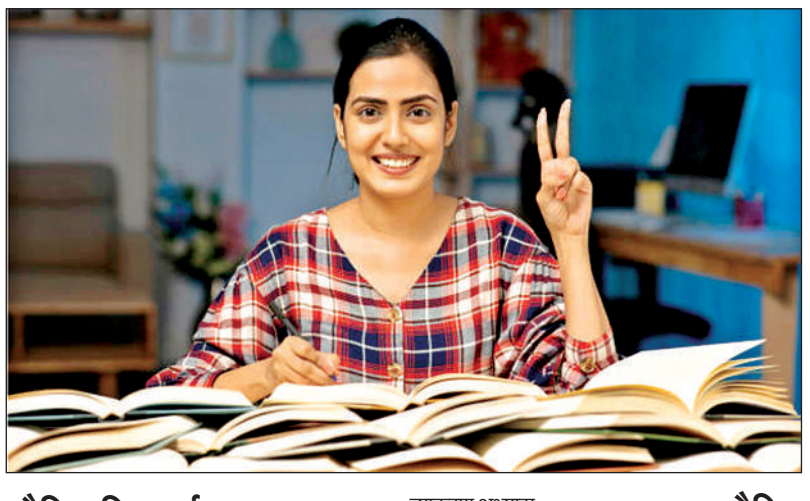

दैनिक दिनचर्या

- सुबह- दौड़ + फिजिकल फिटनेस
- गणित- शॉर्टकट ट्रिक्स और क्विज़
- रीजनिंग- रोजाना 25-30 प्रश्न
- जीके/जीए- भारत का इतिहास, संविधान, करंट अफेयर्स पर विशेष ध्यान
- अंग्रेजी/हिंदी- रोज एक पैसेज और व्याकरण अभ्यास
- हर शाम- 1 सेक्शनल टेस्ट (छोटा टेस्ट - केवल गणित/रीजनिंग/जीके/हिंदी)
- सप्ताह में 2 फुल मॉक टेस्ट
- तीसरा महीना (रिवीजन और मॉक टेस्ट - फाइनल टच)
- लक्ष्य- एग्जाम जैसी तैयारी और आत्मविश्वास बढ़ाना।

दैनिक दिनचर्या

- सुबह- शारीरिक अभ्यास
- दिनभर- सभी विषयों का रिवीजन (नए टॉपिक न पढ़ें)
- रोज़- 1 फुल मॉक टेस्ट (90 मिनट) + विश्लेषण
- कमजोर टॉपिक पर फोकस
- करंट अफेयर्स की अंतिम तैयारी परीक्षा से पहले 10-15 मॉक टेस्ट हल करें।

तीन महीने की तैयारी योजना

- पहला महीना- बेस मजबूत करना
- लक्ष्य- सभी विषयों की मूलभूत समझ और अभ्यास शुरू करना।

दैनिक दिनचर्या

- सुबह (6-7 बजे)- दौड़ लगाएं + शारीरिक व्यायाम (पीईटी तैयारी)
- सुबह (8-10 बजे)- गणित (2 घंटे -बुनियादी विषय, जैसे प्रतिशत, अनुपात, समय-कार्य)
- दोपहर (1-2 बजे)- रीजनिंग (पजल, सीरीज, कोडिंग-डीकोडिंग)
- शाम (4-6 बजे)- जीके/जीएस (इतिहास, भूगोल, संविधान, विज्ञान)
- रात (8-9 बजे)- हिंदी/अंग्रेजी (ग्रामर+ शब्दार्थ)
- सोने से पहले- करंट अफेयर्स (15-20 मिनट)
- हफ्ते में एक दिन (रविवार)- 1 मॉक टेस्ट + गलतियों का विश्लेषण
- दूसरा महीना (प्रैक्टिस और स्पीड)
- लक्ष्य- स्पीड और सटीकता बढ़ाना।

अतिरिक्त टिप्स

समय प्रबंधन

- प्रति प्रश्न औसतन 50 सेकंड से कम समय लगाएं।
- शारीरिक तैयारी- रोज 5-6 किमी दौड़ और स्टैमिना पर ध्यान दें।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	80,983.31	24,836.30
बढ़त	715.69	225.20
प्रतिशत में	0.89	0.92

सोना- 1,21,100 प्रति 10 ग्राम

चांदी- 1,50,500 प्रति किलो

अमृत विचार

कानपुर, गुरुवार, 2 अक्टूबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

जैन रिसोर्स का शेयर 14% बढ़त संग सूचीबद्ध

नई दिल्ली। जैन रिसोर्स रीसाइक्लिंग का शेयर अपने निर्गम मूल्य 232 रुपये से 14% की बढ़त के साथ बुधवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर ने 265.25 रुपये पर कारोबार शुरू किया जो निर्गम मूल्य से 14.33% अधिक है। एनएसई पर यह 14.24% की वृद्धि के साथ 265.05 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 9,303.51 करोड़ रुपये रहा। जैन रिसोर्स के आईपीओ को बोली के अंतिम दिन पिछले शुक्रवार को 15.90 गुना अभिदान मिला था। कंपनी के आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 220-232 रुपये प्रति शेयर था।

उड़ान प्रशिक्षण संगठनों की पहली रैंकिंग जारी

नई दिल्ली। विमानन नियामक डीजीसीए ने देश में उड़ान प्रशिक्षण संगठनों की पहली रैंकिंग जारी की है। सूची में शामिल 35 संगठनों में से कोई भी 'ए+' और 'ए' जैसी शीर्ष रेटिंग हासिल नहीं कर पाया। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के अनुसार, 35 उड़ान प्रशिक्षण संगठनों (एफटीओ) में से 13 को 'बी' और 22 को 'सी' रैंकिंग मिली है। चार श्रेणियों के अंतर्गत एफटीओ का मूल्यांकन करने के लिए परिचालन पहलुओं, एफटीओ प्रदर्शन, सुरक्षा मानकों, अनुपालन मानकों और छात्रों को मदद को ध्यान में रखा जाता है। इसमें 85 प्रतिशत या उससे अधिक अंक वाले एफटीओ को 'ए+' श्रेणी में और 70 प्रतिशत से 85 प्रतिशत से कम अंक वाले एफटीओ को 'ए' श्रेणी में रखा जाता है।

क्रिप्टो से जुड़ी 25 विदेशी कंपनियों को नोटिस जारी

नई दिल्ली। वित्तीय खुफिया इकाई ने अवैध रूप से देश में क्रिप्टो सेवा देने वाली 25 विदेशी कंपनियों को धनशोधन कानून के तहत नोटिस जारी किया है। वित्त मंत्रालय ने बताया कि वित्तीय खुफिया इकाई (एफआईयू) के निदेशक ने इन कंपनियों को नोटिस भेजकर उनसे भारत में उनके एप और वेबसाइट तक पहुंच बंद करने के लिए कहा है। ये सभी ऐसी कंपनियां हैं, जिन्होंने देश में क्रिप्टो कारोबार शुरू करने के लिए एफआईयू के पास पंजीकरण नहीं कराया है। इन कंपनियों में सबसे अधिक छह हांगकांग की हैं। इनके नाम क्वाइनकोला, एचआईटी बीटीसी, लोकलक्वाइनस्वैप, फेमेक्स, चेंजली और क्वाइनेक्स हैं। सिंगापुर की तीन कंपनियों क्वाइनडब्ल्यू, रेमिटानो और बायटू के नाम हैं।

वित्तीय स्थिरता सर्वोच्च प्राथमिकता आर्थिक वृद्धि में बाधा न बनें नियम

आरबीआई गवर्नर ने की बैंकिंग नियमों में राहत व कारोबारी सुगमता के उपायों की घोषणा

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को बैंकिंग नियमों में राहत और कारोबारी सुगमता के उपायों की घोषणा के बीच कहा कि वित्तीय स्थिरता केंद्रीय बैंक की सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है।

मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समीक्षा के बाद कहा कि आरबीआई यह सुनिश्चित करने को सजग है कि नियमों का पालन आर्थिक वृद्धि की राह में बाधा न डाले। मुझे नहीं लगता कि आपको इन उपायों को किसी तरह की शिथिलता के रूप में देखना चाहिए। हमारे लिए स्थिरता सर्वोपरि है। साथ ही हमें यह भी देखना होगा कि वृद्धि को कोई रोक न लगे। मल्होत्रा ने कहा कि बैंकिंग गतिविधियों में विस्तार, अधिग्रहण वित्तपोषण, आईपीओ के लिए ऋण सीमा बढ़ाने, बुनियादी ढांचा वित्त के लिए एकल उधारकर्ता सीमा में बदलाव और शहरी सहकारी बैंकों के लिए लाइसेंसिंग खोलने के उपाय किए गए हैं। मल्होत्रा ने इन कदमों को बेहद संतुलित, सोची-समझी और विचारपूर्ण कार्रवाई करार दिया।

उन्होंने बताया कि कई उपाय ऐसे हैं, जहां आरबीआई ने पहले किसी गतिविधि को अनुमति दी थी लेकिन अब उसे और विस्तार दे दिया गया है। इनमें अधिग्रहण वित्त और शेयरों के एवज में ऋण की सीमा बढ़ाने का कदम शामिल है। मल्होत्रा ने स्पष्ट किया कि रिजर्व बैंक का उद्देश्य बैंकिंग कारोबार का सूक्ष्म प्रबंधन नहीं करना है। मल्होत्रा ने वित्तीय स्थिरता एवं विकास परिषद (एफएसडीसी) में हुई चर्चा का हवाला देते हुए कहा कि अब नियमों की समीक्षा हर पांच वर्ष में होगी। परिस्थितियां बदलती हैं, समय बदलता है, आवश्यकताएं बदलती हैं, इसलिए नियम स्थिर नहीं रह सकते। इसलिए हम अपने नियमों की समीक्षा करते रहेंगे। बड़ी कंपनियों की बैंकों के बहीखाते में हिस्सेदारी बीते दशक में 10% तक कम हो चुकी है। हालांकि नियमों में छूट के बावजूद रिजर्व बैंक के पास वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने को पर्याप्त साधन हैं। डिप्टी गवर्नर एम. राजेश्वर राव ने कहा कि शेयरों के खिलाफ ऋण की 20 लाख रुपये की सीमा 1998 में तय हुई थी और अब इसे बढ़ाकर एक करोड़ रुपये करने का फैसला मुद्रास्फीति के लिहाज से कोई बड़ी वृद्धि नहीं है।

मौद्रिक नीति की समीक्षा

दरों में कटौती की गुंजाइश, वैश्विक अनिश्चितताओं से यथास्थिति जरूरी

संजय मल्होत्रा ने कहा कि मुद्रास्फीति में कमी ने दरों में कटौती की गुंजाइश बनाई है, लेकिन वैश्विक अनिश्चितताओं और मौद्रिक उपायों का पूरा लाभ न मिलने से केंद्रीय बैंक ने दरों को यथास्थिति बनाए रखने का फैसला किया। मुद्रास्फीति में 1% से अधिक की गिरावट व इसके पूर्वानुमान ने दरों में कटौती की गुंजाइश बनाई है। जून में उन्होंने कटौती के लिए सीमित गुंजाइश शब्द का इस्तेमाल किया था, जबकि बुधवार को कहा कि कटौती की गुंजाइश मौजूद है। मल्होत्रा ने कहा कि 1% से ज्यादा की कटौती का लाभ न मिलने, वैश्विक अनिश्चितताओं और जीएसटी को तर्कसंगत बनाने के प्रभाव को लेकर समिति ने यथास्थिति बनाए रखने का विकल्प चुना है।

यूपीआई लेनदेन पर शुल्क लगाने का कोई प्रस्ताव नहीं: मल्होत्रा

संजय मल्होत्रा ने कहा कि यूपीआई लेनदेन पर शुल्क लगाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। केंद्रीय बैंक एक प्रस्ताव पर विचार कर रहा है, जिसके तहत वित्तीय संस्थानों को मासिक किस्त भुगतान में चूक की स्थिति में ऋण लेकर खरीदे गए मोबाइल फोन को डिजिटन तरीके से 'लॉक' करने की अनुमति मिल पाएगी। यूपीआई लेनदेन पर शुल्क लगाने का प्रस्ताव होने पर मल्होत्रा ने कहा कि ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है। यूपीआई लेनदेन में काफी वृद्धि हो गई है। आरबीआई के डिप्टी गवर्नर एम. राजेश्वर राव ने कहा कि फोन को डिजिटल तरीके से 'लॉक' करने के फायदे व नुकसान दोनों पर गौर किया जा रहा है। जैसा कि गवर्नर ने बताया कि डिजिटल तरीके से फोन को 'लॉक' करने का मामला विचाराधीन है। ग्राहकों के अधिकारों व जरूरतों, निजी सूचना की गोपनीयता एवं कर्ज देने वालों की जरूरतों के बीच संतुलन बनाने के मामले में दोनों पक्षों के फायदे व नुकसान हैं। इसलिए हम इस मुद्दे पर गौर कर रहे हैं और बाद में इस पर कोई निर्णय लेंगे। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये के मूल्य में गिरावट पर मल्होत्रा ने कहा कि केंद्रीय बैंक किसी स्तर को लक्षित नहीं करता, बल्कि केवल अनावश्यक अस्थिरता को रोकने का प्रयास करता है। मल्होत्रा ने भरोसा जताया कि मूल्य स्थिरता के साथ उच्च सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर जारी रहेगी तथा निजी पूंजीगत व्यय में भी वृद्धि होगी।

मौद्रिक नीति की मुख्य बातें

- प्रमुख नीतिगत दर रेपो 5.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित।
- वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी वृद्धि अनुमान 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत किया गया।
- वित्त वर्ष 2025-26 में मुद्रास्फीति अनुमान 3.1 प्रतिशत से घटाकर 2.6 प्रतिशत किया गया।
- जीएसटी सुधारों का मुद्रास्फीति और वृद्धि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।
- अमेरिकी शुल्क का निर्यात पर प्रभाव पड़ेगा।
- सेवाओं का मजबूत निर्यात, धन प्रेषण से चालू खाते का घाटा स्थिर रहेगा।
- विदेशी मुद्रा भंडार 700.2 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जो 11 महीनों के आयात के लिए पर्याप्त है।
- आरबीआई रुपये पर कड़ी नजर रख रहा है, जरूरत पड़ने पर उचित कदम उठाएगा।
- बैंक ऋण वृद्धि, हालांकि पिछले वर्ष की तुलना में कम है, लेकिन आर्थिक गतिविधियों को समर्थन दे रही है।
- बैंकों के लिए संशोधित बेसल-3 पूंजी पर्याप्तता मानदंड एक अप्रैल, 2027 से प्रभावी होंगे।
- आरबीआई बैंकों को अधिग्रहणों के वित्तपोषण के लिए रूपरेखा उपलब्ध कराएगा।
- आरबीआई ने शेयरों के बदले ऋण देने की सीमा 20 लाख रुपये से बढ़ाकर एक करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव रखा।
- आईपीओ वित्तपोषण के लिए ऋण सीमा 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 25 लाख रुपये प्रति व्यक्ति की जाएगी।
- विदेशी मुद्रा प्रबंधन मानदंडों को और सरल बनाने का प्रस्ताव।
- बैंक भूटान, नेपाल और श्रीलंका के प्रवासी नागरिकों को सीमा पार व्यापार के लिए रुपये में ऋण देंगे।
- एमपीसी की अगली बैठक 3-5 दिसंबर को होगी।

जीएसटी संग्रह 9% बढ़कर 1.89 लाख करोड़ पर

नई दिल्ली। जीएसटी संग्रह सितंबर में 9% बढ़कर 1.89 लाख करोड़ रुपये रहा। दरों को युक्तिसंगत बनाने से बिक्री में वृद्धि से जीएसटी संग्रह बढ़ा है। बुधवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार जीएसटी संग्रह में सालाना आधार पर 9.1% और मासिक आधार पर 1.5 % की वृद्धि दर्ज की गई।

सकल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह सितंबर 2024 में 1.73 लाख करोड़ और अगस्त 2025 में 1.86 लाख करोड़ रुपये था। जीएसटी दरों में बदलाव 22 सितंबर से लागू हुआ। जीएसटी 2.0 सुधार लागू होने के बाद से रसोई के सामान से लेकर इलेक्ट्रॉनिक, दवाओं और उपकरणों व मोटर वाहन तक 375 चीजों की कीमतें कम हुई हैं। सितंबर 2025 में जीडीपी 6.8% बढ़कर 1.36 लाख करोड़ हो गया जबकि आयात कर 15.6% बढ़कर 52,492 करोड़ रुपये रहा। जीएसटी रिफंड भी 40.1% बढ़कर 28,657 करोड़ रुपये हो गया। शुद्ध जीएसटी संग्रह सितंबर 2025 में 1.60 लाख करोड़ रहा जो सालाना आधार पर पांच प्रतिशत अधिक है।

8 दिन बाद लौटी रौनक सेंसेक्स 716 अंक चढ़ा

मुंबई, एजेंसी

- वैश्विक बाजारों में तेजी और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी ने बाजार को दी मजबूती

रेपो दर को स्थिर रखने और वृद्धि अनुमान बढ़ाने के रिजर्व बैंक के कदम से घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को काफी उत्साह रहा और यह आठ दिनों की गिरावट से उबरने में सफल रहा। सेंसेक्स 716 अंक उछल गया जबकि निफ्टी में 225 अंकों की तेजी रही। विश्लेषकों ने कहा कि मौद्रिक घोषणा के बीच वैश्विक बाजारों में तेजी के रुझान और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी ने भी स्थानीय निवेशकों की धारणा को मजबूती दी।

बीएसई का सेंसेक्स 715.69 अंक उछलकर 80,983.31 अंक पर बंद हुआ। एनएसई का निफ्टी 225.20 अंक चढ़कर 24,836.30 अंक पर पहुंचा। सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा मोटर्स में 5.54% की बढ़त रही। कोटक महिंद्रा बैंक, ट्रेंट, सन फार्मा, एक्सिस बैंक और आईसीआईसीआई बैंक का स्थान रहा। हालांकि, बजाज फाइनेंस, एसबीआई, अल्ट्राटेक सीमेंट और टाटा स्टील के शेयरों में गिरावट आई। वहीं, स्मालकैप 1.16% और मिडकैप में 0.91% की तेजी रही।

बीएसई की 2,797 कंपनियों में रही तेजी

बैंकिंग खंड में 1.44, दूरसंचार 1.26 और वित्तीय सेवा खंड 1.22% चढ़ा। बीएसई पर सूचीबद्ध 2,797 कंपनियों में तेजी रही, जबकि 1,360 शेयरों में गिरावट व 134 अपरिवर्तित रहीं। एशिया में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी सकारात्मक रहा, जबकि जापान के निक्की में गिरावट आई। यूरोप के बाजार बढ़त में रहे। शेयर बाजार के मुताबिक, एफआईआई ने मंगलवार को 2,327.09 करोड़ के शेयर बेचे, जबकि डीआईआई ने 5,761.63 करोड़ के शेयर खरीदे।

दलहन में आत्मनिर्भरता को 11,440 करोड़ रुपये मंजूर

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करने को 11,440 करोड़ के व्यय वाली छह वर्षीय केंद्रीय योजना को मंजूरी दी। प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 'दलहनों में आत्मनिर्भरता मिशन'' को मंजूरी दी।

इस योजना की अवधि 2025-26 से 2030-31 तक होगी। यह मिशन वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा 2025-26 के बजट में की गई घोषणा के अनुरूप है। दलहन मिशन विशेष रूप से अरहर, उड़द और मसूर के उत्पादन को बढ़ाने पर केंद्रित होगा, जिसमें सरकारी एजेंसियों, भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड) और भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ लिमिटेड (एनसीसीएफ) के जरिये पंजीकृत किसानों से सुनिश्चित खरीद की जाएगी। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि हम छह साल के लिए दलहन पर एक मिशन शुरू करने जा रहे हैं। इसके तहत 2023-24 में 242 लाख टन दलहन उत्पादन को 2030-32 तक बढ़ाकर 350 लाख टन करने का लक्ष्य है।

सोना 1.21 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के पार, चांदी स्थिर

नई दिल्ली। मजबूत वैश्विक संकेतों के बीच बुधवार को सोना 1,100 रुपये की छलांग लगाते हुए 1.21 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी।

अमेरिका में संसद की वित्तीय मंजूरी न मिलने से सरकारी कामकाज अस्थायी रूप से बंद होने के बीच वैश्विक बाजारों में मजबूती रही। सर्राफा संघ के मुताबिक, 99.9% शुद्धता वाला सोना 1,100 रुपये बढ़कर 1,21,100 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) के नए शिखर पर पहुंच गया। मंगलवार को यह 1,20,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। पिछले सत्र में इसका भाव 1,19,400 रुपये प्रति 10 ग्राम था। हालांकि, चांदी की कीमतें 1,50,500 रुपये प्रति किग्रा (सभी करों सहित) पर स्थिर रहीं, जो इसका रिकॉर्ड स्तर है। विदेशी बाजारों में हाजिर सोना एक प्रतिशत से अधिक बढ़कर 3,895.33 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। वहीं हाजिर चांदी लगभग दो प्रतिशत बढ़कर 47.56 डॉलर प्रति औंस के उच्च स्तर पर पहुंच गई।

राष्ट्रीय

आरएसएस की 100 वर्ष की यात्रा के पीछे लोगों का स्नेह

सरकार्यवाह होसबाले ने कहा- विरोध के बावजूद संघ ने सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन बनने का प्रयास किया

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने बुधवार को कहा कि आरएसएस ने 100 वर्षों से विरोध के बावजूद, जनता के स्नेह के कारण सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन बनने का प्रयास किया है। होसबाले की यह टिप्पणी प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के कुछ मिनट पहले आई। उन्होंने इस कदम के लिए सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि यह संघ के निःस्वार्थ कार्यों को मान्यता प्रदान करने के समान है।

होसबाले ने कहा कि संघ और उसके स्वयंसेवक 1925 में विजयादशमी पर डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा इसकी स्थापना करने के बाद से ही व्यक्तियों के चरित्र निर्माण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण के मिशन पर निःस्वार्थ काम कर रहे हैं। वह केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। आरएसएस के दूसरे नंबर के पदाधिकारी ने कहा कि विदेश में रहने वाले स्वयंसेवकों सहित सभी स्वयंसेवकों की ओर से, मैं इसके लिए अपना आभार व्यक्त करना चाहता हूं। होसबाले ने कहा कि राष्ट्र के प्रति योगदान के लिए व्यक्तियों और संगठनों को सम्मानित करना भारत में एक लंबे समय से चली आ रही परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने इस परंपरा को जारी रखा है। मेरा मानना है कि इस तरह संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर भारत के लोगों की ओर से संघ के कार्यों को मान्यता दी गई है। होसबाले ने आरएसएस के 100 वर्षों को दिलचस्प यात्रा बताया और कहा कि देश के लोगों द्वारा संघ के विचारों को मिले प्यार, समर्थन और स्वीकृति से ही संघ इतनी दूर तक पहुंच पाया है। उन्होंने कहा कि संघ को हर तरह के विरोध, संघर्ष और उदासीनता का सामना करना पड़ा, लेकिन कार्यकर्ताओं ने लोगों की आत्मीयता, स्नेह, समर्थन और सहयोग का अनुभव किया है। उन्होंने कहा कि आज देश संघ को देशभक्ति, अनुशासन और निस्वार्थ सेवा के प्रभावशाली व सफल प्रतीक के रूप में देखता है। होसबाले ने कहा कि कुछ वर्षों में हमारे कार्यों की सफलता से देश की तस्वीर बदली है। हमें देश के भीतर और वैश्विक मंच पर भी भारत के विमर्श को मजबूत करना होगा। दुनिया भर में, भारत के बारे में भारत का विमर्श सकारात्मक और सत्य पर आधारित होना चाहिए।

नई दिल्ली में आरएसएस के शताब्दी समारोह के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, आरएसएस सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता।

गोलवलकर ने चुनौती के समय संभाली थी कमान

नागपुर। माधव सदाशिवराव गोलवलकर आरएसएस के सरसंघचालक पद के लिए एकमात्र विकल्प नहीं थे, लेकिन उन्हें इस पद पर चुना गया और उन्होंने कठिन दौर में संगठन का नेतृत्व किया और उसे आकार दिया। वरिष्ठ पत्रकार सुधीर पाठक ने ऐसा दावा किया है। आरएसएस के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने जून 1940 में अपनी मृत्यु से पहले जंतुविज्ञान के प्रोफेसर गोलवलकर को अपना उत्तराधिकारी चुना था। आरएसएस से संबद्ध समाचार पत्र 'तरुण भारत' के पूर्व संपादक पाठक ने कहा कि गोलवलकर का चुनाव आश्चर्यजनक था। उस समय 34 वर्ष के रहे गोलवलकर 1925 में संघ की स्थापना के बाद से संगठन से तब तक जुड़े नहीं थे।

धोखाधड़ी, फर्जी प्रमाणपत्रों को बर्दाश्त न करने की हमारी नीति: यूपीएससी अध्यक्ष

नई दिल्ली, एजेंसी

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के अध्यक्ष अजय कुमार ने बुधवार को कहा कि किसी भी सरकारी नौकरी की भर्ती परीक्षा में अभ्यर्थियों द्वारा धोखाधड़ी और फर्जी प्रमाण पत्रों का इस्तेमाल करना 'अस्वीकार्य' है और इससे उनके करियर को दीर्घकालिक नुकसान हो सकता है। अपनी तरह के पहले वर्चुअल संवाद कार्यक्रम में, उन्होंने अभ्यर्थियों से उस रास्ते पर जाने से बचने को कहा जो कड़ी कार्रवाई का कारण बने, जिसमें यूपीएससी द्वारा आयोजित किसी भी परीक्षा में तीन साल तक शामिल होने पर रोक भी शामिल है।

कुमार ने कहा कि यूपीएससी की परीक्षाओं में धोखाधड़ी स्वीकार्य नहीं है। इस मामले में हमारी नीति कतई बर्दाश्त न करने की है और अगर ऐसा कुछ भी होता है, तो कड़ी कार्रवाई करेंगे। यूपीएससी प्रमुख ने कार्यक्रम के दौरान विभिन्न मुद्दों पर बात की, जिनमें सिविल सेवा परीक्षा उत्तीर्ण करने में कोचिंग सेंटर की उपयोगिता और भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) की पूर्व परिवीक्षाधीन पूजा खेडकर द्वारा फर्जी प्रमाणपत्रों के इस्तेमाल का मुद्दा भी शामिल था। केंद्र ने पिछले साल खेडकर को भारतीय प्रशासनिक सेवा से बर्खास्त कर दिया था, क्योंकि उन्होंने गलत तरीके से अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और दिव्यांगता आरक्षण का लाभ उठाकर अपना चयन सुनिश्चित किया था।

- वर्चुअल संवाद में अभ्यर्थियों से अजय कुमार ने किया संवाद

चेहरे की पहचान से परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति

यूपीएससी प्रमुख ने कहा कि अगर धोखाधड़ी की जाती है, तो आपराधिक प्राथमिकी दर्ज होती है और आपराधिक कार्रवाई की जाती है। इसलिए, मैं कहना चाहूंगा कि अगर कोई ऐसा करता है, तो उसके खिलाफ नियमों के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। हमने परीक्षा केंद्र में प्रवेश के दौरान चेहरे की पहचान के माध्यम से प्रवेश की अनुमति लागू की है। आयोग अभ्यर्थियों के प्रमाण पत्रों की प्रामाणिकता बनाए रखने के लिए डिजिलॉकर के माध्यम से प्रमाण पत्र लेने की योजना बना रहा है।

तेलुगू अभिनेत्री पर घरेलू सहायिका का उत्पीड़न करने का मामला दर्ज

हैदराबाद, एजेंसी

तेलुगू अभिनेत्री डिंपल हयाती और उनके पति के खिलाफ अपनी घरेलू सहायिका के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार करने, उसे परेशान करने और धमकी देने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।

ओडिशा की 22 वर्षीय महिला ने आरोप लगाया कि अपनी जिम्मेदारी निभाने के बाद भी उसे दंपति उचित भोजन नहीं देते हैं, उसे गालियां देते हैं और धमकी देते हैं। इस महिला ने अभिनेत्री के घर पर 22 सितंबर से घरेलू सहायिका के तौर पर काम करना शुरू किया था। उसने आरोप लगाया कि दंपति ने उसका अपमान किया और गुस्से में यहां तक कह डाला कि 'मेरी जिंदगी (सहायिका की जिंदगी) उनके जूते के बराबर भी नहीं है। घरेलू सहायिका ने आरोप लगाया कि 29 सितंबर को जब उसने उनके अपमानजनक व्यवहार को रिकॉर्ड करने की कोशिश की, तो दंपति ने उसे धमकाया। उसने बताया, अभिनेत्री के पति ने मेरा फ़ोन छीन लिया, उसे जमीन पर पटक दिया और तोड़ दिया।

- ओडिशा की महिला ने भोजन नहीं देने, गालियां और धमकी देने का लगाया आरोप

मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने वक्फ कानून पर भारत बंद को किया स्थगित

नई दिल्ली। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने वक्फ संशोधन कानून को लेकर तीन अक्टूबर को प्रस्तावित भारत बंद को स्थगित कर दिया। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने कहा कि देश के कुछ राज्यों में इन्हीं तिथियों पर त्योहार मनाए जा रहे हैं।

मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना खालिद सैफुल्लाह रहमानी की अध्यक्षता में बोर्ड की आपात बैठक हुई। उन्होंने कहा कि समीक्षा के बाद यह निर्णय हुआ कि तीन अक्टूबर को प्रस्तावित भारत बंद को फिलहाल स्थगित किया जाए। नई तिथियों की घोषणा जल्द की जाएगी। बोर्ड ने कहा कि वक्फ संशोधन के खिलाफ बोर्ड का विरोध आंदोलन पूर्ववत जारी रहेगा और सभी कार्यक्रम निर्धारित तिथियों के अनुसार आयोजित किए जाएंगे।

जुबिन का प्रबंधक व आयोजक गिरफ्तार

गायक जुबिन गर्ग की मौत का मामला

- कोर्ट ने 14 दिनों की पुलिस हिरासत में भेजा

गुवाहाटी, एजेंसी

सिंगापुर में गायक जुबिन गर्ग की मौत के सिलसिले में उनके प्रबंधक सिद्धार्थ शर्मा और महोत्सव के मुख्य आयोजक श्यामकानु महंत को बुधवार सुबह दिल्ली से गिरफ्तार किया गया। असम पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दोनों पर विभिन्न धाराओं के तहत गैर इरादतन हत्या, आपराधिक साजिश और लापरवाही से मौत का मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तारी के बाद दोनों को गुवाहाटी लाया गया और कामरूप मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया, जिसने उन्हें 14 दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया। दुर्गा पूजा से अदालतें बंद होने से सुनवाई न्यायाधीश के आवास पर हुई। विशेष पुलिस महानिदेशक (सीआईडी) मुन्ना प्रसाद गुप्ता ने बताया कि गायक की मौत की जांच कानून के अनुसार की जाएगी। जांच को गठित एसआईटी के प्रमुख गुप्ता ने कहा कि शर्मा और महंत दोनों को 14 दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि नोटिस के आधार पर आव्रजन अधिकारियों ने सिंगापुर से दिल्ली हवाई अड्डे पर पहुंचते ही महंत को हिरासत में लिया और असम पुलिस को सौंप दिया। शर्मा के बारे में गुप्ता ने कहा कि हमने उसकी लोकेशन की निगरानी की जिससे उसके दिल्ली और राजस्थान में होने का पता चला।

जुबिन गर्ग की मौत के मामले में गिरफ्तार नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल के मुख्य आयोजक श्यामकनु महंत और उनके प्रबंधक सिद्धार्थ शर्मा।

वांगचुक की रासुका के तहत हिरासत विश्वसनीय आधार पर

लेह, एजेंसी

लद्दाख प्रशासन ने पिछले हफ्ते राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत हिरासत में लिए गए कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को फंसाने या गुप चुप तरीके से कार्रवाई के दावों को मंगलवार को खारिज कर दिया। प्रशासन ने कहा कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा की गई कार्रवाई विश्वसनीय सूचनाओं और दस्तावेजों पर आधारित थी।

प्रशासन ने अपील की कि कानून को अपना काम करने देना चाहिए और विश्वास व्यक्त किया कि हम सब मिलकर शांतिप्रिय लेह कस्बे में सामान्य स्थिति बहाल करेंगे और अपनी वार्ता प्रक्रिया जारी रखेंगे। लद्दाख के लिए राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची के तहत सुरक्षा उपायों की मांग कर रहे आंदोलन का प्रमुख चेहरा रहे वांगचुक को 24 सितंबर को प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच हुई झड़पों के बाद रासुका के तहत हिरासत में लिया गया था। इसके बाद केंद्र और लद्दाख के प्रतिनिधियों के बीच वार्ता में रुकावट आ गई है क्योंकि कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) ने लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) के उस फैसले का समर्थन किया जिसमें वांगचुक और अन्य की रिहाई तक वार्ता स्थगित करने का फैसला किया गया है। छह अक्टूबर को होने वाली वार्ता को फिर शुरू करने की शर्त बताते हुए दोनों संगठनों ने लेह में हुई पुलिस गोलीबारी की न्यायिक जांच की भी मांग की।

- लद्दाख प्रशासन ने वांगचुक को फंसाने या गुप चुप कार्रवाई के दावों पर की टिप्पणी

मुझे न मिला नोबेल पुरस्कार तो अमेरिका के लिए होगी बड़े अपमान की बात : ट्रंप

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उन्होंने सात वैश्विक संघर्षों को खत्म कराने में भूमिका निभाई है, इसके बावजूद अगर नोबेल पुरस्कार उन्हें नहीं दिया जाता है तो यह अमेरिका के लिए बड़े अपमान की बात होगी।

गाजा संघर्ष को समाप्त कराने की योजना का जिक्र करते हुए ट्रंप ने मंगलवार को क्वांटिको में सैन्य अधिकारियों को अपने संबोधन में कहा, मुझे लगता है, हमने इसे सुलझा लिया है। अब, हमास को सहमत होना होगा और अगर वे नहीं मानते, तो उनके लिए बहुत मुश्किल होगा। सभी अरब, मुस्लिम राष्ट्र

● कहा- मैंने 7 संघर्ष खत्म कराए पर नोबेल किसी लेखक को मिलेगा

इससे सहमत हैं। इजराइल सहमत है। यह एक अद्भुत बात है कि सभी साथ आ गए हैं। ट्रंप ने कहा कि अगर सोमवार को घोषित गाजा संघर्ष को समाप्त कराने की उनकी योजना कामयाब हो जाती है तो उन्होंने कुछ ही महीनों में आठ संघर्षों को सुलझा लिया है।

ट्रंप ने कहा, यह शानदार है। कोई ऐसा कभी नहीं कर पाया। फिर भी क्या आपको नोबेल पुरस्कार मिलेगा, बिल्कुल नहीं। वे इसे किसी ऐसे व्यक्ति को देंगे जिसने कुछ भी नहीं किया। वे इसे ऐसे व्यक्ति को देंगे जिसने डोनाल्ड ट्रंप के विचारों और युद्ध को सुलझाने के लिए क्या किया गया, इस पर कोई किताब लिखी है, जी हां, नोबेल किसी लेखक को मिलेगा लेकिन देखते हैं क्या होता है।

उन्होंने कहा, यह हमारे देश के लिए बड़े अपमान की बात होगी। मैं ऐसा नहीं चाहता। मैं चाहता हूं कि यह देश को मिले क्योंकि ऐसा कुछ पहले कभी नहीं हुआ। इस बारे में सोचिएगा। मुझे लगता है कि गाजा संघर्ष को समाप्त करने की योजना सफल होगी। मैं यह बात हल्के में नहीं कह रहा।

नोबेल पुरस्कार का इतिहास

... और ट्रंप की चाहत

दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित नोबेल पुरस्कार वैसे तो हमेशा चर्चा में रहते हैं लेकिन हाल फिलहाल अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दावेदारी ने इसे और चर्चित बना दिया है। एक ताजा बयान में ट्रंप ने दुनिया में सात संघर्ष रुकवाने का दावा करते हुए कहा है कि अगर उन्हें शांति का नोबेल पुरस्कार न दिया गया तो यह अमेरिका का बड़ा अपमान होगा, ट्रंप के इस दावे को इस पुरस्कार के राजनीतिकरण और दबाव बनाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। दिलचस्प यह है कि डोनाल्ड ट्रंप की इस हद तक कोशिश के बावजूद उन्हें इस बार शांति का नोबेल प्राइज मिलने की संभावना न के बराबर मानी जा रही है। वजह बताई जा रही है कि उनकी उम्मीदवारी न तो प्रक्रियागत है, न ही समय से पूरी हुई है। हालांकि कई देशों की ओर से उन्हें जरूर नोबेल पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। नोबेल पुरस्कारों की घोषणा हर साल अक्टूबर में होती है, लिहाजा कुछ ही दिन बाद पता चल जाएगा कि ट्रंप की कोशिशें कितनी कामयाब हो पाईं।

ऐसे हुई थी शुरुआत

- स्वीडिश वैज्ञानिक अल्फ्रेड नोबेल की वसीयत से शुरुआत हुई थी, उन्होंने अपनी अधिकांश संपत्ति इसके लिए दान कर दी थी।
- वसीयत के मुताबिक दुनिया का यह सबसे प्रतिष्ठित सम्मान उन लोगों को दिया जाता है जिन्होंने मानवता की सबसे बड़ी सेवा की हो।
- पहला नोबेल 1901 में प्रदान किया गया था, यह पुरस्कार हर साल 10 दिसंबर को अल्फ्रेड नोबेल की पुण्यतिथि पर दिया जाता है।

पुरस्कार की श्रेणियां

नोबेल छह श्रेणियों में दिए जाते हैं। शुरू में भौतिकी, रसायन विज्ञान, शरीर विज्ञान या चिकित्सा साहित्य और शांति के लिए यह पुरस्कार दिया जाता था। सन् 1968 में इनमें आर्थिक विज्ञान भी जोड़ दिया गया।

सबसे ज्यादा पुरस्कार

- संयुक्त राज्य अमेरिका में 400 से ज्यादा नोबेल पुरस्कार दिए गए हैं, इस कारण वह शीर्ष पर है।
- यूनाइटेड किंगडम 137 पुरस्कारों के साथ दूसरे, जर्मनी 111 पुरस्कारों के साथ तीसरे स्थान पर।
- फ्रांस लगभग 71 पुरस्कारों के साथ चौथे स्थान, स्वीडन 32 पुरस्कारों के साथ पांचवें स्थान पर।

अब तक कितने विजेता

सन् 1901 से 2024 के बीच पांच नोबेल और आर्थिक विज्ञान में पुरस्कार 627 बार 1,012 लोगों और संगठनों को दिए गए।

ऐसे होता है चयन

- विश्वविद्यालयों के प्रोफेसर, नोबेल विजेता जैसे योग्य लोग उम्मीदवारों को नामांकित करते हैं। इसका विवरण 50 साल तक गुप्त रखा जाता है।
- प्रत्येक क्षेत्र में पुरस्कार के लिए एक अलग समिति होती है। ये समितियां प्राप्त नामांकनों की समीक्षा करती हैं और प्रारंभिक आधार पर चयन करती हैं।

पुरस्कारों पर प्रमुख विवाद

- एक स्वीडिश सांसद ने 1939 में व्यंग्य के रूप में एडोल्फ हिटलर को शांति पुरस्कार के लिए नामांकित कर दिया था, जिसे बाद में नामांकन वापस ले लिया गया।
- राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को नोबेल शांति पुरस्कार न दिया जाना बड़े विवाद का मुद्दा बना रहा। उन्हें कई बार नामांकित किया गया था, लेकिन पुरस्कार नहीं मिला।
- वियतनाम युद्धविराम के लिए हेनरी किसिंजर को दिया गया शांति पुरस्कार विवादित रहा, उन पर कंबोडिया पर बमबारी और तानाशाहों के समर्थन का आरोप था।
- यासर अराफात को इजराइली नेताओं के साथ शांति प्रयासों के लिए पुरस्कार मिला था, लेकिन कुछ लोग उनकी सशस्त्र गतिविधियों के कारण इससे असहमत थे।
- साहित्य पुरस्कार के लिए आदर्शवादी मापदंड की व्याख्या को लेकर शुरू से ही कई विवाद रहे हैं, जिससे कई बार विजेताओं के चयन पर सवाल भी उठे हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

इथियोपिया: निर्माणाधीन गिरजाघर ढहा, 25 मरे

अदीस अबाबा। इथियोपिया के अमहारा क्षेत्र में बुधवार को एक निर्माणाधीन गिरजाघर के ढह जाने से कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि यह घटना बुधवार को उत्तरी इथियोपिया के अमहारा में मेनजार शेनकोरा अर्रेती मरियम गिरजाघर में उस समय हुई, जब लोग सेंट मैरी के वार्षिक समारोह के लिए एकत्र हुए थे। एक स्थानीय अस्पताल के चिकित्सक सेयूम अल्ताये ने बताया कि पीड़ितों में कुछ बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, अब तक हमने 25 लोगों की मौत होने और सौ से अधिक घायलों की पुष्टि की है।

अफगानिस्तान में इंटरनेट प्रतिबंध नहीं

इस्लामाबाद। तालिबान सरकार ने अफगानिस्तान में इंटरनेट पर राष्ट्रव्यापी प्रतिबंध लगाए जाने की खबरों को खारिज करते हुए कहा कि पुराने फाइबर ऑप्टिक केबल खराब हो गए हैं और उन्हें बदला जा रहा है। यह घोषणा संचार ब्लैकआउट पर तालिबान का पहला सार्वजनिक बयान है जिसके कारण बैंकिंग, वाणिज्य और विमानन क्षेत्र को बाधित हुए है। पिछले महीने, कई प्रांतों ने अनैतिकता से निपटने के लिए तालिबान नेता हिबतुल्लाह अखुंदजादा के एक आदेश के कारण इंटरनेट बंद होने की पुष्टि की थी। तालिबान अधिकारियों ने बयान में कहा, यह अफवाह फैलाई जा रही है कि हमने इंटरनेट पर प्रतिबंध लगा दिया है।

फेडरल रिजर्व गवर्नर बनी रहेंगी लिसा कुक

वाशिंगटन। अमेरिका के उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को लिसा कुक को फिलहाल फेडरल रिजर्व गवर्नर बने रहने की अनुमति दे दी तथा उन्हें केंद्रीय बैंक से तत्काल हटाने संबंधी ट्रंप प्रशासन के अनुरोध पर कार्रवाई करने से इनकार कर दिया। एक अहस्ताक्षरित आदेश में, उच्चतम न्यायालय ने कहा कि वह जनवरी में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कुक को फेड बोर्ड से हटाने के अनुरोध पर दलीलों को सुनेगा।

नेपाल में मिट्टी ढहने से चार लोगों की मौत

काठमांडू। नेपाल के दक्षिणी मधेश प्रांत में बुधवार को मिट्टी ढहने से तीन बच्चों समेत चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, हरिपुरवा नगर पालिका-1 में हर्दीखोला नदी के किनारे से मिट्टी लेने गए तीन बच्चों और एक बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि त्योहार के लिए मिट्टी निकालने गए छह लोग फावड़े से नदी किनारे खुदाई कर रहे थे, तभी मिट्टी का ढेर ढह गया और चार लोग उसमें दब गए।

ट्रंप के प्रस्ताव पर हमास ने नहीं दिया जवाब

कतर, मिस्र और तुर्किए ने किया समझौता स्वीकार करने का आग्रह, पोप लियो ने भी की अपील

दीर अल बलाह/मॉस्को एजेंसी

गाजा में शांति स्थापित करने और इजराइल-हमास के बीच युद्ध विराम के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से पेश 20-सूत्रीय शांति योजना पर अबतक हमास ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इस बीच कतर, मिस्र और तुर्की ने हमास से अमेरिकी राष्ट्रपति की गाजा में युद्धविराम की योजना को स्वीकार करने का आग्रह किया है। पोप लियो ने भी हमास की ओर से सात अक्टूबर 2023 को बंधक बनाए गए लोगों की रिहाई के साथ तुरंत युद्धविराम की अपील दोहराई है।

ट्रंप ने सोमवार को गाजा में युद्धविराम के लिए 20 सूत्री योजना का प्रस्ताव पेश किया था। इस पर इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी सहमति जताई थी। इस प्रस्ताव में समझौते के कई अन्य बिंदुओं के साथ तत्काल युद्धविराम और 72 घंटों के भीतर दोनों ओर से सभी बंधकों की रिहाई की बात कही गई है। प्रस्तावित योजना में यह भी निर्धारित किया गया है कि हमास और अन्य समूहों को गाजा शासन में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भागीदारी छोड़नी होगी।

प्रस्ताव के मुताबिक गाजा का शासन एक तकनीकी, गैरराजनीतिक फिलिस्तीनी समिति द्वारा किया जाएगा जिस पर ट्रंप के नेतृत्व में एक अंतरराष्ट्रीय निकाय नजर रखेगा।

कतर के प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी और मिस्र के खुफिया प्रमुख हसन राशद ने दोहा में सोमवार की रात हमास नेताओं के आगे ट्रंप की योजना प्रस्तुत की थी। अल थानी ने कहा कि हमास को इससे बेहतर समझौता नहीं मिलेगा और विश्वास व्यक्त किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति वास्तव में युद्ध को समाप्त करने का इरादा रखते हैं। मंगलवार को अल थानी और हसन राशद ने फिर से हमास सदस्यों के साथ मुलाकात की। इस बार उनके साथ तुर्किए के खुफिया प्रमुख इब्राहिम कालिन भी थे। हालांकि हमास के नेताओं की ओर से अभी ट्रंप के प्रस्ताव पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है।

इस बीच पोप लियो ने भी मंगलवार देर रात केस्टल गेंडोल्फो स्थित अपने पैतृक निवास से प्रस्थान करते हुए युद्ध को समाप्त करने की योजना को लेकर आशा व्यक्त की। उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि यह एक यथार्थवादी प्रस्ताव है। पोप ने कहा, कुछ ऐसे तत्व हैं जो मुझे बहुत दिलचस्प लगते हैं, और मुझे आशा है कि हमास इसे निर्धारित समय सीमा में स्वीकार कर लेगा।

इजराइल के शहर तेल अवीव में हजारों लोगों ने बंधकों की रिहाई और तुरंत युद्धविराम की मांग करते हुए प्रदर्शन किया।

गाजा पर इजराइली हमले में 16 फिलिस्तीनियों की मौत

दीर अल बलाह। इजराइल ने गाजा में अपनी सैन्य कार्रवाई बुधवार को भी जारी रखी, इसमें कम से कम 16 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई। स्थानीय अस्पतालों के अधिकारियों के मुताबिक, इजराइली हमले में मारे गए लोगों में वे भी शामिल हैं, जिन्होंने गाजा शहर में विस्थापितों के लिए बने एक स्कूल में शरण ली हुई थी। अल-अहली अस्पताल के अधिकारियों के मुताबिक, शहर के पूर्वी जितून इलाके में स्थित अल-फलाह स्कूल पर कुछ ही मिनटों के अंतराल पर दो बार हमले हुए। हताहतों में पहले हमले के बाद मदद के लिए पहुंचे लोग भी शामिल हैं। अस्पताल ने बताया कि बुधवार सुबह गाजा शहर के पश्चिमी हिस्से में एक पेयजल टैंक के आसपास जमा लोगों पर हुए हमले में पांच फलस्तीनी मारे गए।

हूती विद्रोहियों ने डच जहाज को बनाया मिसाइल का निशाना

दुबई। यमन के हूती विद्रोहियों ने बुधवार तड़के अदन की खाड़ी में एक डच ध्वज वाले मालवाहक जहाज पर हमले की जिम्मेदारी ली। हमले में जहाज बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस हमले से हूती विद्रोहियों के हथियारों की क्षमता और इजराइल-हमास युद्ध के दौरान जहाजों को निशाना बनाने के अभियान की पुष्टि हुई है। सोमवार को लाल सागर से कुछ दूरी पर 'मिनर्वाग्रोंट' पर हुआ हमला अदन की खाड़ी में ईरान समर्थित हूतियों का सबसे भीषण हमला था। हूतियों ने इसी जगह नवंबर 2023 से अब तक चार जहाजों को नष्ट किया है। हमला ऐसे समय में हुआ है जब इजराइल गाजा शहर को निशाना बनाकर जमीनी हमले कर रहा है जबकि युद्धविराम के प्रयास फिर अधर में लटक गए हैं। इस बीच, संयुक्त राष्ट्र की ओर से ईरान पर उसके परमाणु कार्यक्रम को लेकर फिर से प्रतिबंध लगाने के बाद पश्चिम एशिया में भी तनाव है। हूती विद्रोहियों ने अमेरिकी तेल कंपनियों को निशाना बनाने के लिए सभी उपकरणों का इस्तेमाल करने की धमकी भी दी। हूती सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सारी ने कहा कि हूतियों ने एक क्रूज मिसाइल दागी जिसने 'मिनर्वाग्रोंट' को निशाना बनाया और उस पर हमला किया। सारी ने जहाज के मालिक, एम्स्टर्डम स्थित कंपनी स्प्लिएथॉफ पर कब्जे वाले फिलिस्तीन के बंदरगाहों में प्रवेश पर लगे प्रतिबंध का उल्लंघन करने का आरोप लगाया।

झाड़ू-पोंछा करने वाली मां के बेटे ने ब्रिटेन में जीता एक लाख अमेरिकी डॉलर का ग्लोबल स्टूडेंट अवार्ड

लंदन। गरीबी में पले-बढ़े 18 वर्षीय छात्र/अन्वेषक आदर्श कुमार को बुधवार को लंदन में एक समारोह में एक लाख अमेरिकी डॉलर के 'ग्लोबल स्टूडेंट प्राइज 2025' का विजेता घोषित किया गया। आदर्श को 148 देशों से प्राप्त लगभग 11,000 नामांकनों और आवेदनों में से इस वार्षिक पुरस्कार के लिए चुना गया। यह पुरस्कार ऐसे असाधारण छात्र को दिया जाता है जिसने शिक्षा और समग्र समाज पर वास्तविक प्रभाव डाला हो।

बिहार के चंपारण में जन्मे आदर्श का पालन-पोषण अकेले उनकी मां ने किया है। उनकी मां ने आदर्श की पढ़ाई का खर्च निकालने के लिए दूसरे के घरों में झाड़ू-पोछा का काम किया। आदर्श जयपुर के जयश्री पेरीवाल इंटरनेशनल स्कूल (जेपीआईएस) में 30 लाख रुपये की पूर्ण छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले पहले छात्र भी हैं और अब वह दूसरों को भी इसे प्राप्त करने के लिए मदद करते हैं। लंदन में पुरस्कार प्राप्त करने के बाद आदर्श ने कहा, यह पुरस्कार जीतना अविश्वसनीय है। उन्होंने कहा, ग्लोबल स्टूडेंट प्राइज जीतने से मुझे और ज्यादा मेहनत करने का आत्मविश्वास मिला है। दूसरों के लिए मेरा संदेश यही है : खुद वह बनिए जो आप देखना चाहते हैं। बदलाव पहले अपने अंदर से शुरू होना चाहिए और फिर दुनिया में। दुनिया उन लोगों का सम्मान करती है जो सपने देखने की हिम्मत रखते हैं, इसलिए कृपया बड़े सपने देखें।

लंदन में ट्रॉफी के साथ आदर्श कुमार।

महाराष्ट्र के स्कूल को मिलेगा ब्रिटेन में पुरस्कार

लंदन। महाराष्ट्र के खेड़ तालुका स्थित प्राथमिक स्कूल जिला परिषद प्राथमिकशाला जलिंदरनगर को लंदन में सर्वश्रेष्ठ स्कूल की श्रेणी में दिए जाने वाले '2025 वर्ल्ड्स बेस्ट स्कूल प्राइज कम्युनिटी चॉइस अवार्ड' का विजेता घोषित किया गया है। इस पुरस्कार की स्थापना ब्रिटेन स्थित टी4 एजुकेशन ने कोविड-19 महामारी के मद्देनजर उन स्कूलों को मंच प्रदान करने के लिए की थी जो अपनी कक्षाओं के साथ बाहर भी छात्रों के जीवन में बदलाव ला रहे हैं। आदिवासी बहुल जिले के इस स्कूल को अपनी विषय अनुकूल प्रणाली, मिलजुल कर पढ़ने-पढ़ाने के मॉडल के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण छात्र-नेतृत्व वाली शिक्षा प्रदान करके सरकारी स्कूल शिक्षा में क्रांति लाने के लिए इस पुरस्कार के लिए चुना गया है। अध्ययन अध्यापन के इस तरह के मॉडल में विभिन्न आयु वर्ग के छात्र एक-दूसरे के साथ पढ़ते हैं, एक दूसरे को पढ़ाते और सीखते हैं।

इंडोनेशिया : स्कूल इमारत के मलबे में दबे 91 से ज्यादा छात्र

जकार्ता, एजेंसी

इंडोनेशिया की आपद प्रबंधन एजेंसी ने बुधवार को कहा कि पूर्वी जावा प्रांत के सिदोअर्जो जिले में 29 सितंबर को एक स्कूल की इमारत ढहने के बाद कम से कम 91 लोग फंस गए हैं। इनमें ज्यादातर स्कूल में पढ़ने वाले छात्र हैं।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी (बीएनपीबी) के प्रवक्ता अब्दुल मुहरी ने बताया कि कल शाम तक, इस दुर्घटना में तीन छात्रों की मौत हो चुकी थी और 90 से ज्यादा घायल हो गए थे, जबकि 26 अस्पताल में भर्ती हैं। विभिन्न एजेंसियों के सैकड़ों बचावकर्मियों को घटनास्थल पर तैनात किया गया है। भारी मशीनरी

● अचानक ढह गई थी जर्जर इमारत तीन छात्रों के निकाले गए हैं शव

के इस्तेमाल से इमारत के ढहने की आशंका की वजह से बचावकर्मियों ने हाथ से खुदाई पर ध्यान केंद्रित किया है। वे मलबे में फंसे लोगों तक खाना और पानी पहुंचा रहे हैं। घटनास्थल पर मौजूद बचावकर्मियों ने कहा कि ढही हुई इमारत के कुछ हिस्सों में जीवन के संकेत मिले हैं और वहीं पर प्रयास केंद्रित किए जा रहे हैं। इस बीच, बीएनपीबी निर्माण विशेषज्ञों के साथ मिलकर सुरक्षित तरीके से मलबा हटाने की योजना तैयार कर रहा है ताकि ज़रूरत पड़ने पर बाद के चरणों में भारी उपकरणों का इस्तेमाल किया जा सके।

अमेरिका में शटडाउन के साथ शुरू हुआ अनिश्चितता का दौर

करीब साढ़े सात लाख कर्मचारियों को छुट्टी पर भेजे जाने की आशंका, बड़े पैमाने पर छंटनी की भी चेतावनी

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका में सरकारी कार्यक्रम और सेवाएं जारी रखने को लेकर निर्धारित समय सीमा बुधवार को पूरी होने तक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और संसद के बीच कोई समझौता न हो पाने के बाद शटडाउन (सरकारी वित्तपोषण पर रोक) शुरू हो गया, जिसके चलते अनिश्चितता का वातावरण पैदा हो गया है।

शटडाउन के दौरान संघीय सरकार के लगभग 7,50,000 कर्मचारियों को छुट्टी पर भेजे जाने की आशंका है। शटडाउन के दौरान कई कार्यालय बंद हो जाएंगे। शटडाउन के कारण शिक्षा, पर्यावरण और अन्य सेवाएं ठप पड़ जाएंगी। इसका असर पूरे देश में पड़ने की उम्मीद है। समय सीमा पूरी होने से पहले ट्रंप ने व्हाइट हाउस में कहा, हम शटडाउन नहीं चाहते। हालांकि इस सप्ताह सांसदों से व्यक्तिगत तौर पर मुलाकात करने वाले ट्रंप शटडाउन से बचने के लिए डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों के बीच समझौते को लेकर बातचीत कराने के इच्छुक नजर नहीं आ रहे थे। रिपब्लिकन सांसद ने बातचीत से इनकार कर दिया और ट्रंप को किसी भी बातचीत से दूर रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

व्हाइट हाउस में मुलाकात के बाद राष्ट्रपति ने डेमोक्रेटिक नेतृत्व का मजाक उड़ाते हुए एक कार्टूननुमा फर्जी वीडियो पोस्ट किया, जिसे व्यापक रूप से गैर गंभीर और नस्लवादी माना गया। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने बुधवार को कहा कि रिपब्लिकन सांसद स्वास्थ्य देखभाल से जुड़े उन मुद्दों को सुलझाना चाहते हैं, जिनपर डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों ने चिंता जताई है।

शिक्षा विभाग में 87% कर्मचारी भेजे जाएंगे छुट्टी पर, काम ठप होने की आशंका

अमेरिकी शिक्षा विभाग में सरकारी वित्त पोषण रुकने से कामकाज ठप पड़ने की आशंका है। शिक्षा विभाग का कहना है कि बुधवार से शुरू हो रहे 'शटडाउन' के दौरान हालांकि उसके कई मुख्य कार्य जारी रहेंगे और संघीय वित्तीय सहायता जारी रहेगी, लेकिन छात्र ऋण भुगतान अब भी बकाया रहेंगे। वहीं, नागरिक अधिकारों से जुड़ी शिकायतों की जांच बंद हो जाएगी और विभाग नए संघीय अनुदान जारी नहीं करेगा। विभाग की एक आकस्मिक योजना के अनुसार, उसके लगभग 87 प्रतिशत कर्मचारियों को छुट्टी पर भेज दिया जाएगा।

- प्रशासन ने संकेत दिया है कि शटडाउन से संघीय एजेंसियों में और भी पद समाप्त हो सकते हैं। पिछले शटडाउन में संघीय धन बहाली के बाद छुट्टी गए कर्मचारियों को बुला लिया गया था। इस बार व्हाइट हाउस के प्रबंधन एवं बजट कार्यालय ने कर्मचारियों को बड़े पैमाने पर निकालने की धमकी दी है।
- मई में सदन की विनियोग समिति के समक्ष पेश हुईं शिक्षा मंत्री लिंडा मैकमोहन ने कहा कि इस साल की छंटनी ने उनके विभाग को कमजोर कर दिया है और कुछ मामलों में तो बहुत ज्यादा असर पड़ा है।

लंबे समय तक बना रह सकता है यह संकट

सांसदों के गतिरोध और सरकार को धन मुहैया कराने की समयसीमा चूकने से अमेरिका में लंबे समय तक शटडाउन की आशंका है। रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों ने 21 नवंबर तक सरकार को मौजूदा स्तर पर धन मुहैया कराने के लिए एक अल्पकालिक उपाय का समर्थन किया, मगर डेमोक्रेटिक पार्टी ने इसका विरोध किया और जोर दिया कि स्वास्थ्य देखभाल पर उनकी चिंताओं का समाधान होना चाहिए। डेमोक्रेटिक सांसद कुछ समय पहले पारित ट्रंप की 'मेडिकेड' कटौती को बदलना और कर क्रेडिट का विस्तार करना चाहते हैं जो 'अफोर्डेबल केयर एक्ट' द्वारा स्थापित बाजारों के जरिए स्वास्थ्य बीमा लेने वाले लाखों लोगों के लिए प्रीमियम को अधिक किफायती बनाता है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 2 अक्टूबर, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-आश्विन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, दशमी 19.10 तक तत्पश्चात एकादशी।

आज का पंचांग

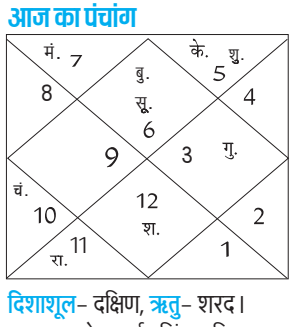

दिशाशूल- दक्षिण, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।
ताराबल- भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- उत्तराषाढ़ा 09.13 तक तत्पश्चात श्रवण।

मेष — आज कारोबार में लाभ के बावजूद मन संतुष्ट नहीं रहेगा। यदि किसी लत या बुरी आदत से ग्रसित हैं, तो सावधान रहें। शरीर में स्फूर्ति की कमी हो सकती है। पारिवारिक जीवन अत्यंत आनंदमय रहेगा। हाथ में आए अवसरों को लेकर लापरवाही न करें।

वृष — आज पिछले कई दिनों से चली आ रही तनावयुक्त परिस्थितियां सामान्य हो जाएंगी। दूसरों के मामलों में अधिक हस्तक्षेप न करें। ऑनलाइन कारोबार से जुड़े लोगों के लिए दिन विशेष रूप से शुभ है। लोग आपके व्यक्तित्व से आकर्षित रहेंगे।

मिथुन — आज आपको किसी कारणवश सहकर्मियों के ताने सुनने पड़ सकते हैं। कारोबार से जुड़े लोगों को अपनी कमियों और गलतियों का मूल्यांकन करना चाहिए। प्रेम-संबंधों को लेकर अधिक भावुक होने की आवश्यकता नहीं है।

कर्क — आज कारोबार में बड़ा निवेश कर सकते हैं। माता-पिता आपसे अत्यधिक प्रसन्न रहने वाले हैं। वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा है। नौकरी में परिस्थितियां अत्यंत अनुकूल रहेंगी। अचानक प्राप्त हुए अवसरों से मन में प्रसन्नता होगी।

सिंह — आज अधीनस्थ कर्मचारी आपसे किसी कारण नाराज होंगे। अपने खर्चों पर नियंत्रण रखें। मैनेजमेंट से जुड़े लोगों को परेशानी होगी। वैवाहिक जीवन में अनबन हो सकती है। इस समय को शांति और प्रेम पूर्वक बिताएं।

कन्या — आज आप अत्यंत तीव्र गति से अपने काम पूरे करेंगे। भविष्य की योजनाओं पर धन खर्च करेंगे। जीवनसाथी का सहयोग आपका मनोबल बढ़ाएगा। नई नौकरी की शुरुआत कर सकते हैं। बुरा समय खत्म होने से चैन की सांस लेंगे।

तुला — आज आपको सैद्धांतिक विचारों के साथ व्यावहारिक भी होना पड़ेगा। उच्च अधिकारियों के प्रति मन में नाराजगी रहेगी। उधार लेने से आपको बचना चाहिए। आपको केवल अपने काम पर ध्यान देना चाहिए। परीक्षा परिणाम में आपको सफलता मिलेगी।

वृश्चिक — आज आप सभी कार्यों को एकाग्र होकर करेंगे। मित्रों की सहायता से आपके सभी काम आसानी से पूर्ण हो जाएंगे। आपको मेहनत का सार्थक परिणाम मिलेगा। संतान को लेकर गौरव की अनुभूति होगी। इच्छित प्रेमी को प्रपोज कर सकते हैं।

धनु — आज व्यापार में आपका प्रदर्शन बेहतरीन रहने वाला है। आपको जोखिम लेने से बचना चाहिए। अपनी रचनात्मक क्षमता का अच्छा प्रयोग करेंगे। किसी पर भी सहज ही विश्वास न करें। अपने लक्ष्यों को लेकर दृढ़प्रतिज्ञ रहें। पारिवारिक अशांति दूर होगी।

मकर — आज जटिल मामलों को आसानी से सुलझा लेंगे। प्रतिस्पर्धियों के ऊपर आप भारी पड़ेंगे। आपकी कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। आपको सुखद समाचार मिल सकते हैं। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। परिवार के लोग आपको सहयोग देंगे।

कुंभ — आज कार्यक्षेत्र में थोड़ी कठिनाई का अनुभव करेंगे। अपने विचारों को संकीर्णता के दायरे में सीमित न करें। दूसरों के बजाय स्वयं के निर्णय को अधिक प्रधानता दें। किसी से अधिक अपेक्षा न रखें। दिनचर्या अनियमित हो सकती है।

मीन — आज व्यवसाय के दृष्टिकोण से आप अत्यंत भाग्यशाली रहने वाले हैं। रुका हुआ धन आपको प्राप्त हो सकता है। आत्मविश्वास के कारण आप हर जगह बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे। जटिल समस्याओं का समाधान निकालने में सफलता मिलेगी।

सुडोकू-117

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	8		2	6		4		
9						5		
			4				1	7
	3				8			4
		6				7		
1			7				9	
	4				3			8
		2			4			6
		5		7			4	

सुडोकू - 116 का हल

3	1	4	7	6	9	5	2	8
5	2	9	8	4	1	3	7	6
7	8	6	5	2	3	9	1	4
4	5	1	3	7	2	6	8	9
9	3	8	1	5	6	2	4	7
2	6	7	4	9	8	1	3	5
6	7	2	9	3	4	8	5	1
1	4	3	6	8	5	7	9	2
8	9	5	2	1	7	4	6	3

हम दमदार क्रिकेट खेलना चाहेंगे। भारत आने वाली किसी भी टीम के लिये चुनौती स्पिन और रिवर्स स्विंग होती है। इन चुनौतियों को ध्यान में रखकर हम ऐसी विकेटों पर खेलना चाहते हैं जो गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों की मदद करे।
-शुभमन गिल

स्टेडियम

कानपुर नगर, गुरुवार 2 अक्टूबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

सिनर ने चाइना ओपन जीता

बीजिंग : इटली के यानिक सिनर ने अमेरिकी युवा लर्नर टियेन को बुधवार को चाइना ओपन में 6-2, 6-2 से हराकर खिताब जीता और शंघाई मास्टर्स टेनिस की अपनी तैयारी पुख्ता की। सिनर ने इससे पहले एलेक्स डि मिनौर को 6-4, 3-6, 6-2 से हराकर हार्डकोर्ट पर लगातार नौवे फाइनल में प्रवेश किया था। उन्नीस वर्ष के टियेन ने पहली बार फाइनल में प्रवेश किया, जब दानिल मेदवेदेव चोट के कारण रिटायर हो गए थे। उस समय स्कोर 5-7, 7-5, 4-0 था।

विदर्भ ने शेष भारत के खिलाफ 280 रन बनाए

नागपुर : सलामी बल्लेबाज अथर्व ताइडे के नाबाद शतक से विदर्भ ने ईरानी कप मैच के पहले दिन बुधवार को यहां शेष भारत के खिलाफ पांच विकेट पर 280 रन बनाए। ताइडे ने 240 गेंद में 12 चौकों और एक छक्के से नाबाद 118 रन बनाए। यश राठौड़ ने भी 153 गेंद में छह चौकों और एक छक्के की मदद से 91 रन की पारी खेली। दोनों ने चौथे विकेट के लिए उस समय 184 रन की साझेदारी की जब टीम 80 रन पर तीन विकेट गंवाने के बाद संकट में थी। रणजी ट्रॉफी चैंपियन टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने सात ओवर में बिना विकेट गंवाए 40 रन बनाए लेकिन इसके बाद जल्द ही तीन विकेट गंवा दिए।

दिल्ली ई स्पोर्ट्स ओपन का समापन

नई दिल्ली : दिल्ली ई स्पोर्ट्स ओपन चैम्पियनशिप 2025 का समापन नेताजी सुभाष यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी में सफलतापूर्वक हुआ, इस चैम्पियनशिप ने देश की राजधानी में प्रतिस्पर्धी गेमिंग के नए बेंचमार्क स्थापित किए हैं। दिल्ली-एनसीआर से रिकॉर्ड 4250 प्रतिभागियों ने हिस्सा लेकर इसे गेमिंग बिल पास होने के बाद, पहले राज्य-उन्मुख ई-स्पोर्ट टूर्नामेन्ट्स में से एक बना दिया है। चैम्पियनशिप का आयोजन एक नेशनल ईस्पोर्ट्स संगठन द्वारा 27 राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों की उपस्थिति के साथ फेडरेशन ऑफ इलेक्ट्रॉनिक स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया किया गया।

विश्व चैंपियनशिप में मीराबाई से उम्मीदें

फोर्डे (नॉर्वे) : वापसी की कोशिश में जुटीं पूर्व चैंपियन मीराबाई चानू बृहस्पतिवार से यहां शुरू हो रही विश्व भारोत्तोलन चैंपियनशिप में एक बार फिर भारत की पदक की उम्मीदों को लेकर नए 48 किग्रा वर्ग में खुद को परखने की कोशिश करेंगी। भारत ने 12 सदस्यीय टीम उतारी है लेकिन 2017 की विश्व चैंपियन और 2022 की रजत पदक विजेता मीराबाई देश की एकमात्र पदक दावेदार हैं।

भारत ए ने रनों की बारिश कर आस्ट्रेलिया ए को रौंदा

शतक लगाने के बाद जश्न मनाते के कप्तान श्रेयस अय्यर।

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- कप्तान श्रेयस अय्यर व प्रियांश आर्य ने जड़े शतक, तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त
- भारत ए ने पहले बैटिंग करते 50 ओवर में 6 विकेट पर 413 रनों का स्कोर खड़ा किया

अमृत विचार। ग्रीनपार्क स्टेडियम में भारत ए व ऑस्ट्रेलिया ए के बीच होने वाला पहला वनडे मैच मंगलवार को बारिश के कारण रद हुआ और बुधवार को खेला गया। दूसरे दिन हुए मैच में चौकों-छक्कों की बारिश हुई और भारत ए टीम ने माहौल रोमांचक बना दिया।

भारत ए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 6 विकेट खोकर 413 रनों का स्कोर खड़ा किया। जवाब में आस्ट्रेलिया ए की टीम 33.1 ओवर में 242 रन पर लौट गई। भारत ए 171 रन के बड़े अंतर से मुकाबला अपने नाम किया। टॉस जीतकर गेंदबाजी करने उतरी आस्ट्रेलिया ए टीम पर सलामी बल्लेबाजों ने दबाव बनाया। प्रियांश और प्रभसिमरन सिंह ने पहले विकेट के लिए 135 रन की साझेदारी कर मेहमान गेंदबाजों को मैदान पर दौड़ाया। प्रभसिमरन 59 रन बनाकर आउट हुए, जबकि प्रियांश ने 101 रन की शतकीय पारी खेली और 11 चौके व 5 छक्के जड़े। इसके बाद कप्तान श्रेयस अय्यर और रियान पराग ने तीसरे विकेट के लिए 132 रन जोड़े। पराग ने 66 रन बनाए जबकि अय्यर ने 75 गेंदों पर 110 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें 12 चौके और 4 छक्के जड़े। अंत में आयुष बडोनी ने केवल 26 गेंदों पर ताबड़तोड़ 50 रन ठोकते हुए टीम का स्कोर 400 के पार पहुंचा दिया। भारत ने निर्धारित ओवरों में 6 विकेट खोकर 413 रन बनाए। आस्ट्रेलिया के लिए विल सदरलैंड ने दो विकेट लिए, लेकिन वह काफी महंगे साबित हुए और 73 रन खर्च किए। टॉम स्ट्रेकर, टॉड मर्फी और लियाम स्कॉट को एक-एक सफलता मिली।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी आस्ट्रेलिया ए टीम ने भी शुरू में तेजी से रन बटोरे। जैक फ्रेजर ने 23 रन बनाए, लेकिन युद्धवीर सिंह ने उन्हें आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद कूपर कॉनोली ने 33 रन और मैकेंजी हार्वे ने 68 रन बनाए, जिसमें 7 चौके, 2 छक्के शामिल रहे।

इसके बाद 181 रन के योग पर एक एक करके चार विकेट गंवा दिए। चौथे विकेट के रूप में लचलन शॉ 45 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने मैच पर पूरी पकड़ बना ली। लियम स्कॉट, हैरी डिक्शन और सैम इलियट जल्द ही पवेलियन लौटे।

टॉड मर्फी 204 रन के स्कोर पर आउट हुए और 236 पर तनवीर सांघा का भी विकेट गिर गया। आखिर में विल सदरलैंड ने अर्धशतक जमाया, लेकिन टीम को हार से नहीं बचा सके। पूरी आस्ट्रेलियाई टीम 33.1 ओवर में 242 रन पर सिमट गई। भारतीय गेंदबाजों में निशांत सिंधु सबसे घातक साबित हुए। उन्होंने 4 विकेट झटके और विपक्षी बल्लेबाजों की कमर तोड़ दी। रवि बिश्नोई ने 2 विकेट लिए जबकि युद्धवीर सिंह, सिमरजीत सिंह, गुर्जनपीत और आयुष बडोनी को 1-1 सफलता मिली। भारत ए ने यह मुकाबला 171 रन से जीतकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली।

शतक लगाने के बाद जश्न मनाते प्रियांश आर्य। अमृत विचार

वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत का पलड़ा भारी

दो टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला आज से, विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के मिलेंगे अंक

अहमदाबाद, एजेंसी

भारत के कप्तान शुभमन गिल व यशस्वी जायसवाल टेस्ट मैच से पहले अभ्यास सत्र के दौरान। एजेंसी

समय : पूर्वाह्न 9:30 से

टीमें

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, ध्रुव जुरेल, एन जगदीशन, देवदत्त पडिक्कल, बी साई सुदर्शन, रविंद्र जडेजा, नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा।

वेस्टइंडीज : रोस्टन चेस (कप्तान), केवलोन एंडरसन, एलिक अथानाजे, जॉन कैंपबेल, तेजनारायण चंद्रपॉल, शाई होप, टेविन इमलाच, ब्रेंडन किंग, जस्टिन ग्रीव्स, जोहान लेन, खारी पियरे, जोमेल वारिकन, जेडेन सील्स, एंडरसन फिलिप, जेडिया ब्लेड्स।

विवादों से घिरा एशिया कप जीतने के बाद भले ही लंबा ब्रेक नहीं मिल सका हो, लेकिन शुभमन गिल की टीम का पलड़ा खराब फॉर्म से जूझ रही वेस्टइंडीज के खिलाफ बृहस्पतिवार से हरी भरी पिच पर शुरू हो रहे पहले टेस्ट में भारी रहेगा।

कप्तान गिल समेत भारतीय टीम के अधिकांश सदस्य और मुख्य कोच गौतम गंभीर दुबई से यहां पहुंच गए हैं और लाल गेंद के प्रारूप में खेलने की तैयारी में जुट गए हैं। इस सीरीज की अहमियत इसलिए भी है क्योंकि इससे विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के अंक भी मिलने हैं। इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराने के बाद गिल की टीम तीसरे स्थान पर है जबकि इंग्लैंड एक अंक पीछे है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ शृंखला समेत भारत को चार घरेलू टेस्ट खेलने हैं जिनसे अधिक से अधिक अंक लेने की कोशिश होगी। अहमदाबाद में इस बार खेलने की परिस्थितियां अलग है और पिच हरी भरी दिख रही है। मौसम उमस भरा है और टेस्ट मैच के दौरान थोड़ी बहुत बारिश की भी संभावना है। दूसरी ओर वेस्टइंडीज टीम 2025 . 27 डब्ल्यूटीसी चक्र में तीन टेस्ट हार चुकी है। ऐसे में दोनों टीमों के बीच मुकाबले से ज्यादा रूचि यह जानने में है कि भारत की अंतिम एकादश क्या होगी। पहले टेस्ट में पिच पर घास होने से भारतीय टीम संयोजन में बदलाव हो सकता है। पिछले सत्र में न्यूजीलैंड के खिलाफ टर्निंग पिचें बनाने से भारत को नुकसान हुआ था। अक्टूबर 2024 में भारत में आखिरी टेस्ट खेलने के बाद से टीम में बहुत कुछ बदला है। विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविचंद्रन अश्विन जैसे दिग्गज पारंपरिक प्रारूप से विदा ले चुके हैं। अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी भी अब टीम में नहीं हैं। भारत की बल्लेबाजी और गेंदबाजी ईकाई संतुलित है और यह देखना होगा कि देवदत्त पडिक्कल के रूप में अतिरिक्त बल्लेबाज को उतारा जाता है या तेज गेंदबाजी हरफनमौला नितीश रेड्डी को मौका मिलता है। रविंद्र जडेजा और कुलदीप यादव स्पिन गेंदबाजी का जिम्मा संभालेंगे लेकिन भारत वॉशिंगटन सुंदर या अक्षर पटेल को भी मौका दे सकता है। वॉशिंगटन ने हैंपशर के लिये काउंटी क्रिकेट खेलने के बाद यहां पहुंचकर टीम के साथ अभ्यास किया। करुण नायर तीसरे नंबर की जगह लेने में नाकाम रहे और अब बी साई सुदर्शन का उस क्रम पर खेलना तय है।

गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों की मददगार पिच चाहते हैं हम : गिल

अहमदाबाद : भारत के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने बुधवार को कहा कि टीम घरेलू मैचों में टर्निंग पिचों को तरजीह देने की बजाय ऐसी पिचों पर खेलना चाहती है जो बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों की मदद करे। वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में गिल ने कहा कि टीम पहले मैच में तीसरे तेज गेंदबाज को मौका दे सकती है चूंकि पिच पर घास जमी है और मौसम भी उमस भरा है। गिल ने कहा मेरे आने (बतौर कप्तान) से पहले क्या बात हुई थी, मैं उसके बारे में नहीं बोल सकता। लेकिन हम ऐसी पिचों पर खेलना चाहते हैं जो गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों की मददगार हो। उन्होंने कहा भारत आने वाली किसी भी टीम के लिए चुनौती स्पिन और रिवर्स स्विंग होती है। इन चुनौतियों को ध्यान में रखकर हम ऐसी विकेटों पर खेलना चाहते हैं जो गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों की मदद करे। उन्होंने कहा आपको संयोजन के बारे में कल पता चल जायेगा। मौसम और हालात को देखते हुए तीसरे तेज गेंदबाज को उतार सकते हैं लेकिन फैसला कल लेंगे। गिल ने कहा कि भारतीय टीम अपनी धरती पर दमदार क्रिकेट खेलना चाहेगी। उन्होंने कहा हम दमदार क्रिकेट खेलना चाहेंगे।

ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को 89 रनों से हराया

इंदौर : अनुभवी हरफनमौला एशले गार्डनर (115 रन) के शतक के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने आईसीसी महिला वनडे विश्व कप के अपने शुरुआती मुकाबले में बुधवार को यहां न्यूजीलैंड को 89 रन से शिकस्त दी।

गार्डनर के दूसरे वनडे शतक से ऑस्ट्रेलियाई टीम टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला करने के बाद शुरुआती झटकों से उबरने में सफल रही और 49.3 ओवर में 326 रन का विशाल स्कोर खड़ा करके आउट हो गई। इस लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम कप्तान सोफी डेविने (111 रन, 112 गेंद) की पारी के बावजूद 43.2 ओवर में 237 रन पर सिमट गई, जिसमें ऑस्ट्रेलिया की शानदार गेंदबाजी ने अहम भूमिका निभाई। ऑस्ट्रेलिया के लिए तेज गेंदबाज अनाबेल सदरलैंड (26 रन देकर तीन विकेट) तथा अलाना किंग (44 रन देकर दो विकेट) और सोफी मोलिनू (25 रन देकर तीन विकेट) की स्पिन जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया। न्यूजीलैंड ने दूसरे ओवर में बिना रन जुटाए अपनी दोनों सलामी बल्लेबाज सूजी बेट्स और जॉर्जिया प्लिमर के विकेट गंवा दिए थे।

अभिषेक टी-20 रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार

दुबई, एजेंसी

अभिषेक शर्मा।

तेजी से उभरते हुए भारत के स्टार बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने बुधवार को जारी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की टी-20 बल्लेबाजी रैंकिंग में इतिहास के सर्वश्रेष्ठ रेटिंग अंक के साथ शीर्ष पर अपनी स्थिति और मजबूत की जबकि वरुण चक्रवर्ती भी गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार हैं। पाकिस्तान के सईम अयूब हालांकि टी20 अंतर्राष्ट्रीय ऑलराउंडर की सूची में भारत के हार्दिक पंड्या को पछाड़कर शीर्ष पर पहुंच गए। हाल में यहां संपन्न एशिया कप में भारत की खिताबी जीत के बाद अभिषेक ने इतिहास के सर्वश्रेष्ठ 931 अंक के साथ लगभग पांच साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ा। आईसीसी ने बताया कि 25 साल के अभिषेक ने 2020 में बनाए इंग्लैंड के दाएं हाथ के बल्लेबाज डेविड मलान के 919 रेटिंग अंक के रिकॉर्ड को तोड़ा।

एशिया कप के दौरान 200 से अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाकर टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बने अभिषेक ने टीम के अपने साथियों सूर्यकुमार यादव (912) और विराट कोहली (909) के पिछले सर्वश्रेष्ठ रेटिंग अंक को भी पीछे छोड़ा। पिछले साल अंतरराष्ट्रीय पदार्पण करने वाले अभिषेक ने एशिया कप के सात मैच में 44.85 के औसत से 314 रन बनाए। अभिषेक दूसरे स्थान पर चल रहे इंग्लैंड के फिल सॉल्ट से 82 रेटिंग अंक आगे हैं।

टीम इंडिया के उनके साथी तिलक वर्मा तीसरे स्थान पर हैं। वर्मा ने एशिया कप में 213 रन बनाए। श्रीलंका के दाएं हाथ के बल्लेबाज पथुम निसांका एशिया कप में 261 रन की बदौलत दो स्थान के फायदे से करियर के सर्वश्रेष्ठ पांचवें स्थान पर पहुंच गए। टीम के उनके साथी कुसाल परेरा (दो स्थान के फायदे से नौवें), पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान (11 स्थान के फायदे से 13वें पायदान पर) और भारत के संजू सैमसन (आठ स्थान के फायदे से 31वें पायदान पर) की रैंकिंग में भी एशिया कप में अच्छे प्रदर्शन के बाद सुधार हुआ है।

जूनियर निशानेबाजी विश्व कप में मुकेश ने जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली : मुकेश नेलावल्ली ने बुधवार को यहां आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप के अंतिम दिन पुरुषों की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता जबकि तेजस्विनी सिंह ने इसी स्पर्धा में महिला वर्ग में रजत पदक हासिल किया जिससे भारत पदक तालिका में शीर्ष पर रहा।

जूनियर विश्व चैंपियन मुकेश नेलावल्ली ने गैर ओलंपिक स्पर्धा में कुल 585 का स्कोर बनाकर स्वर्ण पदक जीता।

सूर्यवंशी ने अंडर-19 टेस्ट में भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचाया

ब्रिसबेन, एजेंसी

वैभव सूर्यवंशी ने टी-20 शैली में 86 गेंद में 113 रन बनाए, जबकि वेदांत त्रिवेदी ने 140 रन की पारी खेलकर भारत की अंडर 19 टीम को मेजबान आस्ट्रेलिया ए के खिलाफ पहले युवा टेस्ट में बुधवार को 185 रन की बढ़त दिला दी।

भारत की अंडर 19 टीम ने 81.3 ओवर में 428 रन बनाए। आस्ट्रेलिया अंडर 19 टीम ने पहली पारी में 243 रन बनाए थे। दूसरी पारी में उसने दूसरे दिन एक विकेट पर आठ रन बना लिए थे। अभी भी वह भारतीय टीम से 177 रन पीछे है। चौदह वर्ष की उम्र में आईपीएल में शतक जमाने वाले सूर्यवंशी ने पारी के पहले ही ओवर में हेडन शिलेर को चौका जड़ा था।

उन्होंने त्रिवेदी के साथ 152 रन की साझेदारी करके बड़े स्कोर की नींव रखी। सूर्यवंशी ने अपनी पारी में आठ छक्के और नौ चौके लगाए। उन्होंने बाएं हाथ के स्पिनर आर्यन शर्मा को बेहतरीन कवर ड्राइव लगाकर अपना शतक पूरा किया।

डेब्रनर ने स्वर्ण पदकों की हैट्रिक पूरी की

विश्व पैरालंपिक

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की सुचित्रा परिदा महिला भाला फेंक एफ56 फाइनल के दौरान। एजेंसी

इंडियनऑयल नई दिल्ली विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में महिलाओं की 5000 मीटर टी54 और 800 मीटर टी53 स्पर्धाओं में पहले ही स्वर्ण पदक जीत चुकीं कैथरीन डेब्रनर ने बुधवार सुबह 3:16.81 मिनट के चैंपियनशिप रिकॉर्ड समय के साथ 1500 मीटर टी54 का खिताब भी अपने नाम किया। इसी के साथ वह इस चैंपियनशिप में तीन स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली एथलीट बनीं।

गत चैंपियन झोउ झाओकियान (चीन) 800 मीटर के बाद दूसरी बार दूसरे स्थान पर खिसक गईं। चीनी खिलाड़ी अगले कुछ दिनों में 100 मीटर और 400 मीटर स्प्रिंट में डेब्रनर को मात देने की उम्मीद कर रही होंगी, लेकिन डेब्रनर के पास पेरिस 2024 पैरालंपिक खेलों में चार स्वर्ण पदक जीतने का अनुभव है और वह इस बार भी बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगी।

पुरुषों की शॉट पुट एफ36 स्पर्धा में व्लादिमीर स्विरिडोव (न्यूट्रल पैरा एथलीट) ने अपने अंतिम प्रयास में 17.01 मीटर का शानदार थ्रो फेंककर स्वर्ण पदक जीता। पिछली बार सर्कल में प्रवेश करने पर, रूस में जन्मे इस एथलीट ने 16.93 मीटर का थ्रो फेंककर गत चैंपियन यासीन गुएनिची (ट्यूनीशिया) से बढ़त हासिल की थी, लेकिन आखिरी प्रयास में गुएनिची उनसे आगे निकल गए। गुएनिची पहले दो राउंड के बाद 16.57 मीटर और 16.74 मीटर के थ्रो के साथ आठ एथलीटों के समूह में सबसे आगे थे, लेकिन पाँचवें राउंड में स्विरिडोव के आगे निकलने के बाद, ट्यूनीशियाई एथलीट ने अपने छठे प्रयास में 16.93 मीटर का थ्रो फेंककर काउंटबैक में बढ़त बना ली और रूस में जन्मे दो बार के पैरालंपिक खेलों के चैंपियन पर अपनी पहली जीत दर्ज की।

चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स में खराब प्रदर्शन से बुरी तरह टूट गई थी : वैशाली

नई दिल्ली : चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स टूर्नामेंट में लगातार सात हार के बाद ग्रैंडमास्टर आर वैशाली बुरी तरह से टूट गईं थी और उन्होंने ग्रैंड स्विस टूर्नामेंट से हटने का मन बना लिया था लेकिन परिवार के समर्थन के बाद उन्होंने इस टूर्नामेंट में हिस्सा लिया और खिताब जीतकर अगले साल होने वाले कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया। दिव्या देशमुख और कोनेरू हंपी के बाद अगले साल होने वाले कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने वाली तीसरी भारतीय वैशाली ने कहा कि उनका परिवार, विशेषकर छोटे भाई आर प्रज्ञानानंदा उन्हें मजबूती देते हैं और मुश्किल समय से उबरने में मदद करते हैं। वैशाली ने फिडे (अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ) को दिए साक्षात्कार में कहा चेन्नई में (इस साल) हुए टूर्नामेंट में मैंने लगातार सात बाजियां गंवाईं।

अकड़ जारी | बोले- एशिया कप ट्रॉफी तभी मिलेगी जब टीम सीधे उनसे लेगी

भारत मुझसे ट्रॉफी ले सकता है : नकवी

दुबई, एजेंसी

एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने एक बार फिर से कहा है कि भारतीय टीम कार्यालय आकर मुझे ट्रॉफी ले सकती है।

नकवी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपनी एक पोस्ट में कहा एसीसी के प्रेसीडेंट के तौर पर मैं उसी दिन भारतीय टीम को ट्रॉफी देने के लिए तैयार था और अब भी तैयार हूं। अगर आप सच में वह ट्रॉफी लेने चाहते हैं तो एसीसी के ऑफिस में आइए और मुझसे ट्रॉफी ग्रहण कीजिए।

नकवी का यह बयान मंगलवार को दुबई में हुई ताजा एससीस बैठक के बाद आया है, जिसकी अध्यक्षता उन्होंने की। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसी) की ओर से उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला और पूर्व कोषाध्यक्ष आशीष शेलार ने इस बैठक में वर्चुअली हिस्सा लिया। हालांकि उस मीटिंग में यह साफ नहीं हो पाया कि सूर्यकुमार यादव की टीम को ट्रॉफी और विजेताओं के पदक दिए जाएंगे या नहीं।

उल्लेखनीय है कि रविवार को एशिया कप फाइनल के बाद भारतीय टीम और नकवी (जो पीसीबी अध्यक्ष और पाकिस्तान के गृहमंत्री भी हैं) के बीच टकराव हो गया था, जिसकी वजह से प्रेजेंटेशन सेरेमनी में एक घंटे से अधिक देरी गई। भारतीय कप्तान और टीम ने नकवी से ट्रॉफी और पदक लेने से इनकार कर दिया, जबकि नक़वी मंच पर पहुंच गए थे। आखिरकार कुलदीप यादव, तिलक वर्मा और अभिषेक शर्मा ने अपने व्यक्तिगत अवॉर्ड्स मंच पर मौजूद अन्य मेहमानों से लिए, जबकि ट्रॉफी को एसीसी अधिकारी ने वापस ले लिया। भारत ने मंच पर बिना ट्रॉफी के जश्न मनाया था।

भारत विरोधी रुख जगजाहिर है नकवी का

एसीसी के अध्यक्ष होने के साथ मोहसिन नकवी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष और अपने देश के गृह मंत्री भी हैं। उनका भारत विरोधी राजनीतिक रुख जगजाहिर है।

बीसीसीआई से कभी माफी नहीं मांगी

नकवी ने कहा मैं यह साफ कर देना चाहता हूं, मैंने कुछ गलत नहीं किया और मैंने बीसीसीआई से कभी माफी नहीं मांगी और ना ही कभी मांगूंगा। आशीष शेलार और राजीव शुक्ला ने एसीसी की एजीएम में बीसीसीआई का प्रतिनिधित्व किया था जहां उन्होंने सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम को ट्रॉफी नहीं देने पर कड़ी आपत्ति जताई थी। भारतीय टीम ने फाइनल में पाकिस्तान को हराया था। नकवी ने मंगलवार को बीसीसीआई अधिकारियों से कहा था कि वह ट्रॉफी भारतीय टीम को देने के लिए तैयार हैं। हालांकि एजीएम में इस मुद्दे पर कोई फैसला नहीं लिया गया जिससे बीसीसीआई के शीर्ष अधिकारी और नाराज हो गए। बीसीसीआई इस मामले को आईसीसी के सामने रखेगा।